आओ हिंदी सीखें - 6

(द्वितीय भाषा)

(छठी कक्षा के लिए)

Q8X8X1

ਸਮੱਗਰ ਸਿੱਖਿਆ ਅਭਿਆਨ

ਪੜ੍ਹੋ ਸਾਰੇ ਵਧੋ ਸਾਰੇ

ਸਿੱਖਿਆ ਅਤੇ ਭਲਾਈ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਸਾਂਝਾ ਉਪਰਾਲਾ

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर

© पंजाब सरकार

संशोधित संस्करण : 2021-22............................2,12,200 प्रतियाँ

All rights, including those of translation, reproduction
and annotation etc., are reserved by the
Punjab Government.

सम्पादक : शशि प्रभा जैन
डॉ॰ सुनील बहल

चित्रकार : कुलजीत कौर

चेतावनी

1. कोई भी एजेंसी-होल्डर अधिक पैसे लेने के उद्‌देश्य से पाठ्य-पुस्तकों पर जिल्दबंदी नहीं कर सकता। (एजेंसी-होल्डरों के साथ हुए समझौते की धारा नं. 7 के अनुसार)
2. पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्‌वारा मुद्रित तथा प्रकाशित पाठ्य-पुस्तकों के जाली/ नकली छपाई, प्रकाशन, स्टॉक करना / जमाखोरी या बिक्री आदि करना भारतीय दंड प्रणाली के अन्तर्गत गैरकानूनी जुर्म है।

(पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की पाठय-पुस्तकें बोर्ड के 'वाटर मारक' वाले कागज़ के ऊपर ही मुद्रित की जाती हैं।)

ਸਮੱਗਰ ਸਿੱਖਿਆ ਅਭਿਆਨ
ਪੜ੍ਹੋ ਸਾਰੇ ਵਧੋ ਸਾਰੇ
ਸਿੱਖਿਆ ਅਤੇ ਭਲਾਈ ਵਿਭਾਗ, ਪੰਜਾਬ ਦਾ ਸਾਂਝਾ ਉਪਰਾਲਾ

ਇਹ ਪੁਸਤਕ ਵਿਕਰੀ ਲਈ ਨਹੀਂ ਹੈ।

सचिव, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड, विद्‌या भवन फेज़-8, साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर 160062 द्‌वारा प्रकाशित तथा मंगत राम प्रिंटिंग प्रैस, जालंधर द्‌वारा मुद्रित ।

प्राक्कथन

गत कुछ वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के ढाँचे में मूलभूत परिवर्तन लाने के विभिन्न प्रयास हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के अनुसार बाल-केन्द्रित शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इसी प्रयत्न को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूल के जीवन को सामाजिक जीवन से जोड़ा जाये। इसके लिए ज़रूरी है कि हम सीखने की प्रक्रिया में बच्चे को भागीदार बनायें, उसकी कल्पनाशीलता को विकसित करें तथा वह सीखे हुए ज्ञान को जीवन से जोड़कर अनुभव करे।

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने अपने इस उत्तरदायित्व को समझते हुए आधुनिक शैक्षिक आवश्यकताओं के आधार पर हिंदी (द्वितीय भाषा) के प्राइमरी स्तर की पाठ्य-पुस्तकों के नवीकरण की योजना प्रवेश वर्ष 2007 से बनायी हुई है। प्राइमरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए नई पाठ्य-पुस्तकें लागू की जा चुकी हैं।

हस्तीय पाठ्य-पुस्तक हमारा तृतीय प्रयास है। इस पाठ्य-पुस्तक में बच्चों के मानसिक स्तर को ध्यान में रखते हुए 'दोहराई' नाम से एक पाठ सम्मिलित किया गया है। इसका उद्देश्य पूर्व कक्षाओं में पढ़े हुए ज्ञान की पुनरावृत्ति कराना है। पाठों का चयन बच्चों के बौद्धिक और मानसिक स्तर को ध्यान में रखकर किया गया है। प्रत्येक पाठ किसी न किसी मानवीय मूल्य को विकसित करता है । पाठों के विस्तृत अभ्यास बच्चों की कल्पना-शीलता और सोचने-समझने की शक्ति को करने में सहायक है।

हमें पूर्ण आशा है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों में हिंदी भाषा का ज्ञान देने में सहायक सिद्ध होगी। फिर भी पुस्तक को अधिक उपयोगी बनाने के लिए क्षेत्र से आये सभी सुझाव बोर्ड द्वारा आदर सहित स्वीकार किये जायेंगे।

चेयरमैन

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड

विषय- सूची

पाठ संख्या	पाठ	लेखक	पृष्ठ संख्या
	दोहराई	--	--
1	प्रार्थना (कविता)	संकलित	12
2	सबसे बड़ा धन	संकलित	16
3	जय जवान! जय किसान!	कंचन जैन	21
4	इंद्रधनुष (कविता)	संकलित	28
5	ईमानदार शंकर	संकलित	33
6	मैं और मेरी सवारी	सुधा जैन 'सुदीप'	38
7	सूरज (कविता)	डा॰ सुनील बहल	44
8	प्रायश्चित	संकलित	48
9	रोमाँचक कबड्डी मुकाबला	शिव शंकर	54
10	चिड़िया का गीत (कविता)	संकलित	61
11	दूध का दूध, पानी का पानी	संकलित	66
12	रेणुका झील	डॉ. मीनाक्षी वर्मा	73
13	काश! मैं भी (कविता)	बिमला देवी	79
14	कुमारी काली बाई	श्याम लाल	82
15	गुरुपर्व	डॉ॰ सुनील बहल	88
16	चींटी (कविता)	संकलित	93
17	पिल्ले बिकाऊ हैं	सनरेज़ फॉर सनडे से संकलित	96
18	रसोई का ताज: सब्ज़ियाँ	डॉ. सुनील बहल	101
19	पेड़ लगाओ (कविता)	संकलित	107
20	ज्ञान का भंडार : समाचार-पत्र	कमलेश भारतीय	112

दोहराई

स्वरों की पहचान

स्वर विशेष की पहचान करो और उस पर गोला लगाओ तथा दो-दो नये शब्द लिखो :

अ	अदरक	अचकन	________ , ________
आ	आकाश	आग	________ , ________
इ	इमली	इमारत	________ , ________
ई	भाई	चटाई	________ , ________
उ	उपला	उड़द	________ , ________
ऊ	ऊन	गऊ	________ , ________
ऋ	ऋषि	ऋतु	________ , ________
ए	एक	एड़ी	________ , ________
ऐ	ऐनक	ऐलान	________ , ________
ओ	ओला	ओस	________ , ________
औ	औषधि	औज़ार	________ , ________
अं	अंजीर	अंगूठा	________ , ________
अः	प्रातः	अतः	________ , ________

अध्यापन निर्देश :

बच्चों ने चौथी कक्षा में हिंदी वर्णमाला तथा सभी मात्राओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया है। यहाँ 'दोहराई' के अन्तर्गत बच्चों को पुनः याद कराना उद्देश्य है। अतः अध्यापक हिंदी के स्वरों, व्यंजनों और मात्राओं की इन पृष्ठों की सहायता से दोहराई करवाये।

व्यंजनों की पहचान

व्यंजन विशेष की पहचान करो और उस पर गोला लगाओ तथा दो-दो नये शब्द लिखो:

क	कमल	कलम	_______ , _______
ख	खजूर	खरबूज़ा	_______ , _______
ग	गधा	गमला	_______ , _______
घ	घड़ा	घर	_______ , _______
च	चकला	चपाती	_______ , _______
छ	छड़ी	छत	_______ , _______
ज	जहाज़	जग	_______ , _______
झ	झरना	झंडा	_______ , _______
ट	टब	टमाटर	_______ , _______
ठ	ठग	ठठेरा	_______ , _______
ड	डमरू	डंडा	_______ , _______
ढ	ढोल	ढोलकी	_______ , _______
त	तराज़ू	तरबूज़	_______ , _______
थ	थाल	थरमस	_______ , _______
द	दही	दरवाज़ा	_______ , _______
ध	धरती	धोबी	_______ , _______
न	नमक	नगर	_______ , _______
प	पहिया	पहाड़	_______ , _______
फ	फाटक	फ़सल	_______ , _______
ब	बकरी	बटन	_______ , _______
भ	भाई	भगवान	_______ , _______
म	महल	मटर	_______ , _______
य	यमुना	यान	_______ , _______
र	रात	रज़ाई	_______ , _______
ल	लहू	लकड़ी	_______ , _______
व	वक	वन	_______ , _______
श	शहद	शहतूत	_______ , _______
ष	कृषि	कृषक	_______ , _______
स	सपेरा	सड़क	_______ , _______
ह	हवा	हरा	_______ , _______

बिना मात्रा के शब्द और 'आ की मात्रा 'ा' वाले शब्द

श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखे हैं। उन्हें पढ़ें और उपयुक्त स्थान पर लिखें :

बिना मात्रा के शब्द	*'आ' की मात्रा 'ा' वाले शब्द*
नल	आम
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________

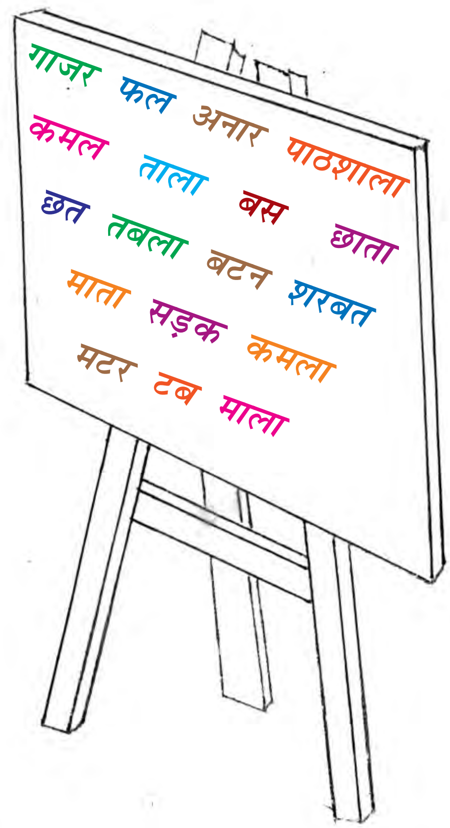

‘ई’ की मात्रा ‘ि’ और ‘ई’ की मात्रा ‘ ी’ वाले शब्द

किताब के चित्र में कुछ शब्द लिखे हैं। उन्हें पढ़ें और उपयुक्त स्थान पर लिखें :

‘इ’ की मात्रा ‘ि’ वाले शब्द	‘ई’ की मात्रा ‘ ी’ वाले शब्द
दिन	हाथी
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________

‘उ’ की मात्रा ‘ ु ’ और ‘ऊ’ की मात्रा ‘ ू ’ वाले शब्द

सुराही के चित्र में कुछ शब्द लिखे हैं। उन्हें पढ़ें और उपयुक्त स्थान पर लिखें :

‘उ’ की मात्रा ‘ ु ’ वाले शब्द	‘ऊ’ की मात्रा ‘ ू ’ वाले शब्द
गुलाब	झूला
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________

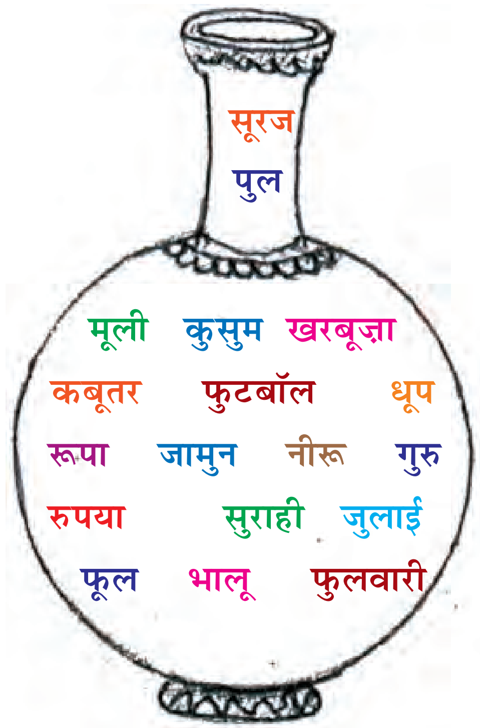

'ऋ' की मात्रा 'ृ' वाले शब्द

'ऋ' की मात्रा 'ृ' वाले शब्द पढ़ें और उन्हें उपयुक्त स्थान पर लिखें :

'ऋ' की मात्रा 'ृ' वाले शब्द

नृप

____

____

____

____

____

____

____

____

____

'ए' की मात्रा 'े' और 'ऐ' की मात्रा 'ै' वाले शब्द

सेब के चित्र में कुछ शब्द लिखे हैं। उन्हें पढ़ें और उपयुक्त स्थान पर लिखें :

'ए' की मात्रा 'े' वाले शब्द	'ऐ' की मात्रा 'ै' वाले शब्द
केला	पैर
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________
__________	__________

‘ओ’ की मात्रा ‘ ो’ और ‘औ’ की मात्रा ‘ ौ’ वाले शब्द

ढोलकी के चित्र में कुछ शब्द लिखे हैं। उन्हें पढ़ें और उपयुक्त स्थान पर लिखें :

‘ओ’ की मात्रा ‘ ो’ वाले शब्द | **‘औ’ की मात्रा ‘ ौ’ वाले शब्द**

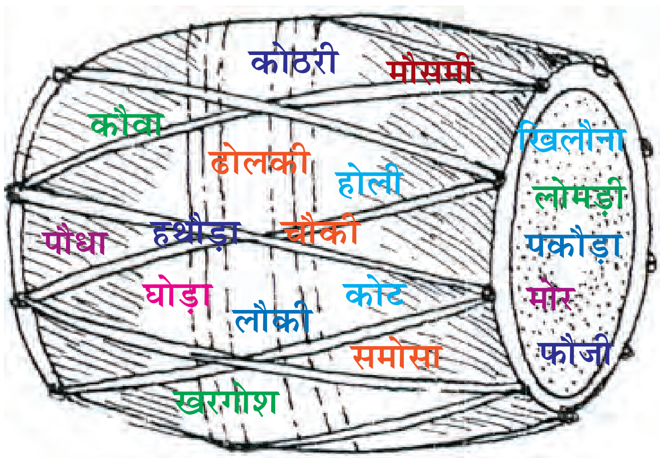

‘ओ’ की मात्रा ‘ ो’ वाले शब्द	‘औ’ की मात्रा ‘ ौ’ वाले शब्द
कोयल	नौका
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________
________	________

अनुस्वार ' ं ', अनुनासिक ' ँ ' और विसर्ग ' : ' वाले शब्द

बॉक्स में कुछ शब्द लिखे हैं। उन्हें पढ़ें और उपयुक्त स्थान पर लिखें :

खुँबी बंदर प्रायः चाँटा बिंदु कंघा खंभा आँख प्रातः

कंगन डंडा प्रातःकाल होंठ सूँड़ अतः मूलतः दाँत पाँच टाँग

अनुस्वार ' ं ' वाले शब्द	*अनुनासिक ' ँ ' वाले शब्द*	*विसर्ग ' : ' वाले शब्द*
झंडा	**चाँद**	**नमः**
__________	__________	__________
__________	__________	__________
__________	__________	__________
__________	__________	__________
__________	__________	__________
__________	__________	__________
__________	__________	__________

अध्यापन निर्देश : अध्यापक हिंदी की वर्णमाला श्यामपट्ट पर लिखे। कवर्ग, चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग और पवर्ग के पाँचवें वर्ण की ओर ध्यान दिलाते हुए बताये कि पहले तीन वर्णों (ङ् , ञ् , ण्) से कोई शब्द शुरू नहीं होता। ये वर्ण शब्द के मध्य में या अंत में आते हैं। मानक दृष्टि से इन पाँच वर्णों के बाद यदि इनके वर्ग का कोई अन्य वर्ण आये तो पाँचवें वर्ण के स्थान पर अनुस्वार ' ं ' का प्रयोग होता है जैसे कङ्गन शब्द में ङ् वर्ण के बाद 'ग' वर्ण कवर्ग से है इसलिए 'ङ' का सरलीकरण अनुस्वार 'कंगन' के रूप में हो गया। इसी प्रकार अनुनासिक ध्वनि के लिए चन्द्रबिन्दु ' ँ ' का प्रयोग होता है। जिन स्वरों की मात्राएँ शिरोरेखा के ऊपर नहीं लगतीं जैसे आ (ा), उ (ु) और ऊ (ू), वहाँ चन्द्रबिन्दु का प्रयोग किया जाता है। परन्तु जिन स्वरों की मात्राएँ शिरोरेखा के ऊपर लगती हैं जैसे इ (ि), ई (ी), ए (े), ऐ (ै), ओ (ो), औ (ौ) के साथ यह चिह्न (ँ) अनुस्वार के चिह्न (ं) की तरह केवल बिंदु ही लगता है। जैसे : आँख, हँसना, दाँत, नदियाँ, सूँड़ आदि में यह चिह्न लगता है परन्तु नींद, मैं, हैं, ईंट आदि में इसका स्वरूप अनुस्वार (ं) के समान ही है। यह नियम केवल छपाई/लेखन सुविधा की दृष्टि से ही स्वीकार किया गया है। विसर्ग का उच्चारण 'ह्' व्यंजन के समान होता है। इस ध्वनि का प्रयोग अधिकतर उन्हीं शब्दों तक सीमित है जो संस्कृत के हैं।

मानक हिंदी वर्णमाला

स्वर	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्राएँ	कोई मात्रा नहीं	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ

व्यंजन :	कवर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
	चवर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
	टवर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
	तवर्ग	त	थ	द	ध	न
	पवर्ग	प	फ	ब	भ	म
		य	र	ल	व	
		श	ष	स	ह	
		ड़	ढ़			

इस तरह हिंदी वर्णमाला में मूलत: 11 स्वर तथा 35 व्यंजन हैं।

अनुस्वार : ं (अं)
अनुनासिक चिह्न : ँ
विसर्ग : : (अ:)

हल् चिह्न : (्)

अध्यापन निर्देश : इस पृष्ठ पर हिंदी वर्णमाला दी गई है। अध्यापक बच्चों को पूर्व ज्ञान के आधार पर पहचान करवाये और उन्हें बताये कि 'ङ', 'ञ', 'ण' वर्णों से कोई शब्द शुरू नहीं होता। 'ड़', 'ढ़' ध्वनियाँ 'ड', 'ढ' का विकसित रूप हैं। इन ध्वनियों (ड़, ढ़) से भी कोई शब्द शुरू नहीं होता। ये शब्द के मध्य या अंत में आती हैं। प्राय: देखा गया है कि बच्चे किसी भी वर्ग के चौथे वर्ण (महाप्राण)(घ, झ, ढ, ध, भ) का उच्चारण तीसरे वर्ण (अल्पप्राण) (ग, ज, ड, द, ब) के समान करते हैं। अध्यापक ध्यान दे कि चौथे वर्ण के उच्चारण के अंत में 'ह' जैसी ध्वनि उच्चरित होती है। जैसे – गात-घात, गोल-घोल, जाग-झाग, जाड़ा-झाड़ा, डाक-ढाक, डेला-ढेला, दन-धन, दाम-धाम, बाग-भाग, बाल-भाल आदि उदाहरण देकर अल्पप्राण तथा महाप्राण के अंतर को अध्यापक स्पष्ट करे। हल् चिह्न (्) के बारे में अध्यापक बच्चों को बताये कि यह चिह्न प्रत्येक आधे व्यंजन के नीचे लगाया जाता है। जैसे ट्, ठ्, ड्, आदि।

बनावट के आधार पर वर्णों की पहचान

उ	ऊ	अ	अं	अः	आ	ओ	औ
इ	ई	झ					
ट	ढ	ढ़	द	ठ			
ड	ड़	ङ	ह				
व	ब	क					
र	ए	ऐ	स	श	ख		
ग	म	भ					
प	ष	फ	च	ण			
न	ज	ञ	त	ऋ	ल		
य	थ						
घ	ध	छ					

पाठ -1

प्रार्थना

हे ईश्वर, हे भगवान,
हम सब बच्चे हैं नादान।
तुम्हीं हो माता-पिता हमारे,
भाई-बन्धु सखा हमारे।

करें सभी से प्रेम सदा हम,
करें सभी के दुःख दूर हम।
सबका भला हमेशा चाहें।
मिटा सकें दुःखियों की आहें।

माता-पिता की आज्ञा मानें,
गुरु का आदर करना जानें।
देश-प्रेम पर बलि-बलि जायें,
दीन-दुःखी को सदा बचायें।

आगे कदम बढ़ाते जायें,
कभी न पीछे हटने पायें।

करें किसी से नहीं लड़ाई,
करें किसी की नहीं बुराई।
पढ़ें लिखें-हम खेलें खायें,
भारत देश की शान बढ़ायें।
इसका मान न घटने पाये,
चाहे प्राण भले ही जायें।
फैले चहुँ ओर हरियाली,
सबके घर में हो खुशहाली।
देश हमारा बढ़ता जाये,
होकर बड़े कीर्ति हम पायें।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਬੱਚੇ	=	बच्चे	ਅੱਗੇ	=	आगे
ਦੁੱਖ	=	दु:ख	ਪਿੱਛੇ	=	पीछे
ਆਗਿਆ	=	आज्ञा	ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ	=	खुशहाली
ਗੁਰੂ	=	गुरु	ਕੀਰਤੀ	=	कीर्ति

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਨਾਸਮਝ	=	नादान	ਬਲਿਹਾਰੀ ਜਾਣਾ	=	बलि-बलि जाएँ
ਮਿੱਤਰ	=	सखा	ਸ਼ੋਭਾ	=	शान
ਸਦਾ	=	हमेशा	ਚਹੁੰ ਪਾਸੇ	=	चहुँ ओर
ਬੜਾਈ	=	कीर्ति			

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें :-

(क) बच्चों ने भगवान से कौन-कौन से सम्बन्ध जोड़े हैं?
(ख) बच्चे किनकी आहें मिटाना चाहते हैं?
(ग) बच्चे कौन से अच्छे गुण अपने भीतर विकसित करना चाहते हैं?
(घ) बच्चे पढ़-लिखकर किसकी शान बढ़ाना चाहते हैं?
(ङ) बच्चे देश के कैसे भविष्य की कामना करते हैं?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखें :-

(क) बच्चे दीन-दु:खियों की सहायता कैसे कर सकते हैं?

(ख) देश-प्रेम पर बलि-बलि जायें, से कवि का क्या आशय है?

(ग) 'होकर बड़े हम कीर्ति पायें' से बच्चों का क्या आशय है?

5. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को कविता से देखकर पूरा करें :-

(क) तुम्हीं हो__________हमारे,
__________सखा हमारे।

(ख) __________पर बलि-बलि जायें,
__________को सदा बचायें।

(ग) __________हम खेलें खायें,
भारत देश की शान बढ़ायें।

ऊपर लिखित काव्य-पंक्तियों में **माता-पिता, भाई-बन्धु, देश-प्रेम, दीन-दु:खी, पढ़ें-लिखें शब्द युग्म (जोड़े)** के रूप में प्रयोग हुये हैं। इन **शब्द-युग्मों** को उदाहरण के अनुसार लिखें:-

माता-पिता = **माता और पिता**

भाई-बन्धु = ____________

देश-प्रेम = ____________

दीन-दु:खी = ____________

पढ़ें-लिखें = ____________

6. बहुवचन बनायें :-

कदम	=	**कदमों**	दु:खी	=	**दुखियों**
घर	=	________	भाई	=	________
प्राण	=	________			

7. समान तुक वाले शब्द ढूँढ़कर उपयुक्त स्थान पर लिखें :-

भगवान	=	**नादान**	मानें	=	________
चाहें	=	________	हरियाली	=	________
लड़ाई	=	________	जायें	=	________

8. 'भलाई' में मूल शब्द 'भला' है। इसी प्रकार मूल शब्द अलग करें :-

दु:खी	=	________-	हरियाली	=	________
लड़ाई	=	________	खुशहाली	=	________
बुराई	=	________	आहें	=	________

9. वाक्य बनाओ

प्रेम आहें बुराई शान खुशहाली

10. 'ईश्वर' को भगवान भी कहते हैं। परमेश्वर, प्रभु, परमपिता सब इसी के नाम हैं। नीचे लिखे शब्दों के लिए अन्य क्या-क्या नाम हो सकते हैं? सोचकर लिखें :-

माता = _______,_______

पिता = _______,_______

भाई = _______,_______

सखा = _______,_______

दु:ख = _______,_______

गुरु = _______,_______

11. सोचिये और लिखिये

(क) बच्चे अपने देश की खुशहाली के लिए क्या-क्या कर सकते हैं?

(ख) यह एक प्रार्थना गीत है। इसी प्रकार का एक अन्य प्रार्थना गीत लिखिये और प्रार्थना सभा में सुनायें।

12. नये शब्द बनायें

संयुक्त व्यंजन		*शब्द*	*नया शब्द*
श्+ व = श्व	=	ईश्वर	_________
च् + च = च्च	=	बच्चे	_________
म् + ह = म्ह	=	तुम्हीं	_________
न् + ध = न्ध	=	बन्धु	_________

ऊपर दिये शब्दों में खड़ी पाई (ा) हटाकर संयुक्त शब्द बनाये गये हैं। आपकी पाठ्य-पुस्तक में वर्णमाला की पुनरावृत्ति करवायी गयी है। उसे दोबारा याद करो और नीचे खड़ी पाई वाले व्यंजन लिखो :-

ख ग घ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯

◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯ ◯

अध्यापन निर्देश : अध्यापक बच्चों को बताये कि आप पिछली कक्षाओं में पढ़ चुके हैं कि प्रत्येक व्यंजन में 'अ' स्वर मिला होता है। जब किसी व्यंजन को 'अ' रहित दिखाना हो तो उसके नीचे हलन्त चिह्न (्) लगता है। जब किसी व्यंजन को किसी दूसरे व्यंजन से जोड़ दिया जाता है, तो संयुक्त व्यंजन बनता है। जैसे ऊपर दिये शब्दों ईश्वर, बच्चे, तुम्हीं, बन्धु में क्रमश: श्, च्, म्, न्, आधे व्यंजन हैं। इन सभी व्यंजनों के अन्त में खड़ी पाई (ा) लगी है। खड़ी पाई हटाकर जब हम व्यंजन को अगले व्यंजन के साथ जोड़ते हैं, तब संयुक्त रूप बनता है।

जब एक ही व्यंजन दो बार प्रयोग में आता है तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं। जैसे 'बच्चे' शब्द में 'च्' व्यंजन दो बार एक बार आधा और एक बार पूरा आया है।

पाठ 2

सबसे बड़ा धन

बहुत समय पहले की बात है कि मुक्तसर आश्रम में कपिल मुनि रहते थे। एक दिन उस मुनि के पास एक गरीब आदमी राहुल आया। कपिल मुनि ने उससे आने का कारण पूछा तो वह कहने लगा, ''बाबा जी, कोई ऐसा उपाय बताओ कि मेरे पास भी बहुत धन हो जाए अथवा कोई ऐसा मन्त्र ही सिखा दो जिससे मैं इतना धन कमा लूँ कि जीवन भर मुझे कमी न रहे और मैं आराम से बैठकर खा सकूँ।''

कपिल मुनि ने थोड़ी देर तक सोचा, फिर राहुल से पूछा, ''अच्छा, पहले यह बताओ क्या तुम्हारे पास बिल्कुल भी धन नहीं है?'' राहुल ने गिड़गिड़ाते हुए कहा, ''नहीं, महाराज, एक पैसा भी नहीं है।'' कपिल मुनि ने फिर पूछा, ''कोई मकान, कोई खेत, कुछ तो होगा?'' राहुल ने दु:खी होकर कहा, ''कुछ भी नहीं है।''

कपिल मुनि बोले, ''अच्छा यदि तू अपनी दोनों आँखें मुझे दे दे, तो मैं तुम्हें एक लाख रुपये दूँगा।''

राहुल ने कुछ देर सोचा और बोला, ''फिर मैं देखूँगा कैसे? नहीं, आँखें तो मैं नहीं दे सकता।''

मुनि फिर बोले, ''अच्छा तो दोनों हाथ दे दे।''

राहुल सोच में पड़ गया फिर बोला, ''फिर मैं काम कैसे करूँगा? हाथ देकर तो मैं कुछ भी नहीं कर सकूँगा। यह नहीं हो सकता।''

मुनि ने कहा, ''अगर तू अपने दोनों पैर दे सके तो मैं तुझे दो लाख रुपये दे सकता हूँ।''

राहुल बहुत घबराया और कहने लगा, ''पैरों के बिना तो मैं चल-फिर भी नहीं सकूँगा। न कहीं आ सकूँगा न कहीं जा सकूँगा इसलिए पैर तो मैं बिल्कुल नहीं दे सकता।''

कपिल मुनि को गुस्सा आ गया। वह बोले, ''सोच लो, तुम्हें धन चाहिए और मैं तुम्हें धन देना चाहता हूँ। परन्तु जब तू कुछ देगा, तभी तो बदले में तुझे धन मिलेगा। यदि तू अपना मुख मुझे दे दे तो मैं तुझे दस लाख रुपये दे सकता हूँ।''

राहुल कपिल मुनि की बात सुनकर हैरान रह गया। वह बोला, ''हे मुनिराज! यदि मैं अपना मुख ही आपको दे दूँगा तो मैं कैसे खाऊँगा? कैसे पीऊँगा? खाये-पीये बिना जीवित कैसे रहूँगा। न किसी से बात कर सकूँगा। आप बतायें फिर धनवान बनने का लाभ ही क्या है?''

अब तो कपिल मुनि तंग आ गए। वह बोले ''तुम देना तो कुछ भी नहीं चाहते। बिना कुछ दिए ही धन प्राप्त करना चाहते हो। क्या कभी ऐसा हो सकता है? मैं जो तुमसे लेना चाहता हूँ उसमें से तुम कुछ भी नहीं दे सकते। अच्छा, तुम ही बताओ कि तुम क्या दे सकते हो?''

राहुल ने बहुत सोचा , पर उसकी समझ में कुछ नहीं आया कि अपने शरीर का कौन-सा अंग देकर लाखों रुपये प्राप्त कर ले। वह कुछ नहीं बोला तो कपिल मुनि ने फिर पूछा, ''क्या तुम केवल अपनी जीभ मुझे दे सकते हो?''

राहुल ने कहा, ''नहीं, 'मुनिराज, कभी नहीं।''

कपिल मुनि मुस्करा पड़े और बोले, ''अरे मूर्ख! तू तो कहता था कि तेरे पास एक पैसा भी नहीं है। भगवान ने तुझे एक-एक अंग लाखों रुपयों का दे रखा है । स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा धन है। इससे मेहनत कर और कमाकर खा । इससे ही तुम्हें जीवन-भर सुख मिलेगा।''

राहुल सब कुछ समझ गया और उसने मेहनत करनी शुरू कर दी। देखते ही देखते वह अमीर बन गया।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਉਪਾਅ	=	उपाय	ਲੱਖ	=	लाख
ਹੱਥ	=	हाथ	ਪ੍ਰਾਪਤ	=	प्राप्त
ਦੁੱਖੀ	=	दु:खी	ਘਬਰਾਇਆ	=	घबराया
ਪੈਸਾ	=	पैसा	ਮੂਰਖ	=	मूर्ख

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਜਿਉਂਦਾ	=	जीवित	ਮੂੰਹ	=	मुख
ਨਿਰੋਗ	=	स्वस्थ	ਅਮੀਰ	=	धनवान
ਸਮਾਂ	=	समय	ਨੇੜੇ, ਕੋਲ	=	पास

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

(क) कपिल मुनि के आश्रम का क्या नाम था?

(ख) राहुल कैसा आदमी था?

(ग) मुनि ने राहुल से सबसे पहले क्या माँगा?

(घ) कपिल मुनि ने राहुल से दस लाख रुपये के बदले में क्या माँगा?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखें :-

(क) कपिल मुनि द्वारा राहुल से दोनों आँखें माँगने पर राहुल ने क्या जवाब दिया?

(ख) मुनि द्वारा दोनों हाथ माँगने पर राहुल सोच में क्यों पड़ गया?

(ग) जब मुनि ने राहुल से उसके दोनों पैर माँगे तो राहुल क्यों घबरा गया?

(घ) मुनि द्वारा दस लाख रुपये का लालच देने पर भी राहुल ने अपना मुख उन्हें क्यों नहीं दिया?

(च) मुनि ने सबसे बड़ा धन किसे कहा?

(ङ) कपिल मुनि द्वारा दी गई सीख से राहुल के जीवन में क्या असर पड़ा?

5.

बूढ़ा

जवान

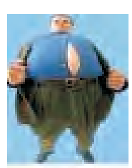

मोटा

पतला

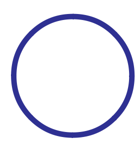

पूरा

आधा

ऊपर दिए गए चित्रों के नीचे कुछ शब्द लिखे हुए हैं–

बूढ़ा–जवान, मोटा–पतला, पूरा–आधा । ये शब्द एक दूसरे से उल्ट अर्थ दे रहे हैं अर्थात् **एक दूसरे के विपरीत हैं। ऐसे शब्दों को ही विलोम शब्द कहते हैं।**

6. विलोम शब्दों का मिलान करो :-

गरीब	रोगी
जीवन	दूर
पास	मृत्यु
स्वस्थ	अमीर
बुद्धिमान	दु:खी
सुखी	मूर्ख

सोचिए और लिखिए

यदि आप राहुल की जगह होते तो क्या करते?

प्रयोगात्मक व्याकरण

(क) **कपिल मुनि मुक्तसर** आश्रम में रहते थे।

(ख) क्या तुम्हारे पास कोई **मकान** है?

(ग) उनको **राहुल** पर **गुस्सा** आया।

(घ) राहुल ने **मेहनत** करने की ठान ली।

उपर्युक्त वाक्यों में '**कपिल मुनि**', '**राहुल**', व्यक्तियों के नाम हैं। '**मुक्तसर** स्थान का नाम है। '**मकान**' वस्तु का नाम है। '**गुस्सा**' भाव विशेष का तथा '**मेहनत**' गुण विशेष का नाम है। अतएव **कपिल मुनि**, **राहुल**, **मुक्तसर**, **मकान**, **गुस्सा** तथा **मेहनत** किसी न किसी के नाम को प्रकट कर रहे हैं। ऐसे पद, जो किसी के नाम का बोध कराएँ, संज्ञा कहलाते हैं।

अतएव, किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

7. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटिए और बॉक्स में लिखिए

(क) राहुल एक गरीब आदमी था। [राहुल] [ ] [ ]

(ख) कपिल मुनि ने फिर पूछा, ''कोई मकान, कोई खेत, कुछ तो होगा?'' [ ] [ ] [ ]

(ग) कपिल मुनि ने उससे आँखें, हाथ, पैर, मुख तथा जीभ माँगी। [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

(घ) उसे बहुत दु:ख हुआ। [ ]

(ङ) राहुल ने परिश्रम करना शुरू कर दिया। [ ] [ ]

8. निम्नलिखित शब्दों में अक्षरों को उचित क्रम में रखकर सही शब्द बनाओ :-

तेड़ागिगिड़	:	**गिड़गिड़ाते**	जरामहा	:	_________
राबघया	:	_________	एइलिस	:	_________
तेहचा	:	_________	वानभग	:	_________
लकपि	:	_________	मारकक	:	_________
कानम	:	_________	हमेतन	:	_________

9. बूझो तो जानें

सफेद रंग की कटोरी में
अंडा देखो काला-काला
खोलो तो देखो सबको
बंद करो तो अंधियारा

तिलक, तमाचा, ताली मुझसे
चित्रकला, लेखन सब मुझसे
ऐसे-ऐसे करतब मैं करता
सारा जग है अचरज करता।

'प' अक्षर से मेरा नाम
चलते रहना मेरा काम
सोच समझ के बच्चो!
तुम बतलाओ मेरा नाम

बत्तीस हैं सिपाही जिसके
है ऐसा एक राजा
आगे लगा हुआ है उसके
महल-सा दरवाज़ा

स्वाद तुम्हें मैं हूँ बतलाती
छिपकर मैं हूँ मुँह में रहती
मीठा बोलूँ तो नाम कमाऊँ
कड़वा बोलूँ तो मुँह की खाऊँ।

आदि कटे तो राम बन जाता
बीच कटे तो आम बन जाता
थक टूट कर जब घर आते
तब मैं सबको याद आता।

उत्तर : 1. आँख, 2. हाथ 3. पैर 4. मुँह 5. जीभ 6. आराम

पाठ-3

जय जवान ! जय किसान !

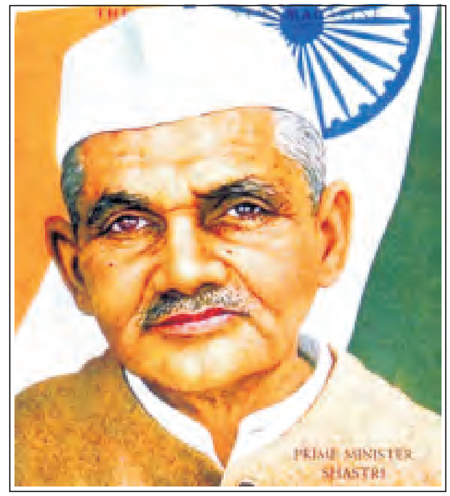

बच्चो ! क्या आपने कभी इस नारे को सुना या पढ़ा है? यह नारा हमें श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने दिया जो भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। लाल बहादुर शास्त्री जी का मानना था कि भारतीय जवान अपनी जान हथेली पर रख कर सीमा पर देश की रक्षा करते हैं। इसी तरह देश के किसान अपने परिश्रम से धरती को सींच कर अन्न उगाते हैं, वे हमारे अन्नदाता हैं। अत: देश के विकास में दोनों का योगदान सबसे अधिक है। उन्हें सम्मान देने के लिए ही उन्होंने जय जवान! जय किसान ! का नारा दिया।

लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म 2 अक्टूबर 1904 ई. को बनारस के कस्बे मुगलसराय में एक साधारण परिवार में हुआ। उनकी माता का नाम राम दुलारी था और पिता शारदा प्रसाद जी एक अध्यापक थे। बचपन में ही उनके पिता स्वर्ग सिधार गए। उन पर तो जैसे पहाड़ ही टूट पड़ा। किंतु उनकी इच्छा शक्ति इतनी प्रबल थी कि विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। वे बचपन से ही साहसी, निडर, पक्के इरादे वाले और विनम्र स्वभाव के थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के पद पर पहुँच कर यह सिद्ध कर दिया कि वे गुदड़ी के लाल थे।

उनका स्कूल गंगा पार था। नाविक गंगा पार ले जाने का एक पैसा किराया लेता था। आर्थिक तंगी के कारण वे गंगा नदी को अक्सर तैर कर ही पार किया करते थे। एक बार वे मेला देखने गंगा पार गए। अपने सहपाठियों संग वापिस आते हुए वे जानबूझ कर पीछे रह गए क्योंकि गंगा पार करने का किराया देने के लिए उनके पास पैसे नहीं थे। वे अपनी प्रबल इच्छा शक्ति के बल पर उस गंगा नदी को पार कर गए जिसका पाट लगभग आधा मील चौड़ा था। हालाँकि उनके मित्र उनका किराया देने का आग्रह भी करते रहे परन्तु वे विनम्रता से मना कर देते। उन्होंने किसी भी साथी से उधार माँगना अपने गौरव के विरूद्ध समझा। बचपन के ऐसे संस्कार ही बड़े होते-होते उनके जीवन के सिद्धांत बन गये। जीवनभर वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे।

सत्रह वर्ष की आयु तक पहुँचते-पहुँचते वे देशभक्ति के रंग में रंग चुके थे। सन् 1921 में जब असहयोग आंदोलन हुआ तो देश की पुकार ने उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर कर दिया। उन दिनों देश की खातिर उन्हें जेल भी जाना पड़ा। निज हित का बलिदान कर देश हित के लिए हमेशा तैयार रहना शास्त्री जी के जीवन का एकमात्र उद्देश्य रहा। जेल से आने के बाद

मौका मिलने पर इन्होंने 'शास्त्री' की पढ़ाई पूरी की, तभी से उनके नाम के साथ 'शास्त्री' जुड़ गया।

देश सेवा के लिए अपने परिवार का बलिदान देने वाले वे निराले देशभक्त थे। एक बार नैनी कारावास के दौरान इन्हें अपनी पुत्री के सख़्त बीमार होने का समाचार मिला तो उनकी पत्नी व मित्रों ने जेल से पैरोल पर रिहा होकर पुत्री की देखभाल करने की गुहार लगाई। परन्तु उस समय अंग्रेज़ी सरकार किसी भी राजनैतिक आन्दोलन में भाग न लेने की लिखित शर्त पर ही छोड़ने को तैयार थी। सिद्धांतों के मतवाले को यह मंज़ूर न था। बेटी की तबीयत निरन्तर बिगड़ने लगी परन्तु शास्त्री जी देश हित के विरूद्ध कोई फैसला नहीं लेना चाहते थे और न ही लिया। फिर सरकार ने ही बिना शर्त उन्हें 15 दिन के लिए रिहा कर दिया। जब शास्त्री जी बेटी के पास पहुँचे तब तक उसकी जीवनलीला समाप्त हो चुकी थी। ऐसे में शास्त्री जी दु:खी ज़रूर हुए परन्तु आज़ादी के दीवाने के इरादे बिल्कुल भी न डगमगाए।

उसी प्रकार एक जेल यात्रा में उन्हें पुत्र को टाइफाइड होने का संदेशा मिला। फिर वही विकट समस्या! अपने सिद्धांतों से समझौता तो उन्होंने कभी किया ही नहीं था। इस बार भी ब्रिटिश सरकार ने उन्हें बिना लिखित शर्त के एक सप्ताह के लिए रिहा किया। तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बुखार 104 डिग्री से 106 डिग्री तक पहुँच गया। बेटे के होंठ भी सूज गए। जेल की रिहाई का एक सप्ताह भी बीत गया। पुत्र ने कहा भी, ''बाबू जी अभी मत जाइये।'' कितनी विकट घड़ी थी, एक तरफ जिगर का टुकड़ा मौत से जूझ रहा था और दूसरी तरफ भारत माता की आज़ादी की पुकार। सिद्धांतों पर अटल शास्त्री जी ने भरे मन से बेटे से हाथ जोड़ कर विदा ली और मातृभूमि की रक्षा के लिए जेल की तरफ चल पड़े। धन्य थे ऐसे वीर सपूत! जिन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता करना आत्मघातक समझा।

वह दृढ़ निश्चयी और सिद्धांतवादी वीर नायक भारतवासियों को 11 जनवरी 1966 ई० को छोड़कर चिरनिद्रा में सो गया। समस्त भारतीयों ने उन्हें आँसू-भरी आँखों से भावभीनी विदाई दी। उनका आदर्श जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका नाम भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਜਨਮ	=	जन्म	ਯਾਤਰਾ	=	यात्रा
ਵਿਅਕਤੀ	=	व्यक्ति	ਪੁੱਤਰ	=	पुत्र
ਸ਼ਕਤੀ	=	शक्ति	ਪੁੱਤਰੀ	=	पुत्री
ਗੰਗਾ	=	गंगा	ਸਮਾਪਤ	=	समाप्त

ਸਮਾਂ	=	समय	ਲਿਖਤੀ	=	लिखित
ਅੱਖਾਂ	=	आँखों	ਪਰੀਖਿਆ	=	परीक्षा

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਇੱਜ਼ਤ	=	सम्मान	ਪੱਕਾ ਇਰਾਦਾ	=	दृढ़ निश्चय
ਇੱਕ ਕਲਾਸ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਨ ਵਾਲੇ	=	सहपाठी	ਹਾਲਾਤਾਂ	=	परिस्थितियाँ
ਉੱਚੀ ਪਦਵੀ	=	उच्च पद	ਪੈਸੇ ਦੀ ਕਮੀ	=	आर्थिक तंगी
ਤਰਲੇ ਪਾਉਣਾ	=	गुहार लगाना	ਮੰਤਵ, ਉਦੇਸ਼	=	उद्देश्य
ਮੁਸ਼ਕਿਲ	=	विकट	ਜੇਲ੍ਹ	=	कारावास

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

(क) 'जय जवान! जय किसान!' का नारा किसने दिया?

(ख) लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(ग) जेल से आने के बाद लाल बहादुर जी ने कौन-सी पढ़ाई पूरी की?

(घ) पुत्री के बीमार होने पर उन्हें कितने दिन के लिए रिहा किया गया?

(ङ) शास्त्री जी का देहान्त कब हुआ?

(च) शास्त्री जी अपने सिद्धांतों से समझौता करने को क्या समझते थे?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखें :-

(क) शास्त्री जी अपने मित्रों से उधार क्यों नहीं माँगना चाहते थे?

(ख) लाल बहादुर शास्त्री जी ने लिखित शर्त पर जेल से छूटने से क्यों इन्कार किया?

(ग) मौत से जूझते पुत्र को छोड़ कर शास्त्री जी वापिस जेल क्यों चले गए?

(घ) लाल बहादुर शास्त्री जी में कौन-से ऐसे गुण थे जिससे वे उच्च पद को प्राप्त कर सके?

(ङ) लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

5. नीचे दिये गये शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरें :-

निश्चय   दूसरे   एक पैसा   टाइफाइड   11 जनवरी 1966   कारावास

(क) लाल बहादुर शास्त्री भारत के _______ प्रधानमंत्री थे।

(ख) वे अपने _________ पर दृढ़ रहने वाले व्यक्ति थे।

(ग) नाविक गंगा पार ले जाने का _________ किराया लेता था।

(घ) नैनी _________ के दौरान उन्हें अपनी पुत्री के बीमार होने का समाचार मिला।

(ङ) उनके पुत्र को _________ हो गया था।

(च) उनका देहान्त _________ को हुआ।

7. (क) विपरीत शब्दों का मिलान करें :

साधारण	आलस्य
बीमार	दुराग्रह
सम्मान	विशेष
परिश्रम	मृत्यु
साहसी	अपमान
गौरव	कायर
आग्रह	लाघव
जन्म	तंदरुस्त

(ख) नये शब्द बनाओ

प्रधान + मंत्री	=	प्रधानमंत्री
चिर + निद्रा	=	________
अन्न + दाता	=	________
सह + पाठी	=	________
राष्ट्र + प्रेम	=	________
आत्म +घातक	=	________

(ग) लिंग बदलो

माता	=	पिता
अध्यापक	=	________
पुत्री	=	________
बहन	=	________
बाबू	=	________

8. संयुक्त अक्षरों से नये शब्द बनाओ

दृष्टि	=	ष्ट	=	कष्ट
शास्त्री	=	स्त्र	=	________
निश्चय	=	श्च	=	________
आत्म	=	त्म	=	________
आर्थिक	=	र्थ (र्+थ)	=	________
इच्छा	=	च्छ	=	________

9. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

1. **(क)** पिता की मृत्यु के बाद लाल बहादुर शास्त्री पर भारी कष्ट आ पड़े।

(साधारण तरीके से कही गई बात)

(ख) पिता की मृत्यु के बाद लाल बहादुर शास्त्री पर तो जैसे **पहाड़ ही टूट पड़ा।**

(विशेष तरीके से कही गई बात)

2. **(क)** भारतीय जवान अपनी जान की परवाह न करके सीमा पर देश की रक्षा करते हैं।

(साधारण तरीके से कही गई बात)

(ख) भारतीय जवान अपनी **जान हथेली पर रखकर** सीमा पर देश की रक्षा करते हैं।

(विशेष तरीके से कही गई बात)

उपर्युक्त उदाहरणों में **'क'** वाक्य साधारण तरीके से तथा **'ख'** वाक्य विशेष तरीके से कहे गये हैं। इसी कारण 'ख' वाक्य 'क' वाक्यों की अपेक्षा अधिक सशक्त व प्रभावशाली हैं। **इस प्रकार विशेष शब्द प्रयोग को मुहावरा कहते हैं। मुहावरे सीधी-साधी बात को अनोखे ढंग से प्रकट करते हैं। ये वाक्य के अंश होते हैं।**

निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ दिए गए हैं, इनके वाक्य बनायें :-

	मुहावरा	अर्थ		वाक्य
1.	स्वर्ग सिधारना	मर जाना	=	____________________
2.	गुदड़ी का लाल	निर्धन परिवार में जन्मा गुणी व्यक्ति	=	____________________
3.	जिगर का टुकड़ा	बहुत प्यारा	=	____________________
4	जीवन लीला समाप्त होना	मर जाना	=	____________________
5.	भरे मन से विदा लेना	दु:खी मन से जाना	=	____________________
6.	चिर निद्रा में सोना	मृत्यु को प्राप्त होना	=	____________________

प्रयोगात्मक व्याकरण

(क) (1) **लाल बहादुर शास्त्री भारत** के दूसरे प्रधानमंत्री थे।

(2) उनका जन्म **बनारस** में हुआ।

(3) वे मेला देखने **गंगा** पार गये।

ऊपर लिखे पहले वाक्य में '**लाल बहादुर शास्त्री**' किसी विशेष व्यक्ति के नाम का बोध कराता है। '**भारत**' शब्द से देश विशेष का ज्ञान होता है। दूसरे वाक्य में '**बनारस**' कहने से एक विशेष स्थान का ही विचार मन में आता है। इसी प्रकार तीसरे वाक्य में '**गंगा**' शब्द से एक विशेष नदी अर्थात् गंगा नदी का बोध होता है।

अत: जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

नीचे लिखे वाक्यों में से व्यक्तिवाचक संज्ञा छाँटिये :

(1) लाल बहादुर शास्त्री एक महान नेता थे।

(2) लाल बहादुर शास्त्री की माता का नाम राम दुलारी व पिता का नाम शारदा प्रसाद था।

(3) वे एक बार नैनी जेल गये।

(ख) (1) लाल बहादुर शास्त्री का जन्म साधारण **परिवार** में हुआ था।

(2) शास्त्री जी की **पुत्री** बीमार थी।

(3) उनका **स्कूल** गंगा पार था।

(4) शास्त्री जी अनेक बार **जेल** गये।

ऊपर के प्रथम वाक्य में '**परिवार**', दूसरे में '**पुत्री**' और तीसरे में '**स्कूल**' और चौथे में '**जेल**' ऐसे शब्द हैं जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान को सूचित नहीं करते।

- '**परिवार**' किसी भी परिवार के लिए कहा जा सकता है।
- हरेक '**पुत्री**' के लिए '**पुत्री**' शब्द का प्रयोग किया जाता है।
- प्रत्येक '**स्कूल**' को '**स्कूल**' ही कहा जाता है।
- हरेक '**जेल**' के लिए '**जेल**' शब्द का ही प्रयोग होता है।

अर्थात 'परिवार' कहने से सभी परिवारों, 'पुत्री' कहने से सभी पुत्रियों, 'स्कूल' कहने से सभी स्कूलों तथा जेल कहने से सभी जेलों का बोध होता है, किसी एक का नहीं।

अत: ये शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध नहीं कराते अपितु ये शब्द पूरी जाति

(वर्ग) का ज्ञान कराते हैं। इसीलिए ये शब्द जातिवाचक संज्ञाएँ हैं।

अतः जिस शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की सम्पूर्ण जाति या वर्ग का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

निम्नलिखित में से जातिवाचक संज्ञाएँ छाँटिये :

(1) लाल बहादुर शास्त्री निश्चय पर दृढ़ रहने वाले व्यक्ति थे।

(2) भारतीय सेना ने दुश्मन को धूल चाटने पर मजबूर कर दिया।

(3) अंत में सरकार को स्वयं ही झुकना पड़ा।

नीचे दिये गए शब्दों में बने बनाए शब्द मिलेंगे। शब्द में से कम से कम दो शब्द ढूँढ़िए और लिखिए :

प्रधानमंत्री

प्रधान **धान** **मंत्र** **मंत्री**

बनारस सरकार लगातार

उदाहरण मतवाले देखकर विश्वास

पाठ-4

इन्द्रधनुष

(ऐसा धनुष जो सभी को भाये
पर वो लड़ाई के काम न आये।)

उमड़े बरसे काले मेघ,
नभ में जैसे लाखों छेद,
वर्षा थमी धरा महकी,
प्रकृति दिखती हरी-भरी।

सहसा सूर्यदेव आये,
सोने-सी किरणें लाये,
नभ पर रंगों का मेला,
अर्ध-वृत्त जैसा फैला।

यह है इन्द्रधनुष प्यारा,
सतरंगा न्यारा न्यारा,
हृदय-हार नभ रानी का
मोहित मन हर प्राणी का।

सुंदर यह प्रभु का झूला,
देख देख कर मन फूला,
झूला प्रभु के आँगन में,
किरणें झूलें सावन में ।

वर्षा ऋतु मुस्काती है,
सतरंगी हो जाती है,
आओ हम भी मुस्काएं
रंग खुशी के बिखराएं।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਰੰਗ	=	रंग	ਪ੍ਰਭੂ	=	प्रभु
ਕਿਰਨਾਂ	=	किरणें	ਖ਼ੁਸ਼ੀ	=	खुशी

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਬੱਦਲ	=	मेघ	ਸਤਰੰਗੀ ਪੀਂਘ	=	इन्द्रधनुष
ਅਕਾਸ਼	=	नभ	ਧਰਤੀ	=	धरा
ਛੇਕ	=	छेद	ਵਿਹੜਾ	=	आँगन
ਵਰਖਾ, ਮੀਂਹ	=	वर्षा	ਕੁਦਰਤ	=	प्रकृति
ਅਚਾਨਕ	=	सहसा	ਝੂਲਾ	=	झूला

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

(क) कविता में बादलों का रंग कैसा बताया गया है?

(ख) वर्षा के बाद प्रकृति कैसी दिखाई देती है?

(ग) वर्षा के बाद सूर्य दिखाई देने पर नभ पर क्या दिखाई देता है?

(घ) इन्द्रधनुष का आकार कैसा होता है?

(ङ) कवि ने इन्द्रधनुष के लिए अन्य कौन-सा शब्द प्रयोग किया है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-

(क) सावन के महीने में प्रकृति हरी-भरी क्यों दिखाई देती है?

(ख) इस माह की अन्य क्या विशेषताएँ हैं?

(ग) वर्षा ऋतु से हमें मुस्कराते रहने का क्या संदेश मिलता है?

5. इन्द्रधनुष के चित्र को देखो और नीचे दिए गये शब्दों के पर्याय ढूँढ़कर लिखें :

प्रभु = ________, ________

मेघ = ________, ________

नभ = ________, ________

किरण = ________, ________

6. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो

(क) वर्षा थमी धरा महकी,
__________________।

(ख) नभ पर रंगों का मेला,
__________________।

(ग) हृदय हार नभ रानी का,
__________________।

7. पढ़ो, समझो और दो-दो नये शब्द लिखो

र् + य = र्य = सूर्य, ________

र् + म = र्म = ________, ________

र् + च = र्च = ________, ________

र् + षा = र्षा = वर्षा, ________

प् + र = प्र = प्रकृति, ________

क् + र = क्र = ________, ________

द् + र = द्र = ________, ________

ब् + र = ब्र = ________, ________

अध्यापन निर्देश : 1. अध्यापक विद्यार्थियों को बताये कि **हलन्त** 'र्' अर्थात् स्वर रहित 'र्' अपने से अगले व्यंजन के ऊपर (ॅ) लगाया जाता है। इसे **रेफ** (ॅ) कहते हैं। जैसे – र् + य = र्य (सूर्य, कार्य आदि)। इसी तरह अध्यापक यह भी बताये कि 'र' से पहले हलन्त व्यंजन (अ रहित व्यंजन) हो तो 'र' उसके नीचे लिखा जाता है और उसका हलन्त हट जाता है जैसे – प् + र = प्र (प्रकृति, प्रभु आदि) 'र' के इस रूप को **पदेन** कहते हैं।

2. यदि 'र्' के बाद मात्रा सहित व्यंजन आता है तो 'र्' मात्रा के बाद लगता है जैसे – वर्षा में 'र्' आ की मात्रा पर लगा है। इसी तरह 'ई' की मात्रा तथा 'ओ' की मात्रा के बाद 'र्' का प्रयोग होता है। जैसे – 'पूर्वी' में तथा 'धर्मों' में क्रमशः 'ई' और 'ओ' की मात्रा के बाद 'र्' का प्रयोग हुआ है।

8. सोचिए और लिखिए

(i) इन्द्रधनुष का चित्र बनायें और उसमें अध्यापक की मदद से या स्वयं रंग भरें।

(ii) इन्द्रधनुष में कौन-कौन से रंग होते हैं?

(iii) सावन के महीने का आनन्द लें। सावन के महीने की रोचक बातें अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखें।

(iv) यदि वर्षा न हो तो क्या होगा?

(v) यदि वर्षा अधिक होगी तो क्या होगा?

9. चित्र देखकर अपनी कल्पना से पाँच वाक्य लिखें

1. ______________________________

2. ______________________________

3. ______________________________

4. ______________________________

5. ______________________________

अध्यापन निर्देश :

इन्द्रधनुष को अंग्रेज़ी में **Rainbow** कहते हैं।

इन्द्रधनुष के रंग (हिंदी **में)**

बैंगनी, जामुनी (गहरा नीला), नीला, हरा, पीला, नारंगी (संतरी), लाल

इन्द्रधनुष के रंग (हिंदी में) याद रखने का संक्षिप्त रूप :

बैंजानीहपीनाला

इन्द्रधनुष के रंग (अंग्रेज़ी में)

Violet, Indigo, Blue, Green, Yellow, Orange, Red

संक्षिप्त रूप **: VIBGYOR**

योग्यता विस्तार

वर्षा के दिनों में इन्द्रधनुष ऐसे समय बनता है जब सूरज पश्चिम में डूब रहा होता है। तब यह पूर्व की ओर बनता है। वैसे इसके बनने के लिए वर्षा के साथ-साथ साफ आकाश और सूरज की रोशनी का होना भी ज़रूरी है। हवा में मौजूद पानी की नन्ही-नन्ही बूँदों पर पड़ती सूर्य किरणों से हमें सात रंगों की छटा का बहुत ही सुंदर कुदरती घेरा दिखायी देता है।

सहायक क्रिया

1. रोशनी के आगे पारदर्शी पेंॅन को सामने रखकर इन्द्रधनुष के सभी रंगों का अवलोकन करें।
2. विज्ञान की प्रयोगशाला से प्रिज़्म लेकर (रोशनी में) इन्द्रधनुषी रंगों का अवलोकन करें।

पाठ-5

ईमानदार शंकर

एक गाँव में एक बालक रहता था। उसका नाम शंकर था। उसमें एक बड़ा गुण था। वह बहुत ईमानदार था। सदा सच बोलता था। कभी भी झूठ नहीं बोलता था। गाँव वाले उसे बहुत प्यार करते थे। वह सदा गाँव वालों की मदद किया करता था।

शंकर मेहनत से कभी भी जी न चुराता था। कड़ी मेहनत करना उसका स्वभाव था। वह श्रम करके ही धन कमाना चाहता था। वह हर तरह का काम कर सकता था।

एक दिन वह धन कमाने के लिए गाँव से नगर की ओर चल पड़ा। गर्मी का मौसम था। मार्ग में आमों का एक बड़ा-सा बाग़ था। वह पैदल चलते-चलते थक गया था। उसने आम के पेड़ के नीचे कुछ देर आराम किया। फिर वह नगर की ओर चल दिया। कुछ ही देर में वह नगर में प्रवेश कर चुका था। वहाँ उसे कोई नहीं जानता था। वह नगर में किधर जाये और कहाँ काम ढूँढ़े। कोई भी उसे नौकरी देने को तैयार न हुआ। शंकर भीख माँगना बुरा काम समझता था। वह सोच में पड़ गया। कहाँ जाये और अब क्या करे? परेशान था। उसने सोचा रात पानी-पी कर ही बिता दूँगा। पास में ही उसे एक हलवाई की दुकान के आगे तख़्ता लगा दिखाई दिया। वह मुस्करा उठा। वह उसी तख़्ते पर लेट गया। गर्मी के दिन थे। वह थका हुआ तो था ही। लेटते ही नींद आ गई। सवेरा हुआ, दिन के उजाले में शंकर की नज़र पाँच रुपये के एक नोट पर जा पड़ी। वह वहीं तख़्ते के पास पड़ा था। उसने न जाने क्या सोचकर वह नोट उठा लिया। अब वह उस हलवाई की राह देखने लगा।

कुछ समय बाद हलवाई वहाँ आ पहुँचा। उसने अपनी दुकान खोली। दुकान की ओर उसने एक बालक को आते देखा। वह बालक शंकर था। उसके हाथ में पाँच रुपये का नोट था। शंकर ने पाँच रुपये का नोट दुकान के मालिक के आगे कर दिया। हलवाई ने समझा कि यह बालक सौदा लेना चाहता है। उसने पूछा-----''क्या चाहिये?'' कुछ भी तो नहीं। यह पाँच रुपये का नोट आपका है। कल शायद दुकान बंद करते समय यह तख्ते पर रह गया था'' शंकर मुस्करा कर बोला।

शंकर की ईमानदारी पर हलवाई बड़ा प्रसन्न हुआ। वह उसे एक मेहनती बालक लगा। ईमानदारी तो वह पहले ही सिद्ध कर चुका था। दुकानदार ने उसे अपनी दुकान पर काम पर रख लिया। शंकर को और भला क्या चाहिए था? वह बड़ा ही प्रसन्न दिख रहा था। उसे काम मिल गया था। हलवाई उसे अपने बेटे के समान समझने लगा था। वह उस पर पूरा भरोसा करता था। अब तो वह तरह-तरह की मिठाइयाँ बनाना भी सीख गया था। वह अब वहाँ सुख और आनंद से रहने लगा।

सच है----**''ईमानदारी सुख की खान है।''**

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਸ਼ੰਕਰ	=	शंकर	ਸੁਭਾਅ	=	स्वभाव	ਪਿਆਰ	=	प्यार
ਮਾਰਗ	=	मार्ग	ਮਿਹਨਤ	=	मेहनत	ਕੰਮ	=	काम
ਹਲਵਾਈ	=	हलवाई	ਗਰਮੀ	=	गर्मी	ਅਨੰਦ	=	आनंद
ਚਲਦੇ-ਚਲਦੇ	=	चलते-चलते	ਪੰਜ	=	पाँच	ਤਿਆਰ	=	तैयार

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਮਿਹਨਤ	=	श्रम	ਖੁਸ਼	=	प्रसन्न
ਦਾਖਲ	=	प्रवेश	ਰੋਸ਼ਨੀ	=	उजाला

3. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

(क) कहानी में ईमानदार बालक का क्या नाम है?

(ख) शंकर का कैसा स्वभाव था?

(ग) शंकर धन कमाने के लिए गाँव से कहाँ गया?

(घ) शंकर को दुकान के आगे से क्या मिला?

(ङ) लेखक ने कहानी में सुख की खान किसे कहा है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दो :-

(क) शंकर ने हलवाई को पाँच रुपये का नोट क्यों दे दिया?

(ख) हलवाई ने शंकर को नौकरी क्यों दे दी?

5. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखें :-

उसने सोचा रात पानी पीकर ही बिता दूँगा।

वह पैदल चलते-चलते थक गया था।

उसने अपनी दुकान खोली।

अब वह उस हलवाई की राह देखने लगा।

वह बहुत ईमानदार था।

वह थका हुआ भी था।

हलवाई की दुकान के आगे तख़्ता लगा दिखाई दिया।

6. नीचे 'मार्ग' शब्द का समान अर्थ वाला शब्द दिया गया है। इसी तरह बाकी शब्दों के भी समान अर्थ वाले शब्द लिखें :

मार्ग	=	**राह**	आराम	=	________
उजाला	=	________	वृक्ष	=	________
मेहनत	=	________	प्रसन्न	=	________
बेटा	=	________	बालक	=	________

7. निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से देखो। बच्चो! आपको इनके भीतर ही कम से कम दो और शब्द बने मिलेंगे। ढूँढ़िए और लिखिए :-

मूल शब्द	**शब्द में छिपे शब्द**
कमाना	**कम, कमा, कमान, मान, माना**
आराम	________, ________
हलवाई	________, ________
ईमानदारी	________, ________
समान	________, ________

8. मिलान करो

शंकर	उसे बहुत प्यार करते थे।
गाँव वाले	भीख माँगना बुरा काम समझता था।
शंकर की ईमानदारी	प्रसन्न दिख रहा था।
वह	पर हलवाई बड़ा प्रसन्न हुआ।

9. पहले शब्द से आरम्भ करते हुए प्रत्येक शब्द के अंतिम अक्षर से नया व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द बनायें :

रवि

शंकर

10. दिए गए बॉक्स में से विपरीत शब्द चुनकर लिखें

गुण — अवगुण

प्रवेश — ______

प्रसन्न — ______

पहले — ______

सुख — ______

सच — ______

एक — ______

गाँव — ______

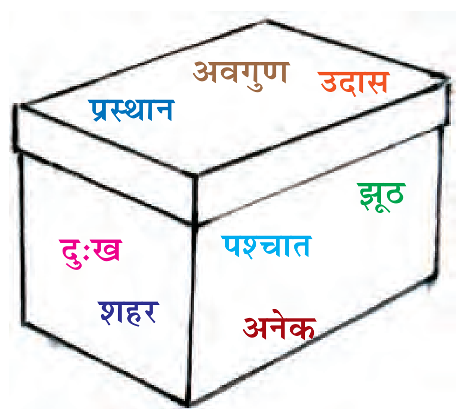

11. सोचिए और लिखिए

(i) यदि आप शंकर की जगह होते तो क्या आप भी शंकर की तरह ही रुपये हलवाई को दे देते ?

(ii) यदि आपके जीवन में कोई ईमानदारी की घटना घटी हो तो उसे अपने शब्दों में लिखें।

प्रयोगात्मक व्याकरण

(क) शंकर सदा **सच** बोलता था।

(ख) वह **बचपन** से **मेहनत** करता था।

(ग) **ईमानदारी सुख** की खान है।

(घ) शंकर **आनन्द** से रहने लगा।

ऊपर के वाक्यों में **'सच'**, **'मेहनत'**, **'ईमानदारी'**, गुण के नाम हैं। **'बचपन'**, एक अवस्था का नाम है। **'सुख'** एक दशा का नाम है तथा **'आनंद'** एक भाव का नाम है। यहाँ 'सच', 'मेहनत', 'ईमानदारी', 'बचपन', 'सुख' तथा 'आनंद' ये किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम नहीं हैं अपितु उनके गुण, अवस्था, दशा तथा भाव को प्रकट कर रहे हैं। यहाँ ये भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

अतः जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, अवस्था, दशा, भाव आदि के नाम को प्रकट करे, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

विशेष :- भाववाचक संज्ञा की सबसे बड़ी पहचान यह है कि उसका चित्र नहीं बन सकता। जैसे बच्चे (जातिवाचक संज्ञा) का चित्र बन सकता है, बचपन (भाववाचक संज्ञा) का नहीं। इसी प्रकार शंकर (व्यक्तिवाचक संज्ञा) का चित्र बन सकता है उसकी ईमानदारी (भाववाचक संज्ञा) का नहीं।

निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाचक संज्ञाएँ छाँटिये :-

(क) गर्मी का मौसम था।

(ख) शंकर गाँव वालों की मदद किया करता था।

(ग) गाँव वाले उसे बहुत प्यार करते थे।

(घ) वह मेहनत करके ही धन कमाना चाहता था।

(ङ) वह झूठ कभी नहीं बोलता था।

(च) वह भीख माँगना बुराई समझता था।

बूझो तो जानें

छः अक्षर का है मेरा नाम
खाने के आता हूँ काम
फूल, फल और मिठाई कहलाता
सबके मुँह में मैं पानी लाता

बचपन में मैं होता हरा
बुढ़ापे में आकर हो जाता पीला
मुझे कहते सभी फलों का राजा
स्वाद है मेरा बड़ा रसीला

चार अक्षर का मेरा नाम
मिठाइयाँ बनाना मेरा काम
दूसरा कटे तो हवाई बन जाऊँ
अंत कटे तो हलवा बन जाऊँ

उत्तर :- 1. गुलाबजामुन 2. आम 3. हलवाई

पाठ-6

मैं और मेरी सवारी

आगे घेरा, पीछे घेरा,
ज़ंजीर पड़ी है पाँवों में।
हैण्डल घुमाओ, रास्ता बदलो,
पहुँचो शहर और गाँवों में॥

प्यारे बच्चो ! क्या इस पहेली में तुम पहचान पाये हो कि मैं कौन हूँ?

शाबाश ! आपने बिल्कुल ठीक पहचाना। मैं साइकिल ही हूँ, जिसे बाइसिकिल भी कहते हैं। जिसका अर्थ है - दो पहिये वाली सवारी।

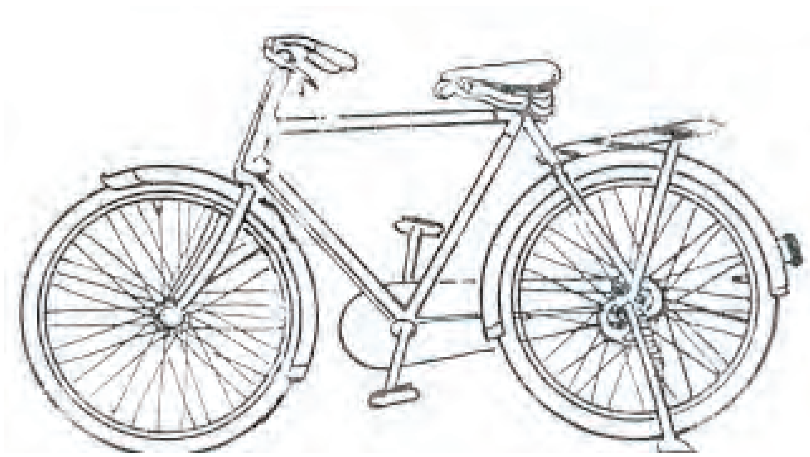

आज मैं अपने बारे में आपको कुछ बताती हूँ- मैं बच्चों-बूढ़ों, नौजवानों, लड़के-लड़कियों, अमीर-ग़रीब सभी की हमसफर हूँ। मेरे पूर्वज पहियों पर घूमने के शौकीन थे। बुज़ुर्ग काम करते हुए जल्दी नहीं थकते, किन्तु तुम बच्चे थोड़ा-सा काम करते ही थक जाते हो। इसका राज़ बताऊँ क्या है? दरअसल, उन्होंने बचपन से लेकर अब तक मुझे साथ रखा है। मेरे साथ मित्रता निभायी है। मेरी सवारी करने पर पसीना आने से शरीर के रोम खुल जाते हैं जिससे स्फूर्ति आती है। मेरी सवारी एक सम्पूर्ण व्यायाम है। मैं रोगों को कोसों दूर भगाती हूँ। डॉक्टर भी मेरी सवारी करने की सलाह देते हैं। उत्तम स्वास्थ्य के लिए मेरी सवारी ही सबसे अच्छी है।

पहिए के आविष्कार के बाद ही 1839 ई० में स्कॉटलैंड के लुहार मैकमिलन ने मेरा आविष्कार किया। शुरू में मेरा अगला पहिया छोटा और पिछला बड़ा था परन्तु अचानक ब्रेक लगने या कोई बाधा आने से चालक मुँह के बल गिरता था। इस कारण मेरा रूप उलट गया। मेरा अगला पहिया बड़ा और पिछला पहिया छोटा किया गया किन्तु मेरा यह रूप भी सफल न हुआ क्योंकि इसमें अचानक साइकिल रुकने पर चालक पीठ के बल गिरता था। मेरे रूप में फिर से

सुधार लाया गया। मेरे दोनों पहियों को समान रूप दिया गया ताकि चालक को किसी प्रकार का कोई नुक़सान न उठाना पड़े। आजकल बड़ी-बड़ी कम्पनियाँ मेरे विकास में लगी हैं। अनेक रंगों के आकर्षक साइकिल, ट्राइसिकिल, फैंसी साइकिल, रेसर, एक्सरसाइज़र, बच्चों की साइकिल का उत्पादन कर रही हैं। यहाँ तक कि बैटरी वाला और गियरों वाला साइकिल भी बाज़ार में उपलब्ध है। जिसमें गियर बदल कर गति बढ़ायी या घटायी जा सकती है। गियर वाली साइकिल की सवारी करते समय तो ऐसा प्रतीत होता है मानो हवा से बातें कर रहे हों।

आज महँगाई का युग है। हाथी पालने-घोड़े रखने का तो ज़माना ही नहीं है। प्रत्येक मोटर गाड़ी को महीने में कम से कम पच्चीस-तीस लिटर पैट्रोल चाहिए। या यूं कहें कि संसार में बिना ख़ुराक के चलने वाली कोई सवारी बनी ही नहीं है। मैं ही एकमात्र ऐसी सवारी हूँ, जो न तो हरियाली को ख़त्म करती है, न सैकड़ों लिटर पैट्रोल पीती है, न टनों कोयले और बिजली की खपत करती है।

जब कभी पैट्रोल, डीज़ल वाली गाड़ी बिगड़ जाए तो धक्का लगाने वालों को नानी याद आ जाती है, लेकिन मेरे पंक्चर होने या खराब हो जाने पर मैं आपको ज़्यादा तंग नहीं करती बल्कि जब उतर कर आप हैंडल पकड़कर चलते हैं तो मैं स्वयं ही आपका अनुसरण करती हुई चल पड़ती हूँ। मुझे संभालना-चलाना दोनों ही सरल है।

थोड़ी दूरी की यात्रा के लिए जैसे घर से स्कूल या गाँव से शहर तक तो आप मेरी सवारी करके भी पहुँच सकते हैं लेकिन शहर या गाँव से बहुत दूर कहीं जाने के लिए मोटरगाड़ी की सवारी ही करनी पड़ती है। इन मोटरगाड़ियों से निकलने वाला धुआँ वायु-प्रदूषण और ऊँची-आवाज़ें- ध्वनि- प्रदूषण के लिए ज़िम्मेदार हैं। मैं न शोरगुल करती हूँ, न ही प्रदूषण फैलाती हूँ। मैं तो पर्यावरण हितैषी हूँ। तभी तो चीन के लोग मेरा सबसे अधिक प्रयोग करते हैं। मैं हालैण्ड की राष्ट्रीय सवारी हूँ।

मैं खेल मुकाबलों में भी विशेष स्थान पाती हूँ। खेल-दिवस में धीमी गति और तेज़ गति की साइकिल दौड़ के मुकाबले होते हैं इस तरह विजेता को तमगा दिलाती हूँ। दुर्घटना की दृष्टि से सबसे सुरक्षित मेरी सवारी ही है। इसका यह मतलब कदापि नहीं कि मुझे अंधाधुंध चलाया जाये। मेरी सवारी करते समय यातायात के नियमों का पालन ज़रूर किया करो। जिससे दुर्घटना होगी ही नहीं। आप और मैं स्वस्थ जीवन बिताएँगे।

मेरी सवारी करो। वातावरण दूषित होने से बचाने में मेरी सहयोगी बनो ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वातावरण और खनिज तेल बचा पाएँ। यदि आप मुझे साथ रखोगे तो मैं तुम्हारी सेहत और पर्यावरण को ठीक रख पाऊँगी।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਘੇਰਾ	=	घेरा	ਰੋਮ	=	रोम
ਜ਼ੰਜੀਰ	=	ज़ंजीर	ਦੁਰਘਟਨਾ	=	दुर्घटना
ਹੈਂਡਲ	=	हैंडल	ਪੈਟਰੋਲ	=	पैट्रोल
ਸ਼ਹਿਰ	=	शहर	ਧੂਆਂ	=	धुआँ
ਸਾਇਕਲ	=	साइकिल	ਤਮਗਾ, ਮੈਡਲ	=	तमगा
ਖਣਿਜ ਤੇਲ	=	खनिज तेल	ਪੀੜ੍ਹੀਆਂ	=	पीढ़ियाँ

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਬੁਝਾਰਤ	=	पहेली	ਖੋਜ	=	आविष्कार
ਨਾਲ ਚੱਲਣ ਵਾਲੇ	=	हम सफर	ਰੁਕਾਵਟ	=	बाधा
ਵੱਡੇ-ਬੁੱਢੇ	=	बुजुर्ग	ਚਲਾਉਣ ਵਾਲਾ	=	चालक
ਅਸਲ ਵਿੱਚ	=	दरअसल	ਬਿਨਾ ਸੋਚੇ-ਸਮਝੇ	=	अंधाधुंध
ਦੋਸਤੀ	=	मित्रता	ਆਵਾਜਾਈ	=	यातायात
ਕਸਰਤ	=	व्यायाम	ਪਿੱਛੇ-ਪਿੱਛੇ ਚਲਣਾ	=	अनुसरण
ਧੁਨੀ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ	=	ध्वनि प्रदूषण	ਹਵਾ ਦਾ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋਣਾ	=	वायु प्रदूषण
ਵਾਤਾਵਰਣ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰੱਖਣ ਵਾਲਾ	=	पर्यावरण हितैषी	ਜਿੱਤਣ ਵਾਲਾ	=	विजेता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें :-

(क) दो पहिये वाली सवारी को क्या कहते हैं?

(ख) बुज़ुर्गों के स्वास्थ्य का राज़ क्या है?

(ग) साइकिल का आविष्कार किसने और कब किया?

(घ) यदि थोड़ी दूर जाना हो तो कौन-सी सवारी उत्तम है?

(ङ) वायु प्रदूषण कैसे होता है?

(च) खेल दिवस पर साइकिल दौड़ के मुकाबले कौन-कौन से होते हैं?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-

(क) उत्तम स्वास्थ्य के लिए साइकिल की सवारी अच्छी है, कैसे?

(ख) साइकिल पर्यावरण हितैषी है, कैसे?

(ग) साइकिल चलाने के क्या लाभ हैं? लिखो।

5. उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे करें :-

खेल मुकाबलों, स्काटलैण्ड, बाइसिकिल, हालैंड, महँगाई, सुरक्षित, मैकमिलन, हितैषी

(क) आज ___________ का युग है।

(ख) दो पहिये वाली सवारी को ___________ कहते हैं।

(ग) दुर्घटना की दृष्टि से सबसे ___________ मेरी सवारी है।

(घ) मैं पर्यावरण ___________ हूँ।

(ङ) मुझे ___________ की राष्ट्रीय सवारी होने का मान है।

(च) मेरा आविष्कार ___________ के ___________ ने किया।

(छ) मैं ___________ में विशेष स्थान पाती हूँ।

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ समझते हुए वाक्य प्रयोग करें :-

मुँह के बल गिरना = ज़ोर से अचानक गिरना = ______________________________

अंधाधुंध चलाना = बिना सोचे-समझे चलाना = ______________________________

नानी याद आना = बहुत परिश्रम करना = ______________________________

हवा से बातें करना = बहुत तेज़ चलना = ______________________________

7. वाक्य बनायें :-

पहिया, यातायात, उपलब्ध, शुद्ध, आकर्षक, पर्यावरण, उत्पादन, हितैषी

8. चित्र में एक दूसरे के विपरीत शब्द दिये हैं। एक पहिये में दिये शब्दों के विपरीत दूसरे पहिये में हैं। उन्हें ढूँढ़ें और उपयुक्त स्थान पर लिखें:-

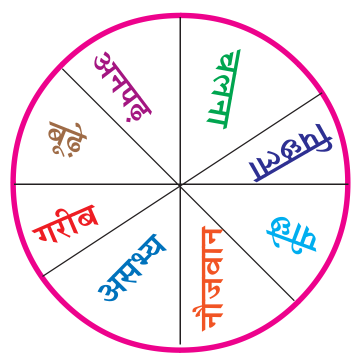

अगला ______________ पिछला

______________ ______________

______________ ______________

______________ ______________

_______________ _______________

_______________ _______________

_______________ _______________

_______________ _______________

9. करिये और जानिये :-

अपने विद्‌यालय में खेल दिवस पर साइकिल दौड़ में भाग लें।

10. मान लो आप अपने सहपाठियों के साथ स्कूल जाने के लिए तैयार हैं। तभी आपने देखा कि आपकी साइकिल पंक्चर है। आप अपने स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना-पत्र लिखें जिसमें कारण बताते हुए एक दिन के अवकाश की प्रार्थना की गई हो।

सेवा में

मुख्याध्यापक

____

____

विषय : अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र

श्रीमान जी,

निवेदन यह है ____

____

____

____

____

आपका आज्ञाकारी शिष्य

____

____

साइकिल चलाते समय याद रखने योग्य कुछ काम की बातें

* हमेशा अपनी बायीं ओर चलाओ।
* धीमी गति से चलाओ।
* हाथ छोड़कर न चलाओ।
* सड़क के मध्य में न चलाओ।
* मुड़ते समय हाथ का इशारा करो।
* ज़रूरत पड़ने पर घंटी का प्रयोग करो।
* समय पर टायरों में हवा भरवाओ।
* खराब होने पर कारीगर से ठीक करवाओ।
* सदैव सड़क के नियमों का पालन करो।
* सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।

प्रयोगात्मक व्याकरण

नीचे कुछ शब्द घुलमिल गये हैं, उन्हें अलग करके उचित स्थान पर लिखिए :-

साइकिल, हरियाली, बचपन, पहिया, महँगाई, पैट्रोल, मोटरगाड़ी, स्वास्थ्य, लड़का, मित्रता, खेल, आविष्कार, लुहार, नौजवान, डॉक्टर, हवा

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________

पाठ- 7

सूरज

पूर्व दिशा से निकला सूरज
उजियारा फैलाता है,
सुबह सवेरे उठने का
संदेशा लेकर आता है।

पूर्व दिशा से निकला सूरज
उजियारा फैलाता है।

गर्मी हो या फिर हो सर्दी
छुट्टी कभी न पाता है,
निरंतर आगे बढ़ने की
शिक्षा हमें दे जाता है।

पूर्व दिशा से निकला सूरज
उजियारा फैलाता है।

हो जाती संध्या ज्यों ही
पश्चिम में ढल जाता है,
नई उमंगों, आशाओं की
नई सुबह फिर लाता है।
पूर्व दिशा से निकला सूरज
उजियारा फैलाता है।

बिजली के बढ़ते संकट में
इन्सां जब घबराता है,
सौर ऊर्जा का स्त्रोत बनकर
नई दिशा दे जाता है।
पूर्व दिशा से निकला सूरज
उजियारा फैलाता है।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਸੂਰਜ	=	सूरज	ਪੂਰਵ	=	पूर्व
ਸਵੇਰੇ	=	सवेरे	ਦਿਸ਼ਾ	=	दिशा
ਸੰਕਟ	=	संकट	ਗਰਮੀ	=	गर्मी
ਬਿਜਲੀ	=	बिजली	ਸਰਦੀ	=	सर्दी

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਖ਼ਬਰ, ਸਮਾਚਾਰ	=	संदेशा	ਪੱਛਮ	=	पश्चिम
ਲਗਾਤਾਰ	=	निरंतर	ਛਿੱਪ	=	ढल
ਸਿੱਖਿਆ	=	शिक्षा	ਇਨਸਾਨ	=	इंसान
ਸੰਝ/ਸ਼ਾਮ	=	संध्या	ਸੂਰਜੀ ਊਰਜਾ	=	सौर ऊर्जा
ਸੋਮਾ	=	स्त्रोत	ਉਜਾਲਾ, ਰੋਸ਼ਨੀ	=	उजियारा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें :-

(क) सूरज के निकलने पर क्या फैल जाता है?

(ख) सूरज किस दिशा से निकलता है?

(ग) सूरज किस दिशा में छिपता है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-

(क) सूरज हमें क्या प्रेरणा देता है?

(ख) आज बिजली का गम्भीर संकट सभी ओर बना हुआ है। इस संकट से उबरने के लिए कवि ने क्या विकल्प सुझाया है? उस बारे में अपने विचार लिखें।

5. चित्र में कुछ शब्द दिये हैं। उन शब्दों के पर्याय चुनकर लिखें :-

सूरज = सूर्य , _______, _______

सुबह = _______, _______, _______

संदेशा = _______, _______, _______

संध्या = _______, _______, _______

6. अंतर समझें :-

दिशा = जिस तरफ से सूरज निकलता है = **सूरज पूर्व दिशा से निकलता है।**

दिशा = लक्ष्य = **आपके जीवन की दिशा क्या है?**

संध्या = शाम = ________________________________

संध्या = बुढ़ापे की अवस्था = ________________________________

7. संयुक्त व्यंजन से नया शब्द बनायें :-

छुट्टी = ट्ट = मिट्टी

शिक्षा = क्ष (क् + ष) = _______

संध्या = ध्य = _______

पश्चिम = श्च = _______

स्रोत = स्र (स् + र) = _______

8. सोचिये और लिखिये

(क) आजकल बिजली के विकल्प के रूप में सौर ऊर्जा का प्रयोग होने लगा है। अपने अध्यापक की सहायता से सौर ऊर्जा से चलने वाले यंत्रों के नाम पता करें और उनके उपयोग अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखें।

(ख) सूर्य के उत्तरायण (उत्तर दिशा की ओर प्रस्थित) होने की मान्यता से संबंधित कौन-सा पर्व उत्तर और पूर्वी भारत में जनवरी माह में मनाया जाता है?

(ग) दिए गए शब्द संकेतों के आधार पर बतायें कि यदि सूरज न होता तो क्या होता ?

शब्द संकेत :

* अंधकार : ______________________________

* वर्षा नहीं : ______________________________

* खेती नहीं : ______________________________

* प्राणियों के लिए भोजन नहीं : ______________________________

* धरती पर जीवन ही संभव नहीं : ______________________________

9. जानिये : दिशाएँ

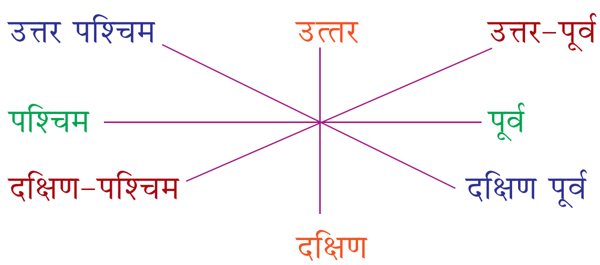

10. नीचे लिखे शब्दों में अक्षरों को उचित क्रम में रख कर सार्थक शब्द लिखें :

लानिक	:	निकला
याजिउरा	:	________
लाफैता	:	________
श्चिपम	:	________
राबताघ	:	________
जसूर	:	________
रंतनिर	:	________
बसुह	:	________
वेंरस	:	________

अध्यापन निर्देश :- **1.** अध्यापक बच्चों को बताये कि 'छुट्टी' शब्द में 'ट्' व्यंजन दो बार प्रयोग हुआ है। यह व्यंजन खड़ी पाई से रहित है अर्थात् इसमें खड़ी पाई नहीं होती। ट, ठ, ड, द, ह ऐसे व्यंजन हैं। इन व्यंजनों का जब संयुक्त रूप लिखना होता है तो सुविधा के लिए पहले व्यंजन के नीचे हलन्त (्) लगा दिया जाता है।

2. अध्यापक बच्चों को 'क्ष' 'स्र' को अलग कर समझाये कि क् + ष को मिलाकर 'क्ष' संयुक्त व्यंजन बनता है और स् + र के मिलने से 'स्र' संयुक्त व्यंजन बनता है।

पाठ 8

प्रायश्चित

होली का दिन था। बच्चों ने इधर-उधर से एकत्र की गई थोड़ी-बहुत लकड़ियाँ गाँव के शिवालय के करीब खुले मैदान में शाम हो जाने पर होली में जलायीं। आग की लपटें अधिक ऊँची नहीं उठ रही थीं। बच्चों के चेहरों पर इसलिए उत्साह नज़र नहीं आ रहा था। गोपू ग्वाले की कुटिया के पिछवाड़े गोबर के उपलों का ढेर लगा हुआ था। गोपू घर पर नहीं था। वह उपले बेचने पास के शहर गया हुआ था और अभी तक लौटा न था। शरारती बुधवा को गोपू के उपले सहसा याद हो आये। आज दोपहर पाठशाला से घर लौटते हुए भी उसने ग्वाले की कुटिया के पिछवाड़े उपलों के ऊँचे-ऊँचे ढेर देखे थे। उसने अपने मन की बात मित्रों से कही तो सभी सहमत हो गये। गोपू की कुटिया के पिछवाड़े पहुँचते बाल-मंडली को देर न लगी। कुछ लड़के जल्दी-जल्दी उपले बटोरने लगे तो कुछ उन एकत्र किये गए उपलों को शिवालय के करीब जल रही होली की आग को समर्पित करने में तल्लीन हो गए। तेज़ी से जलते उपलों को देख सब खुशी से नाचने-गाने लगे।

गोपू-थका हुआ शहर से लौटा तो खा-पीकर कुटिया के भीतर सो गया। दूसरे दिन रंग पंचमी थी। सोकर उठते ही वह मन ही मन बोला, काश! आज ज़्यादा उपले अगर बिक जायें तो अच्छे पैसे हाथ आ जायेंगे और पास के गाँव जाकर वह भी अपने सगे-सम्बंधियों के संग होली मना आएगा। वह नहा-धोकर और चाय पीकर खाली टोकरी हाथ में लिए उपले बटोरने पिछवाड़े आया तो मैदान साफ नज़र आया। वह बोला, हाय! मैंने किसका क्या बिगाड़ा था जो इतनी मेहनत

से बनाये गये मेरे ढेर सारे उपले यूँ गायब कर दिए गए! वह सीधे गाँव के मुखिया जी के घर पहुँचा और नयनों से गंगा-यमुना बहाते हुए अपनी आप बीती सुनाने लगा। मुखिया जी बोले, 'तुम चिंता न करो तुम्हें ज़रूर न्याय मिलेगा। गोपू के घर से जाने के बाद उन्होंने दिमाग दौड़ाया और मन ही मन बोले, यह सारी करतूत ज़रूर गाँव के इन शरारती बच्चों की ही है।' वे बारी-बारी से सबके घर पहुँचे और बच्चों के अभिभावकों से बोले 'गरीब ग्वाले के परिश्रम से बनाए गए उपले ये होनहार बच्चे होली की आग में झोंक आए हैं। किसी के आँसुओं से हाथ भिगो कर हम होली नहीं मनाना चाहते। आज दोपहर तक सभी बच्चे मिलकर उपले तैयार कर गोपू ग्वाले को दे आयें, उसके पश्चात ही शाम होने से पहले ये होली खेल सकेंगे। उपले तैयार किए बगैर दोपहर से पूर्व कोई भी बालक होली खेलता नज़र आएगा तो अभिभावक को प्रति बच्चे पर सौ-सौ रुपये जुर्माना देना पड़ेगा।

मुखिया जी की आज्ञा को शिरोधार्य करते हुए सभी शरारती बच्चों ने गाय-भैंसों का गोबर इधर-उधर भटकते हुए इकट्ठा किया और सब धूप में खुली जगह पर उपले तैयार करने में जुट गये। खेल ही खेल में जो उपले होली में जला डाले गये थे, उन उपलों को बनाने में कितना पसीना बहाना पड़ता है यह उन्हें ज्ञात हो गया था। दोपहर होते-होते ढेर सारे उपले तैयार हो गये। मुखिया जी गोपू ग्वाले की कुटिया पर पहुँचकर बोले, 'गोपू भैया- बच्चों ने प्रायश्चित कर लिया है। तुम्हारे उपले इन सबने पुनः तैयार कर दिये हैं। वैर भाव को भुला दो, चलो , इस बाल मंडली के संग हम भी होली खेलेंगे' कहते हुए मुखिया जी ने दुपट्टे में छिपाई हुई अबीर की पोटली निकाल बच्चों को थमा दी। गुलाल के बादल उड़ चले। मुखिया जी का इतना सुंदर न्याय देख कर गोपू का चेहरा खिल उठा।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਲਕੜੀਆਂ	=	लकड़ियाँ	ਜੁਰਮਾਨਾ	=	जुर्माना
ਦੁਪਹਿਰ	=	दोपहर	ਇੱਕਠਾ	=	इकट्ठा
ਗਵਾਲਾ, ਦੋਧੀ	=	ग्वाला	ਮੁਖੀਆ	=	मुखिया
ਗੰਗਾ ਯਮੁਨਾ	=	गंगा-यमुना	ਕੋਈ	=	कोई
ਨਿਆਂ	=	न्याय	ਸਹਿਮਤ	=	सहमत

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਸ਼ਿਵ ਜੀ ਦਾ ਮੰਦਰ = शिवालय   ਮੰਨ ਗਏ = सहमत हो गए

ਮਾਂ ਪਿਉ ਜਾਂ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਅਕਤੀ = अभिभावक = माता-पिता, देखरेख करने वाला

ਜਾਣਕਾਰੀ	=	ज्ञान	ਇੱਕਠੇ	=	एकत्र
ਪਿਛਲੇ ਪਾਸੇ	=	पिछवाड़े	ਬੁਰੇ ਕੰਮ ਦਾ ਪਛਤਾਵਾ	=	प्रायश्चित
ਪਹਿਲਾਂ	=	पूर्व	ਰੰਗਾਂ ਨਾਲ ਹੋਲੀ ਖੇਡਣ ਦਾ ਦਿਨ	=	रंग पंचमी
ਅਚਾਨਕ	=	सहसा	ਮੰਨ ਲੈਣਾ	=	शिरोधार्य करना
ਗੁਲਾਲ	=	अबीर	ਦੁਬਾਰਾ	=	पुनः

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

(क) बच्चों ने किस त्योहार के अवसर पर लकड़ियाँ जलायीं?

(ख) बच्चों ने होली कहाँ मनायी?

(ग) गोपू कैसे गुज़ारा करता था?

(घ) शरारती लड़कों ने किसके घर से उपले चुराये?

(ङ) मुखिया ने शरारती बच्चों को क्या सज़ा दी?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दें :-

(क) क्या आप मुखिया द्वारा बच्चों को दी गई सज़ा से सहमत हैं? क्यों?

(ख) गोपू का चेहरा प्रसन्नता से क्यों खिल उठा?

5. नीचे मुहावरों के अर्थ दिये गये हैं, उनका वाक्य में प्रयोग करो :-

मुहावरा		अर्थ	
मैदान साफ नज़र आना	=	कोई चीज़ बाकी न बचना	____________
नयनों से गंगा-यमुना बहाना	=	रोने के कारण आँखों से खूब आँसू बहना	____________
दिमाग दौड़ाना	=	गहराई से सोचना	____________
आँसुओं से हाथ भिगोना	=	किसी को बिना कारण दु:ख देकर खुश होना	____________
जुट जाना	=	पूरी तरह लग जाना	____________
पसीना बहाना	=	कड़ी मेहनत करना	____________
चेहरा खिल उठना	=	बहुत खुश हो जाना	____________

6. सोचिए और लिखिए

1. बच्चों ने प्रायश्चित क्यों और कैसे किया? प्रायश्चित कर लेने के बाद बच्चों को क्या अनुभव हुआ?

2. आप किस तरह से होली का त्योहार मनाते हैं?

3. भारत में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। आपने अपने माता-पिता को त्योहार की तैयारी करते देखा होगा। आपको कौन-सा त्योहार अच्छा लगता है, उसके विषय में चार-पाँच पंक्तियाँ लिखो।

प्रयोगात्मक व्याकरण

1. गोपू एक ग्वाला था। **उसकी** कुटिया के पिछवाड़े गोबर के उपले पड़े हुए थे। **उसने** बड़ी मेहनत से **उन्हें** बनाया था। एक दिन **वह** घर पर नहीं था। **उसके** उपले गाँव के शरारती बच्चों ने उठा लिये।

ऊपर के गद्यांश में 'गोपू' एक व्यक्ति तथा 'उपले' एक वस्तु के नाम हैं। अतः 'गोपू' और उपले संज्ञा शब्द हैं। उपरोक्त पंक्तियों में रेखांकित किए गए शब्द '**उसकी**', '**उसने**', '**वह**' तथा '**उसके**' गोपू के लिए तथा '**उन्हें**' उपलों के लिए प्रयोग में आये हैं।

अतः ऐसे शब्द जो किसी संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में आते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।

(क) (1) गोपू मुखिया से बोला, "**मैं** शहर गया हुआ था। **मेरे** उपले किसी ने चुरा लिये।
यहाँ बोलने वाले (गोपू) ने अपने लिए 'मैं' और 'मेरे' सर्वनामों का प्रयोग किया है।

(2) मुखिया गोपू से बोला, "**तुम** चिंता न करो- **तुम्हें** न्याय मिलेगा।"
यहाँ सुनने वाले (गोपू) के लिए '**तुम**' और '**तुम्हें**' सर्वनामों का प्रयोग हुआ है।

(3) मुखिया मन ही मन बोला, "गाँव के बच्चे शरारती हैं। यह शरारत **उनकी** ही है।

यहाँ बोलने वाले (मुखिया) ने अन्य (अनुपस्थित) व्यक्तियों (बच्चों) के लिए '**उनकी**' सर्वनाम का प्रयोग किया है।

अतएव बोलने वाला अपने लिए, सुनने वाले तथा अन्य (अनुपस्थित) व्यक्ति के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग करता है, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। यह सर्वनाम का पहला भेद है।

(ख) **(i)** देखो, बच्चे खड़े हैं, **इन्होंने** प्रायश्चित कर लिया है

(ii) **वह** मेरी कुटिया है।

ऊपर पहले वाक्य में '**इन्होंने**' सर्वनाम का प्रयोग पास खड़े बच्चों के लिए तथा दूसरे वाक्य में '**वह**' सर्वनाम का प्रयोग दूर स्थित 'कुटिया' के लिए किया गया है। अर्थात् '**इन्होंने**' तथा '**वह**' से निश्चयपूर्वक बोध हो रहा है **अतः जिन सर्वनामों से निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध हो, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का दूसरा भेद है।**

अन्य उदाहरण : **यह, ये, वे, इसको आदि।**

(ग) **(i)** **किसी** ने मेरे उपले उठा लिये।

(ii) **कुछ** न **कुछ** तो करना ही पड़ेगा।

उपरोक्त वाक्यों में '**किसी**' तथा '**कुछ**' किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं कराते अतः अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं। **अतः जिन सर्वनामों से निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का तीसरा भेद है।**

अन्य उदाहरण : **कोई, किस, किन्हीं आदि**

(घ) जो भी उपले तैयार किए बिना होली खेलता नज़र आएगा, **उसके** अभिभावक को प्रति बच्चे पर सौ-सौ रुपये जुर्माना देना पड़ेगा।

उपरोक्त वाक्य में '**जो**' तथा '**उसके**' रेखांकित शब्द दो वाक्यों का परस्पर सम्बन्ध जोड़ते हैं, अत: ये सम्बन्ध वाचक सर्वनाम हैं। **अतएव जिन सर्वनामों से एक बात का दूसरी बात से सम्बन्ध प्रकट हो उसे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का चौथा भेद है।**

अन्य उदाहरण : **जो-सो, जिसने-उसने, जिसकी-उसकी आदि।**

2. वाक्यों में कुछ रेखांकित शब्द हैं। उनके स्थान पर नीचे दिए गए समान अर्थ वाले शब्दों को चुनकर वाक्य फिर से लिखें-

मेहनत, विद्यालय, अंदर, राज़ी, झोंपड़ी, इंसाफ, अचानक, फिक्र, निर्धन, अग्नि

1. आज दोपहर पाठशाला से घर लौटते हुए उसने ग्वाले की कुटिया के पिछवाड़े उपलों के ढेर देखे।
2. गोपू कुटिया के भीतर सो गया।
3. तुम चिंता न करो तुम्हें न्याय ज़रूर मिलेगा।
4. गरीब ग्वाले के परिश्रम से बनाए गए उपले ये होनहार बच्चे होली की आग में झोंक आये हैं।
5. वे सभी सहमत को गये।
6. शरारती बुधवा को गोपू के उपले सहसा याद हो आये।

3. नीचे कुछ शब्द घुल मिल गये हैं उन्हें अलग-अलग करके उचित खाने में लिखिये :-

होली, मैदान, गोपू, बुधवा, पाठशाला, कुटिया, उत्साह, पैसे, गंगा, यमुना, ग़रीबी, टोकरी, गुलाल, बादल, प्यार, न्याय, उपले, मित्र, मेहनत, गुस्सा,

व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**

4. नीचे लिखे पंजाबी वाक्यों के बदले अपने पाठ से छाँट कर हिंदी वाक्य लिखें :-

(ਕ) ਮੈਂ ਕਿਸੇ ਦਾ ਕੀ ਵਿਗਾੜਿਆ ਸੀ ਕਿ ਇੰਨੀ ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਢੇਰ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਥੀਆਂ ਇੰਝ ਗਾਇਬ ਕਰ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ।

(ਖ) ਉਹ ਪਾਥੀਆਂ ਵੇਚਣ ਲਈ ਨੇੜੇ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵੱਲ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ।

(ਗ) ਇਸ ਬਾਲ ਮੰਡਲੀ ਨਾਲ਼ ਅਸੀਂ ਵੀ ਹੋਲੀ ਖੇਡ ਲਈਏ।

(ਘ) ਮੁਖੀਆ ਜੀ ਦਾ ਇੰਨਾ ਸੁਹਣਾ ਨਿਆਂਉਂ ਵੇਖ ਕੇ ਗੋਪੂ ਦਾ ਚਿਹਰਾ ਖੁਸ਼ੀ ਨਾਲ ਖਿੜ ਪਿਆ।

5. नीचे लिखे शब्दों में अक्षरों को उलट-पुलट कर एक नया सार्थक शब्द लिखें :

सब	:	बस	सबने	:	____________
रहा	:	____________	सहसा	:	____________
मना	:	____________	करीब	:	____________

जानिये

1. होली को तमिलनाडु में **कामूनी पुनडग्गा केक** तथा आंध्रप्रदेश में **कमन विजहा** नाम से पुकारा जाता है।
2. मथुरा, वृंदावन, गोकुल, मुम्बई आदि में होली करीब 16 दिनों तक मनायी जाती है तथा इस मौके पर अनेक स्थानों पर गलियों, सड़कों, मुहल्लों पर कुछ ऊँचाई पर लटके **रंगों से भरे मटकों को फोड़ने की प्रथा** भी है।
3. विदेशों में होली प्रसिद्ध है। बर्मा में 5 मार्च को भगवान बुद्ध के स्वागत दिवस के रूप में मनायी जाती है।
4. **थाइलैंड में होली जैसा त्योहार 16 मार्च को सैगोना** नाम से मनाया जाता है।
5. दक्षिण अफ्रीका में 9 मार्च को इसे **ओमेगा वेगा** के रूप में मनाते हैं।
6. यूनान की होली को **नेपोल** कहते हैं।
7. महाकवि कालिदास (प्रसिद्ध संस्कृत कवि व नाटककार) ने होली को अपनी रचनाओं में **मदनोत्सव** कहा है।
8. स्पेन में इसे **कुर्र-कुर्र** कहते हैं।
9. चेकोस्लोवाकिया की होली को **लव बेलिया** कहते हैं।

पाठ 9

रोमांचक कबड्डी मुकाबला

रंग-बिरंगे झंडों से सजा मैदान बड़ा आकर्षक लग रहा था। मैदान में एक छोर पर खिलाड़ी वार्म-अप हो रहे थे। बीचों बीच आयताकार मैदान की सजावट सचमुच किसी समारोह का आभास करा रही थी। हो भी क्यों न! आज विद्यालय में सरोजिनी सदन व लक्ष्मीबाई सदन की कबड्डी टीमों का फाइनल मुकाबला जो था।

कुछ ही समय में खेल शुरू होने वाला था। मैच रेफरी, लाइनमैन, अंक लेखक व टाइम कीपर सभी तैयार थे। बच्चों के तो पैर ज़मीन पर नहीं पड़ रहे थे। पड़े भी क्यों, आज उनके प्रिय खेल कबड्डी का मुकाबला था।

सरोजिनी टीम के खिलाड़ियों पर दर्शनीय अनुक्रमांक सहित केसरी पोशाक बहुत सज रही थी उधर लक्ष्मीबाई टीम की हरी वर्दी बड़ी आकर्षक लग रही थी।

रेफरी की सीटी बजते ही दोनों टीमें मैदान में आ गईं। सरोजिनी टीम में अशोक, महेश, सुरिन्द्र, स्वर्ण, अब्दुल, एन्थनी और कृष्णा थे। लक्ष्मीबाई टीम रघु, गुरप्रीत, सुखविंदर, रमन, जार्ज, असलम तथा गोबिंद से सजी थी। दोनों टीमों में बहुत उत्साह था। सरोजिनी टीम का नेतृत्व अशोक कर रहा था तथा लक्ष्मीबाई टीम का रमन। पुन: सीटी बजते ही सात-सात खिलाड़ी कतार में खड़े हो गए। रेफरी ने उनका मुआइना किया, दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाए। टॉस जीतकर लक्ष्मीबाई टीम ने प्रथम आक्रमण का चुनाव किया। सारा मैदान तालियों से गूँज उठा। ज़ोरदार स्वागत से खिलाड़ी फूले नहीं समा रहे थे।

लक्ष्मीबाई टीम से गोबिंद कबड्डी-कबड्डी करता विरोधी टीम के पाले में फुर्ती से पहुँच खिलाड़ियों को छूने का प्रयास करने लगा। विरोधी टीम के खिलाड़ी अपना बचाव करने का प्रयत्न करते हुए उसे दबोचने का दांव लगा रहे थे तभी गोबिंद ने महेश को छू दिया और हिरन की तरह चौकड़ी भरता वापिस अपने पाले में आ गया। रेफरी ने महेश को मरा घोषित कर दिया। महेश बैठक ब्लॉक में बैठ गया।

अब अब्दुल बिजली-सी तेज़ी से लक्ष्मीबाई टीम पर टूट पड़ा और छूने के लिए हाथ-पाँव मारने लगा। वह उछलकर दो खिलाड़ियों को छूकर पलक झपकते ही वापिस अपने पाले में आ गया । इससे महेश जीवित हो गया। लक्ष्मीबाई टीम के दोनों खिलाड़ी आऊट होकर बैठक दीर्घा (गैलरी) में चले गए। अब बारी गुरप्रीत की थी। वह रेड करता हुआ विरोधी पाले में पहुँचा। अचानक कैप्टन अशोक ने उसकी कमर पकड़ ली अन्य खिलाड़ी उस पर टूट पड़े। गुरप्रीत की साँस टूट गई। रेफरी ने उसे भी मरा घोषित कर दिया। वह भी बाहर बैठ गया।

तभी रेडर स्वर्ण लक्ष्मीबाई टीम के पाले में गया और बोनस लाइन को छूकर नौ दो ग्यारह हो गया। उसकी टीम को एक अंक मिल गया।

लक्ष्मीबाई टीम पिछड़ रही थी। पूरे जोश के साथ रघु कबड्डी-कबड्डी करता विरोधी पाले में गया और छूने का प्रयास करने लगा। तभी उसकी टाँग सुरिन्द्र के हाथ आ गयी। वह जाल में फंसी मछली की तरह तड़पने लगा पर हिम्मत नहीं हारी। चार खिलाड़ियों को घसीटता वह मध्य रेखा छूने में सफल हो गया। चारों खिलाड़ी मरे घोषित कर दिए गए। मैदान तालियों से गूँज उठा। उसकी हिम्मत और साहस से उसकी टीम के खिलाड़ी जीवित हो गए और उनकी टीम को चार अंक मिले।

अब कृष्ण रेड करता हुआ आगे बढ़ा कि असलम ने उसे दबोच लिया। साथी खिलाड़ियों की पकड़ से वह अपने आपको न छुड़ा सका, उसकी साँस टूट गयी।

सरोजिनी टीम में दो खिलाड़ी शेष थे। कप्तान रमन स्वयं कबड्डी-कबड्डी करता सरोजिनी टीम के पाले में पहुँचा और दोनों खिलाड़ियों को छूकर वापिस आ गया। सरोजिनी टीम की पूरी टीम आऊट (मर) हो चुकी थी। अत: रेफरी ने लोना के दो अतिरिक्त अंक लक्ष्मीबाई टीम को दिए। तभी लम्बी सीटी बजी। यह मध्यांतर का संकेत था।

अंक लेखक ने अंकों की घोषणा की। लक्ष्मीबाई टीम विरोधी टीम से आगे थी। पाँच मिनट के मध्यांतर में खिलाड़ियों ने कुछ फल खाये व पानी पिया। प्रशिक्षक अपनी-अपनी टीम में आ गए। वे स्वयं अपने खिलाड़ियों को रणनीति समझाने लगे। सीटी बजते ही दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान में आ गए। नियमानुसार उन्होंने अपने पाले बदल लिए।

लक्ष्मीबाई टीम के खिलाड़ी बहुत उत्साही थे पर सरोजिनी टीम के खिलाड़ी भी हिम्मत न हारे। वे स्वयं और समझदारी से खेलने लगे। रेडर अब्दुल विरोधी टीम में जाकर बिजली-सी फुर्ती से हाथ-पाँव मारने लगा। लक्ष्मीबाई टीम के खिलाड़ी उसे दबोचना चाहते थे पर उसकी

पैंतरेबाजी से उसे पकड़ न सके। इसी प्रयास में उनके दो खिलाड़ियों के पैर सीमा रेखा पर आ गए। अब्दुल इशारा करते अपने पाले में वापिस आ गया। रेखा अधिकारी (लाइनमैन) ने उन्हें आऊट कर सरोजिनी टीम को दो अंक दे दिए।

कुछ ही समय का खेल शेष था। मुकाबला अत्यन्त रोचक और रोमाँचक हो गया था। दोनों के अंकों में उन्नीस-बीस का अंतर था। इस मैच में कौन जीतेगा? कह पाना कठिन था। दोनों टीमों के खिलाड़ी एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे थे। तालियों, उत्साह वर्धक शब्दों से दर्शक रोमांचित हो रहे थे। लक्ष्मीबाई टीम का असलम कबड्डी-कबड्डी करता सरोजिनी टीम के चक्रव्यूह में घिर गया तभी उसने ऊँची छलाँग लगायी और अपने पाले में आ गया। अरे! यह क्या हुआ? सरोजिनी टीम का सुरिन्द्र जमीन पर पड़ा तड़पने लगा उसके सिर में चोट लग गई थी। खेल कुछ समय के लिए रुका। कप्तान ने निर्णायक की सहमति से अपनी टीम के पाँच अतिरिक्त खिलाड़ियों में से अर्पित को शामिल कर लिया और सुरिन्द्र को विश्राम दे दिया। खेल पुनः शुरू हो गया। दोनों कप्तान बड़ी रणनीति से अपने-अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा रहे थे। दर्शक मंत्रमुग्ध से खिलाड़ियों के आक्रमण व सुरक्षा दाँव देख रहे थे। तभी लम्बी सीटी बजी। स्टॉप-वॉच रुक गई। सरोजिनी टीम के चालीस अंक थे और लक्ष्मीबाई टीम के बत्तीस। सरोजिनी टीम विजयी घोषित की गई। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने हाथ मिलाए व विजेता को बधाई दी। शिक्षा सचिव ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। दर्शकों ने हर्ष उल्लास से इस रोमांचक मुकाबले का आनंद उठाया।

कबड्डी के खेल से सम्बन्धित शब्द

रेडर	:	कबड्डी-कबड्डी का उच्चारण करते आक्रमण करता खिलाड़ी
लोना	:	एक टीम के सभी खिलाड़ियों को आउट कर देना। इस पर दो विशेष अंक दिये जाते हैं।
दर्शनीय अनुक्रमांक	:	खिलाड़ियों की बनियान पर छपे अंक।
बोनस लाइन	:	अंतिम रेखा से 2.50 मीटर की दूरी पर मैदान के अंदर की रेखा।
स्टॉप वॉच	:	विशेष घड़ी, जिसे निर्धारित समय पर रोका जा सकता है।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਕਬੱਡੀ	=	कबड्डी	ਦਰਸ਼ਕ	=	दर्शक
ਖਿਡਾਰੀ	=	खिलाड़ी	ਕਪਤਾਨ	=	कप्तान
ਟੀਮ	=	टीम	ਫੁਰਤੀ	=	फुर्ती
ਘੰਟੀ	=	घंटी	ਝੰਡਾ	=	झंडा

2. **नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-**

ਸਕੂਲ	=	विद्यालय	ਯਤਨ, ਕੋਸ਼ਿਸ਼	=	प्रयास
ਜੇਤੂ	=	विजयी	ਅੱਧਾ ਸਮਾਂ	=	मध्यांतर
ਬਾਕੀ	=	शेष	ਅਜਿਹਾ ਘੇਰਾ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ ਨਿਕਲਣਾ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਹੋਵੇ	=	चक्रव्यूह
ਖਿਡਾਰਿਆਂ	=	खिलाड़ियों			
ਸਾਹ	=	साँस	ਮੱਛੀ	=	मछली
ਅਗੁਵਾਈ	=	नेतृत्व	ਕਿਨਾਰਾ	=	छोर

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-**

(क) कबड्डी की दोनों टीमों के क्या नाम थे?

(ख) प्रत्येक टीम में कितने खिलाड़ी थे?

(ग) सरोजिनी टीम के कप्तान का क्या नाम था?

(घ) लक्ष्मीबाई टीम के कप्तान का क्या नाम था?

(ङ) किसी टीम के खिलाड़ी को मरा हुआ कैसे घोषित किया जाता है?

(च) 'मरा हुआ' कहलाने से बचने के लिए खिलाड़ी को क्या करना पड़ता है?

(छ) कौन-सी टीम विजयी घोषित की गई?

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-**

(क) कबड्डी में साँस टूटने का क्या अर्थ है?

(ख) कोई भी मैच खेलते समय टीम के खिलाड़ियों में आपके अनुसार कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

5. **इन मुहावरों के अर्थ नीचे दिए गए हैं, इन्हें याद कर वाक्यों में प्रयोग करें :-**

मुहावरा	अर्थ		वाक्य
हिरन की तरह चौकड़ी भरना	= खूब उछलते हुए आगे बढ़ना	=	
नौ दो ग्यारह होना	= जल्दी से भाग जाना	=	
एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना	= बहुत कोशिश करना	=	
पलक झपकते ही	= एकदम, थोड़ी-सी देर में	=	
जाल में फँसी मछली की तरह	= मुसीबत में पड़ा आदमी	=	
हाथ-पाँव मारना	= बहुत कोशिश करना	=	
प्रसन्नता की लहर दौड़ना	= बहुत खुश होना	=	
फूले नहीं समाना	= बहुत खुश होना	=	

6. नये शब्द बनायें

कबड्डी	=	ड्ड	=	खड्डा, अड्डा
विद्यालय	=	द्य	=	______, ______
बच्चे	=	च्च	=	______, ______
गोबिन्द	=	न्द	=	______, ______
ग्यारह	=	ग्य	=	______, ______
मध्य	=	ध्य	=	______, ______
बत्तीस	=	त्त = त्त=		______, ______
व्यूह	=	व्य	=	______, ______
स्वागत	=	स्व	=	______, ______
प्रयत्न	=	त्न	=	______, ______
अब्दुल	=	ब्द	=	______, ______
चक्कर	=	क्क	=	______, ______
हफ़्ता	=	फ्त	=	______, ______

इन शब्दों में से खड़ी पाई वाले व्यंजन, बिना खड़ी पाई वाले और मध्य में खड़ी पाई वाले व्यंजन अलग-अलग करके नीचे तालिका में लिखें :-

खड़ी पाई वाले	मध्य में खड़ी पाई वाले	बिना खड़ी पाई वाले
त	क	ड

अध्यापन निर्देश : अध्यापक बच्चों को 'कबड्डी', 'विद्यालय' छुट्टी, चिह्न शब्दों की ओर ध्यान दिलाते हुए बताये कि ड, ट, द, ह ऐसे व्यंजन हैं जिन्हें 'अ' रहित दिखाना हो तो इनके नीचे हलन्त (्) लगा देते हैं। अब 'चक्कर' शब्द और 'हफ़्ता' में 'अ' रहित 'क' की और 'फ' की ओर ध्यान दिलाते हुए बताये कि 'क' और 'फ' दो व्यंजन ऐसे हैं जिन्हें यदि 'अ' रहित दिखाना हो तो खड़ी पाई के बाद का केवल नीचे का भाग हटाने पर 'क्' 'फ्' ये 'अ' रहित हो गये।

7. पढ़ें, समझें और नये शब्द लिखें :-

संयुक्त व्यंजन		शब्द	नया शब्द
प् + र = प्र	=	प्रसन्नता,	प्रदेश
श् + र = श्र	=	विश्राम,	________
र् + दी = र्दी =		वर्दी,	________
र् + पि = र्पि =		अर्पित,	________
र् + मों = र्मों =		धर्मों	________

8. बहुवचन रूप लिखें :-

खिलाड़ी	=	खिलाड़ियों	नियम	=	नियमों
साथी	=	__________	अध्यापक	=	__________
विद्यार्थी	=	__________	साँस	=	__________
विरोधी	=	__________	कप्तान	=	__________
रेफरी	=	__________	खेल	=	__________
वर्दी	=	__________	मैच	=	__________

9. 'ई' 'आहट' और 'ता' लगाकर नये शब्द बनाओ :-

ई	आहट	ता
विजय + ई =विजयी	**घबराना + आहट = घबराहट**	**सफल+ता = सफलता**
लालच + ई = ________	चिकना + आहट = ________	मित्र + ता = ________
गर्म + ई =________	कड़वा + आहट = ________	चतुर + ता = ________
सर्द + ई = ________	मुस्कराना + आहट =________	सज्जन + ता = ________

प्रयोगात्मक व्याकरण

(क) (i) वह **अपने** पाले में वापिस आ गया।

(ii) वे **स्वयं** खिलाड़ियों को रणनीति समझाने लगे।

उपर्युक्त वाक्यों में 'अपने' तथा 'स्वयं' शब्द क्रमश: कर्त्ता (कार्य करने वाला) '**वह**' और 'वे' के साथ निजत्व (अपनेपन) का बोध करा रहे हैं, अत: 'निजवाचक' सर्वनाम हैं।

अतएव जो सर्वनाम वाक्य में कर्त्ता के साथ निजत्व (अपनेपन) का बोध करायें उन्हें 'निजवाचक सर्वनाम' कहते हैं। यह सर्वनाम का पाँचवाँ भेद है।

अन्य उदाहरण : **स्वयं, खुद, अपने आप, आप**

(ख) इस मैच में **कौन**-सी टीम जीतेगी?

उपर्युक्त वाक्य में '**कौन**' शब्द का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए हुआ है, अत: ये प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं।

अतएव जो सर्वनाम प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग में आते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का छठा भेद है।

अन्य उदाहरण : **क्या, किसने, किसे।**

सर्वनाम शब्द के नीचे रेखा खींचिए

1. **वह** भी बाहर बैठ गया।
2. अचानक कैप्टन अशोक ने उसकी कमर पकड़ ली।
3. उनकी टीम को चार अंक मिले।
4. लाइनमैन ने उन्हें आऊट कर सरोजिनी टीम को दो अंक दे दिये।
5. असलम ने उसे दबोच लिया।

विशेष जानकारी

1. कबड्डी के अन्य नाम : **चेडुगुडु** (दक्षिण)
   हु-तू-तू (पूरब)
   कबड्डी भारत, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका व पाकिस्तान का लोकप्रिय खेल है।
2. कबड्डी एक ऐसी खेल है जिसमें खेलने के लिए किसी सामान की आवश्यकता नहीं होती।
3. कबड्डी के मैचों का आयोजन उम्र और वजन के आधार पर किया जाता है। आजकल महिला कबड्डी का आयोजन भी किया जा रहा है।
4. पूरे मैच की निगरानी सात लोग : एक रेफरी, दो अंपायर, दो लाइनमैन, एक टाइम कीपर और एक स्कोर कीपर करते हैं।

अध्यापन निर्देश :

अध्यापक बच्चों को बताये कि जब 'यों' तथा ' ों ' का प्रयोग कर बहुवचन बनते हैं तो इन बहुवचन रूपों के साथ किसी न किसी कारक चिह्न 'के' 'ने' 'में' आदि का प्रयोग वाक्य में होता है। जैसे विद्यार्थियों के, खिलाड़ियों ने, खेलों में आदि।

पाठ 10

चिड़िया का गीत

सबसे पहले मेरे घर का,
अंडे जैसा था आकार।
तब मैं यही समझती थी बस,
इतना-सा ही है संसार॥

फिर मेरा घर बना घोंसला,
सूखे तिनकों से तैयार।
तब मैं यही समझती थी बस,
इतना-सा ही है संसार॥

फिर मैं निकल गई शाखों पर,
जो थीं, हरी-भरी सुकुमार।

तब मैं यही समझती थी बस,
इतना-सा ही है संसार॥

आखिर जब मैं आसमान में,
उड़ी दूर तक पंख पसार।
तभी समझ में मेरी आया,
बहुत बड़ा है यह संसार॥

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਘਰ	=	घर	ਅੰਡੇ	=	अंडे
ਸੰਸਾਰ	=	संसार			

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਸ਼ਕਲ	=	आकार	ਕੋਮਲ, ਨਾਜ਼ੁਕ	=	सुकुमार
ਟਹਿਣਿਆਂ	=	शाखाएं	ਆਲ੍ਹਣਾ	=	घोंसला
ਤੀਲੇ	=	तिनके	ਖੰਭ	=	पंख
ਦੁਨੀਆ	=	संसार	ਖਿੰਡੇਰ	=	पसार

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

(क) चिड़िया के घर का आकार सबसे पहले कैसा था?

(ख) चिड़िया का घोंसला किस चीज़ से बना था?

(ग) पेड़ की शाखाएँ कैसी थीं?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें:-

(क) खुले आसमान में उड़ते हुए चिड़िया को क्या समझ में आया?

(ख) प्रस्तुत कविता में कवि ने अंडा, घोंसला, शाखा और आसमान द्वारा चिड़िया के ज्ञान की निरन्तर प्रगति दिखाई है। क्या आपको भी छठी कक्षा तक पहुँचते-पहुँचते कोई प्रगति अपने आप में दिखाई दे रही है? यदि हाँ, तो अपनी प्रगति अपनी भाषा में लिखें।

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करें :-

(क) फिर मेरा घर बना __________,

__________ से तैयार।

(ख) आखिर जब मैं आसमान में,

____________________,

तभी समझ में मेरी आया।

____

6. चिड़िया के घोंसले में से चुनकर पर्यायवाची शब्द लिखें :

घर = **गृह, आलय**

संसार = ________, ________

घोंसला = ________, ________

सुकुमार = ________, ________

शाखा = ________, ________

आसमान = ________, ________

7. विपरीत शब्दों का मिलान करें :-

सूखे	बाद में
सुकुमार	सूखी
पहले	छोटा
दूर	पास
हरी-भरी	गीले
बड़ा	कठोर

8. 'सुकुमार' शब्द में 'कुमार' शब्द' के आगे 'सु' शब्दांश लगा है। इसी प्रकार 'सु' लगाकर नये शब्द बनायें:-

सु + पुत्र = ________ सु + पुत्री = ________

सु + गंध = ________ सु + कोमल = ________

सु + कर्म = ________ सु + नयन = ________

9. कविता में 'मैं' सर्वनाम के चार रूप आये हैं। इसी प्रकार अन्य सर्वनाम के रूप लिखें:-

मैं	मेरा	मेरी	मेरे
हम	______	______	______
तू	______	______	______
तुम	______	______	______

10. सोचिए और लिखिए :

दिये गये संकेतों की सहायता से 'यदि मेरे पंख होते' विषय पर लिखें

* खुले आसमान में दूर-दूर तक उड़ता : ______________________
* शुद्ध वायु में साँस लेता : ______________________
* बिना किसी वाहन के दूर-दूर तक घूमता : ______________________
* प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारता : ______________________
* बागों में जाकर मीठे फल खाता : ______________________
* दुर्घटना का डर न रहता : ______________________
* बहुत मज़ा आता : ______________________

जानिये

विद्यार्थियो ! हमारी तरह पक्षी भी अपना घर बनाते हैं जिसे हम घोंसला कहते हैं। इन्हीं घोंसलों में पक्षी अंडे देते हैं। अंडों से निकले चूज़े यहीं पलकर बड़े होते हैं।

1. विभिन्न पौधों की पत्तियों, घास या छोटे-छोटे कंकरों से साधारण घोंसला बनाया जाता है। अधिकतर पक्षी इसी तरह का घोंसला बनाते हैं।

2. कुछ घोंसले कप के आकार के होते हैं। इसे बनाने में पक्षियों को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इनमें अंडे और नन्हे पक्षी अधिक सुरक्षित रहते हैं। वुडस्टार आदि इसी तरह के घोंसलों में रहना पसंद करते हैं।

3. पक्षी पेड़ों की शाखाओं में छेद करके भी घोंसला बनाते हैं। जैसे कठफोड़ा आदि। इन घोंसलों को कोटर कहते हैं।

4. कुछ पक्षी घोंसला बनाने में कीचड़ का भी इस्तेमाल करते हैं। घास को कीचड़ के साथ सुखाने पर एक तरह से मज़बूत ईंट-सी बन जाती है।

5. कुछ पक्षी ऐसे भी होते हैं जो घोंसला नहीं बनाते। जैसे उल्लू (शार्ट एयर्ड आऊल्स)

पाठ 11

दूध का दूध, पानी का पानी

एक राजा था। वह अपने न्याय के लिए बहुत प्रसिद्ध था। एक दिन पड़ोस के एक राजा ने उसकी परीक्षा लेनी चाही। यह सोचकर उसने अपना भेष बदला और घोड़े पर बैठकर शहर को चला। वह सड़क पर जा रहा था। रास्ते में उसे एक ठग मिला जिसने घुड़सवार राजा से विनती की कि वह उसे घोड़े पर बिठाकर बाज़ार तक ले चले। राजा ने उसकी विनती मान ली तथा उसे घोड़े पर बिठा लिया। रास्ते में जब राजा पानी पीने के लिए घोड़े से उतरा तो वह ठग घोड़ा लेकर भागने लगा। राजा ने शोर मचा दिया। लोगों ने घोड़े को रोक लिया। ठग ने झगड़ा कर दिया। वह कहता था कि घोड़ा मेरा है। राजा कहता था कि घोड़ा मेरा है।

दोनों को न्याय के लिए राज-दरबार में ले जाया गया। जहाँ दो मुकद्दमे और चल रहे थे, जिन्हें राजा सुन रहा था। एक तो लेखक तथा किसान के बीच नौकर के बारे में था। नौकर गूँगा तथा बहरा था। किसान कहता था कि नौकर मेरा है, परन्तु लेखक कहता था कि नौकर मेरा है। राजा ने नौकर अपने पास रख लिया और उन्हें अगले दिन आने को कहा।

दूसरा झगड़ा था एक तेल वाले तथा एक कसाई के बीच। तेली कहता था कि पैसे मेरे हैं। राजा ने पैसे अपने पास रख लिए और दोनों से कहा कि अगले दिन आना।

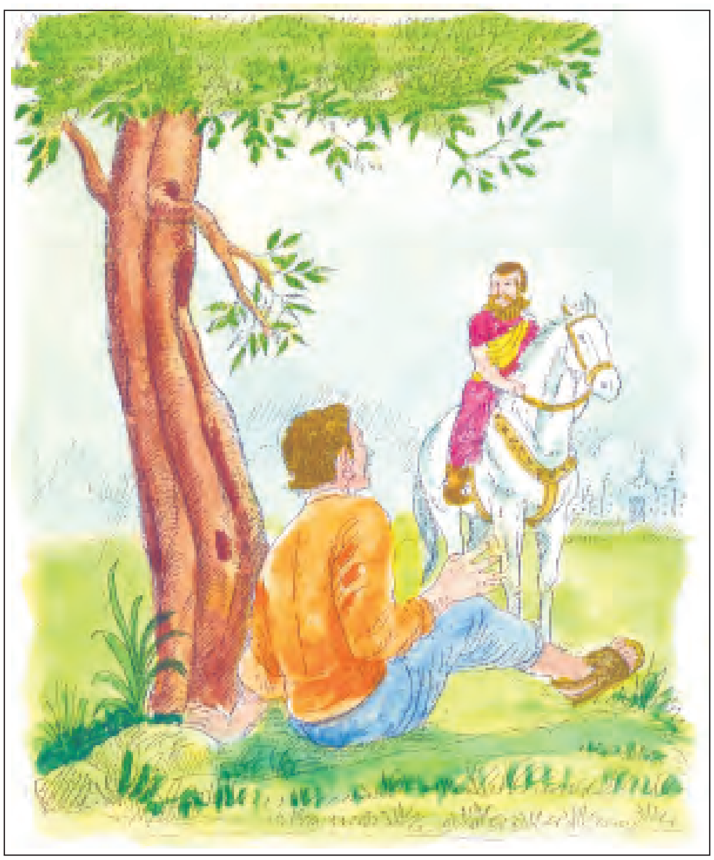

अब ठग और घुड़सवार राजा की बारी थी। उनका झगड़ा सुनकर राजा ने उनसे भी यही कहा कि घोड़ा यहाँ छोड़ जाओ और अगले दिन आना।

अगले दिन जब दरबार लगा तो राजा ने पहले मुकद्दमे का फैसला सुनाया और अपने सिपाही से कहा कि यह नौकर लेखक का है, उसे सौंप दो। किसान को पचास चाबुक लगाने का दंड दिया गया।

दूसरे मुकद्दमे में राजा ने आज्ञा दी कि ये पैसे कसाई को दे दो और तेली को चाबुक लगाओ।

अब बारी थी घुड़सवार राजा तथा ठग के फैसले की। राजा ने घोड़े को पहले ही अस्तबल में बाँध दिया था। उसने पहले घुड़सवार राजा को बुलाया और उसे अस्तबल में ले जाकर कहा कि अपने घोड़े को पहचानो। राजा ने तुरन्त अपना घोड़ा पहचान लिया तथा उसकी पीठ पर हाथ फेरा। घोड़े ने भी अपने मालिक को पहचाना तथा वह हिनहिनाया।

फिर राजा ठग को भी अस्तबल में लाया और कहा कि अपना घोड़ा पहचानो। ठग ने घोड़ा तो पहचान लिया, परन्तु घोड़े ने ठग को नहीं पहचाना। राजा ने अपना फैसला ठग के विरुद्ध सुनाया और उसे दंड दिया। पड़ोसी राजा अपना घोड़ा पाकर प्रसन्न हो गया। अब उसने अपना नकली भेष उतार दिया। वह राजा की बुद्धिमानी पर बहुत खुश हुआ। राजा ने पड़ोसी राजा का आदर-सत्कार किया।

जब दरबार समाप्त हुआ तो पड़ोसी राजा ने पूछा, आपने किस प्रकार फैसले सुनाये? तब राजा ने कहा कि नौकर से मैंने पहले किसान के काम करवाये जिन्हें वह न कर सका, फिर मैंने लेखक के काम करवाये, जैसे स्याही की दवात माँगी तो उसने बड़ी फुर्ती के साथ स्याही की दवात लाकर दी। इससे मैंने अपना फैसला सुनाया। तेली और कसाई के झगड़े को निपटाने के लिए मैंने पैसों को पानी से भरी बाल्टी में डाला तो देखा कि तेल के कण पानी पर नहीं तैर रहे। अतः पैसे तेल वाले की मुट्ठी के नहीं हैं।

पड़ोसी राजा ये बातें सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ। उसने भी बुद्धि से न्याय करने का संकल्प कर लिया।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਕਣ	=	कण	ਮੁੱਠੀ	=	मुट्ठी
ਸ਼ਹਿਰ	=	शहर	ਪਿੱਠ	=	पीठ
ਬੇਨਤੀ	=	विनती	ਅਸਤਬਲ	=	अस्तबल
ਸੜਕ	=	सड़क	ਬਜ਼ਾਰ	=	बाज़ार
ਘੋੜਾ	=	घोड़ा	ਮੁਕੱਦਮੇ	=	मुकद्दमे

2. **नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-**

ਖੁਸ਼	=	प्रसन्न	ਖ਼ਤਮ	=	समाप्त
ਪ੍ਰੀਖਿਆ	=	परीक्षा	ਇਰਾਦਾ	=	संकल्प
ਇਨਸਾਫ਼, ਨਿਆਂ	=	न्याय	ਸਜ਼ਾ	=	दंड
ਨਕਲੀ ਰੂਪ, ਭੇਖ	=	भेष	ਰੌਲਾ	=	शोर

3. **नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-**

(क) राजा की परीक्षा किसने लेनी चाही?

(ख) राजा को रास्ते में कौन मिला?

(ग) घोड़े का असली मालिक कौन था?

(घ) किसान को कितने चाबुक लगाने का दंड दिया गया?

(ङ) इस कहानी में कौन-सा पात्र गूँगा और बहरा था?

(च) 'सच्चा न्याय' के लिए हिन्दी में किस मुहावरे का प्रयोग होता है?

(छ) पड़ोसी राजा ने अंत में क्या संकल्प किया?

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दें :-**

(क) ठग ने घोड़े को पहचान लिया परन्तु घोड़े ने ठग को नहीं पहचाना- इन पंक्तियों का क्या भाव है?

(ख) राजा ने पड़ोसी राजा और ठग के मुकद्दमे का फैसला कैसे किया?

5. **अपने पाठ से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे करें :-**

(क) __________ न्याय के लिए राज-दरबार में लाया गया।

(ख) कसाई कहता था कि __________।

(ग) राजा ने अपना फैसला __________।

(घ) __________ये बातें सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ।

6. **सही समानार्थी शब्दों पर गोला लगायें :-**

राजा : आदमी, **नरेश,** **नृप,** प्रजा

ठग : राहज़न, जासूस, रखवाला, बटमार

घोड़ा : अश्व, खच्चर, तुरंग, गज

किसान : कृषक, काश्तकार, बागवान, खेती बाड़ी

झगड़ा : कलह, ईर्ष्या, क्लेश, मुकाबला

दूध : पय, दुग्ध, छाछ, दही

पानी : जल, बुलबुला, नीर, गीला

संकल्प : इरादा, शंका, झिझक, प्रतिज्ञा

दवात : स्याहीदान, मसिपात्र, बोतल, कलम

दंड : सज़ा, सबक, सज़ाए मौत, फाँसी

निम्नलिखित शब्दों के वाक्य बनाओ।

शब्द	अर्थ	वाक्य
विनती	प्रार्थना	____________________________
मुकद्दमा	दावा, अदालत में पेश किया गया मामला	____________________________
चाबुक	चमड़े आदि का कोड़ा	____________________________
अस्तबल	घुड़शाला, तबेला	____________________________

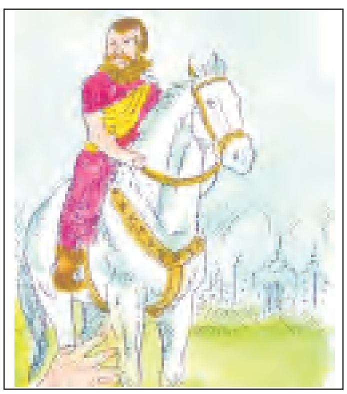

घोड़े पर सवार (अनेक शब्द)
(घुड़सवार) एक शब्द

खेतीबाड़ी करने वाला (अनेक शब्द)
(किसान) एक शब्द

ऊपर दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग किया गया है। अपनी बात को कम शब्दों में कहना जहाँ प्रभावशाली होता है वहीं यह एक बढ़िया कला है।

अतः भाषा को सरल व प्रभावशाली बनाने के लिए ही अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है।

नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें :

उचित-अनुचित का विवेक : न्याय

जो बोल न सकता हो : ________________

जो सुन न सकता हो	:	_______________
पड़ोस में रहने वाला	:	_______________
खेतीबाड़ी करने वाला	:	_______________
घरेलू काम काज करने वाला	:	_______________
घोड़े पर सवार	:	_______________
जहाँ घोड़े बाँधे जाते हैं	:	_______________
ठगी करने वाला	:	_______________
तेल का व्यापार करने वाला	:	_______________

प्रयोगात्मक व्याकरण

(i) राजा घोड़े पर बैठकर उसी शहर को **चला**।

(ii) राजा ने नौकर अपने पास **रख लिया**।

(iii) दोनों को राज दरबार में **ले जाया गया।**

(iv) राजा **सुन रहा था**।

उपरोक्त वाक्यों में '**चला**', '**रख लिया**', '**ले जाया गया**' तथा '**सुन रहा था**' से किसी काम का करना या होना प्रकट होता है। ये शब्द **क्रिया हैं**।

अतः जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं।

अन्य उदाहरण :- पढ़ना, खेलना, सोना, हँसना, लिखना, दौड़ना, पीना, सीना, उठना, बैठना, करना, पकड़ना, छोड़ना, तोड़ना, नाचना, मारना आदि।

निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द को रेखांकित करें:

1. राजा ने उसे घोड़े पर बिठा लिया।
2. राजा ने उसकी विनती मान ली।
3. राजा ने शोर मचा दिया।
4. ठग ने झगड़ा कर दिया।
5. राजा ने घोड़े को पहले ही अस्तबल में बाँध दिया था।
6. घोड़ा हिनहिनाया।
7. उसने स्याही की दवात लाकर दी।

(क) सिपाही ने दरबार में चाबुक से किसान को मारा।

इस वाक्य में **'मारा'** क्रिया है।

किसने मारा ? सिपाही ने

कहाँ मारा ? दरबार में

किससे मारा ? चाबुक से

किसको मारा ? किसान को

अत: स्पष्ट है कि वाक्य में **'सिपाही ने'**, **'दरबार में'**, **चाबुक से** तथा **'किसान को'** शब्द-रूपों का सम्बन्ध **'मारा'** क्रिया से सूचित हो रहा है।

(ख) (i) यह लेखक का नौकर है।

(ii) यह मेरा नौकर है।

यहाँ पहले वाक्य में **'लेखक' (संज्ञा) का सम्बन्ध नौकर (संज्ञा) से है** तथा दूसरे वाक्य में **'मेरा (सर्वनाम) का सम्बन्ध नौकर (संज्ञा) से है।**

अत: संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों के जिस रूप से उनका सम्बन्ध क्रिया तथा दूसरे शब्दों से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं।

कारकीय सम्बन्ध को प्रकट करने वाले चिह्नों (ने, में, से, को, का आदि) को **कारक चिह्न** कहा जाता है।

1. (i) **ठग ने** झगड़ा किया। (ii) **राजा** सुन रहा था।

पहले वाक्य में झगड़ने की क्रिया करने वाला ठग है, अत: ठग **कर्त्ता** है।

दूसरे वाक्य में सुनने की क्रिया राजा द्वारा हो रही है, अत: राजा **कर्त्ता** है।

यहाँ पहले वाक्य में **'ठग ने'** और दूसरे वाक्य में **'राजा' कर्त्ता कारक** हैं।

विशेष :- दूसरे वाक्य में कर्त्ता (राजा) कारक चिह्न रहित है।

अत: संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के करने वाले का पता चलता है,उसे कर्त्ता कारक कहते हैं।

2. लोगों ने **घोड़े को** रोक लिया।

इस वाक्य में क्रिया 'रोकना' तथा कर्त्ता 'लोग' हैं। **क्रिया का फल घोड़े पर** पड़ रहा है। अत: **घोड़े को** में कर्म कारक है

अत: संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया का फल पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं।

3. राजा ने **कलम से** लिखा।

यहाँ कर्त्ता ने (राजा) लिखने की क्रिया 'कलम से' की है, अत: '**कलम से**' में **करण कारक** है।

अतः संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के साधन का बोध हो, उसे करण कारक कहते हैं।

4. (i) उसने **राजा को** दवात दी।

(ii) नौकर **राजा के लिए** दवात लाया।

इन वाक्यों में '**राजा को**' तथा '**राजा के लिए**' सम्प्रदान कारक हैं क्योंकि 'देने' और 'लाने' क्रियाओं का कार्य इनके लिए हुआ है।

अतः जिसे कुछ दिया जाये या जिसके लिए कुछ किया जाये, ऐसा बोध कराने वाले संज्ञा या सर्वनाम के रूपों को सम्प्रदान कारक कहते हैं।

पाठ 12

रेणुका झील

चंडीगढ़

दिनांक : ....

प्रिय मित्र उल्लास,

नमस्ते।

मैं पिछले सप्ताह अपने माता-पिता व भाई आकाश के साथ हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले में रेणुका जी घूमने गया। रास्ते में हम त्रिलोकपुर, नाहन और पाँवटा साहब भी गए। हम चंडीगढ़-अम्बाला सड़क से होते हुए काला अम्ब पहुँचे। वहाँ से 6 किलोमीटर की दूरी पर त्रिलोकपुर ग्राम में दिव्यशक्ति धाम महामाया श्री बाला सुन्दरी जी के मन्दिर गए। माता बाला सुन्दरी जी को वैष्णो माता के बाल रूप में पूजा जाता है। इस मन्दिर का निर्माण सोलहवीं शताब्दी में सिरमौर रियासत के तत्कालीन राजा प्रदीप प्रकाश ने करवाया था।

फिर हमने यहाँ से 56 किलोमीटर दूर रेणुका जी की ओर प्रस्थान किया। मार्ग में नाहन शहर आया तो पिता जी ने गाड़ी पार्किंग में लगा दी। हमने यहीं खाना खाया और कुछ समय के लिए शहर घूमने निकल पड़े। नाहन शिवालिक पहाड़ियों में सन् 1921 में बसाया शहर है। यह समुद्र सतह से 933 मीटर ऊँचाई पर है। नाहन को तालाबों का शहर कहा जा सकता है। यहाँ के रानी ताल में सुबह की सैर हो सकती है और शाम को बोटिंग भी। सर्वधर्म सद्भाव के नगर नाहन में मन्दिर, मस्ज़िद, गुरुद्वारा व चर्च मौजूद है। अभी हम चहलकदमी कर ही रहे थे कि वर्षा आरम्भ हो गई। हम गाड़ी में आ बैठे और रेणुका की ओर चल पड़े। वर्षा होते हुए बाहर के दृश्य अद्भुत लग रहे थे। धीरे-धीरे वर्षा भी रुक गई। बादल पहाड़ियों की तलहटी से निकल कर मीलों तक फैल गए थे। पहाड़ी गाँव, सीढ़ी नुमा खेत-खलिहान, जंगली फूलों से लदे पेड़-पौधे, छायादार पगडंडियाँ, मंद-मंद हवा तथा तरह तरह के वृक्ष जैसे विविध रूपों से हमारा स्वागत कर रहे थे। पूरा रास्ता हरा-भरा घुमावदार था। मार्ग में कहीं पुल आता तो कहीं झरना तो कहीं टेढ़ी-मेढ़ी बहती पहाड़ी नदी। फिर एक लम्बा-सा पुल पारकर हम प्रकृत रमणीय रेणुका झील के पहलू में पहुँचे। सबसे पहले हमने वहीं स्थित हिमाचल पर्यटन निगम के होटल में दो कमरे बुक करवाये। कमरों में सामान रख कर कुछ देर आराम किया फिर वहाँ के रेस्तरां में चाय पी। सामने ही दिखाई दे रही सुरम्य रेणुका झील हमें अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। हम तत्काल रेणुका झील की ओर घूमने चल पड़े। 3241 मीटर की रेणुका झील हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है। यह समुद्र तल से 672 मीटर ऊँचाई पर स्थित है। रेणुका-यह विष्णु के अवतार तथा 21 बार पृथ्वी को क्षत्रियों से रहित करने वाले परशुराम जी की माता का नाम है। दंतकथा है कि परशुराम की माता रेणुका ने अपने पति ऋषि यमदग्नि के शाप के कारण एक झील का रूप धारण कर लिया था। रेणुका झील से कुछ आगे एक छोटा-सा ताल है जिसे परशुराम ताल कहते हैं। यहाँ माता रेणुका व परशुराम जी के मन्दिर विशेष हैं। यहाँ झील व ताल

में मछली पकड़ना वर्जित है और माँसाहार करना भी। बच्चों के लिए यहाँ मिनी चिड़िया घर है और दूसरा खास आकर्षण बब्बर शेर है। रेणुका जी की लायन सफारी कई एकड़ में फैली हुई है। यहाँ अनेक बन्दर वृक्षों पर कूदते नज़र आते हैं।

इस दुर्गम पहाड़ी स्थान में हर वर्ष नवम्बर महीने में रेणुका का मेला रेणुका झील के किनारे आयोजित होता है। इस मेले में विभिन्न मन्दिरों से शोभायमान मूर्तियाँ लाई जाती हैं। हज़ारों लोग उत्सव में भाग लेते हैं और झील में पुण्य स्नान करते हैं।

लगभग 3 किलोमीटर के क्षेत्र में फैली इस झील की हमने पैदल परिक्रमा की। यहाँ चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पहाड़ व पेड़ हैं जो सिर से पैर तक हरियाली से ढके हुए हैं और पर्यावरण को सुखद बनाते हैं। परिक्रमा करते हुए हमने मिनी चिड़ियाघर के कुछ जानवर देखे। कुछ अपने अपने घर में विश्राम कर रहे थे। मोर पंख फैलाए अपने सौंदर्य का परिचय दे रहा था। एकान्त झील का चक्कर लगाते हुए हम थक चुके थे पर मन आनंद की खोज में था। सूर्यास्त से पहले ही हमने मंदिरों में दर्शन किए और होटल में वापिस आ गए। अंधेरा फैलने पर चारों ओर रोशनियाँ जगमगा रही थीं। रात्रि भोजन करने के बाद रात होटल में बितायी।

प्रात: जल्दी ही जाग कर हम तैयार हो गए। सूर्योदय का दृश्य व पक्षियों का कलरव मन को अपूर्व शान्ति प्रदान कर रहा था पर अब हमें रेणुका को छोड़कर घर की ओर प्रस्थान करना था। यहाँ से पाँवटा साहब लगभग 35 किलोमीटर दूर था। यमुना नदी के तट पर बसे ऐतिहासिक व धार्मिक स्थल गुरुद्वारा पाँवटा साहब के दर्शन किए बिना चंडीगढ़ आना अधूरी यात्रा होती इसलिए पिता जी ने गाड़ी पाँवटा साहिब की ओर मोड़ ली। पाँवटा साहब में गुरु गोबिन्द सिंह जी कई वर्षों तक रहे। आज पाँवटा साहब एक तीर्थ स्थान के रूप में परिणत हो चुका है। हमने यहाँ माथा टेका व लंगर खाया तथा सुखद यात्रा की मधुर स्मृति लिए चंडीगढ़ की ओर प्रस्थान किया। सचमुच, यदि तुम भी साथ होते तो और भी आनंद आता।

तुम्हारा मित्र

क्षितिज

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਮੰਦਰ	=	मंदिर	ਮੱਛੀ	=	मछली
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ	=	चंडीगढ़	ਤੀਰਥ-ਸਥਾਨ	=	तीर्थ-स्थान
ਝੀਲ	=	झील	ਝਰਨਾ	=	झरना
ਪੁਲ	=	पुल	ਪਹਾੜੀ	=	पहाड़ी

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਕੁਦਰਤੀ	=	प्राकृतिक	ਧਰਤੀ	=	पृथ्वी
ਪਿੰਡ	=	ग्राम	ਰੁੱਖ, ਪੇੜ	=	वृक्ष
ਸੁਆਗਤ	=	स्वागत	ਛਾਂ ਦੇਣ ਵਾਲੇ	=	छायादार
ਅਲੌਕਿਕ ਸ਼ਕਤੀ	=	दिव्य शक्ति	ਸੂਰਜ ਦਾ ਛਿਪਣਾ	=	सूर्यास्त
ਅਤੀ ਸੁੰਦਰ	=	सुरम्य	ਸਥਾਨ	=	धाम
ਮਨਾਹੀ	=	वर्जित	ਲੋਕ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਕਹਾਣੀ	=	दंत कथा
ਤਬਦੀਲ	=	परिणत	ਫੇਰੀ ਲਗਾਉਣਾ	=	परिक्रमा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें :-

(क) क्षितिज अपने माता-पिता व भाई के साथ कहाँ घूमने गया ?

(ख) श्री बाला सुन्दरी जी का मन्दिर कहाँ पर है?

(ग) तालाबों का शहर किसे कहा जाता है?

(घ) रेणुका जी किस की माता थीं?

(ङ) रेणुका का मेला कहाँ आयोजित किया जाता है?

(च) पाँवटा साहब गुरुद्वारे का संबंध किस गुरु से है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-

(क) नाहन शहर की विशेषताएँ लिखें।

(ख) रेणुका जी से संबंधित दंत कथा लिखें।

(ग) रेणुका झील की विशेषताएँ लिखें।

(घ) पाँवटा साहिब गुरुद्वारे की जानकारी एकत्रित कर लिखें।

5. उपयुक्त शब्द भरकर वाक्य पूरे करें :-

(क) नाहन को __________ का शहर कहा जा सकता है।

(ख) पूरा रास्ता __________ घुमावदार था।

(ग) __________ झील हिमाचल प्रदेश की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है।

(घ) __________ में गुरु गोबिन्द सिंह जी कई वर्षों तक रहे।

(ङ) बच्चों के लिए यहाँ मिनी __________ है।

6. पर्यायवाची शब्द लिखें :-

माता = **माँ, जननी**

वर्षा = _______,_______

रात = _______,_______

हवा = _______,_______

पेड़ = _______,_______

फूल = _______,_______

समुद्र = _______,_______

बादल = _______,_______

7. विपरीत शब्दों का मिलान करें :-

भीतर	अन्त
आरम्भ	पूरी
शान्ति	वरदान
अधूरी	युद्ध
शाप	**बाहर**

8. रेखांकित शब्दों के लिंग बदल कर वाक्य दोबारा लिखें :-

इस मन्दिर का निर्माण राजा ने करवाया।

____

बंदर वृक्ष पर कूद रहा था।

____

क्षितिज अपनी माता के साथ घूमने गया।

____

शेर चिड़ियाघर में विश्राम कर रहा था।

____

9. लिखिये :-

यदि आप किसी अन्य पर्वतीय/ऐतिहासिक स्थान पर घूमकर आये हैं, तो अपने अनुभव अपने मित्र को पत्र में लिखें।

10. पाठ में से पाँच-पाँच व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञाएँ छाँटकर लिखें:-

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
________	________	________
________	________	________
________	________	________
________	________	________
________	________	________

प्रयोगात्मक व्याकरण

झरनों से पानी गिर रहा था।

इस वाक्य में '**झरनों से**' पानी के अलग होने का बोध हो रहा है इसलिए यहाँ अपादान कारक है। **अत: संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से अलग होना पाया जाये, वह अपादान कारक कहलाता है।**

2. (i) रेणुका का मेला रेणुका झील के किनारे आयोजित होता है।

(ii) रेणुका **परशुराम की** माता का नाम है।

यहाँ पहले वाक्य में '**रेणुका का**' मेले से , '**झील का**' किनारे से तथा दूसरे वाक्य में '**परशुराम का**' माता से सम्बन्ध प्रकट हो रहा है। अत: यहाँ सम्बन्ध कारक है।

अत: संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध किसी दूसरे शब्द के साथ प्रकट हो, उसे सम्बन्ध कारक कहते हैं।

विशेष :- क्रिया के साथ सम्बन्ध न कराने के कारण कुछ विद्वान सम्बन्ध कारक को कारक नहीं मानते हैं।

3. (i) हमने **कमरों में** सामान रख दिया।

(ii) बन्दर **वृक्षों पर** कूदते नज़र आ रहे थे।

इन वाक्यों में '**कमरों में**', '**वृक्षों पर**' पद उन स्थानों को सूचित कर रहे हैं, जहाँ क्रिया के आधार का बोध होता है। अत: यहाँ अधिकरण कारक है।

अतएव संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

4. हे ईश्वर! मेरी रक्षा करो।

अरे बच्चो! तुम क्या कर रहे हो?

यहाँ '**हे ईश्वर**' में ईश्वर को पुकारा जा रहा है तथा '**अरे बच्चो**' में बच्चों को सम्बोधित किया जा रहा है, अत: यहाँ सम्बोधन कारक है।

अत: शब्द के जिस रूप से किसी को पुकारने अथवा सम्बोधन करने का ज्ञान हो, वहाँ सम्बोधन कारक होता है।

सम्बोधन कारक का प्रयोग कारक चिह्न के बिना भी होता है। जैसे–भाई ! ज़रा इधर आओ।

विशेष :- सम्बोधन कारक का सम्बन्ध वाक्य में क्रिया अथवा किसी दूसरे शब्द से नहीं होता, अतएव कुछ विद्वान इसे कारक नहीं मानते।

रेखांकित शब्दों के स्थान पर उचित सर्वनाम शब्द का प्रयोग करके वाक्य दोबारा लिखिए :-

1. क्षितिज पिछले सप्ताह **क्षितिज के** माता-पिता के साथ रेणुका जी घूमने गया।
2. क्षितिज की माँ ने **क्षितिज को** बुलाया।
3. सामने ही दिखाई दे रही सुरम्य रेणुका झील हमें **रेणुका झील की** ओर आकर्षित कर रही थी।
4. क्षितिज ने उल्लास से कहा कि यदि **उल्लास** भी साथ होते तो और भी आनन्द आता।

पाठ 13

काश! मैं भी

काश! मैं भी सीमा पर जाकर,
दुश्मन से लड़ पाती।
काश! मैं भी यूँ लड़ते-लड़ते,
अमर शहीद हो जाती।
काश! मैं भी तोपों बंदूकों,
के हथियार सजाती।
काश! मैं भी अमर होकर,
नया इतिहास रचाती।
काश ! चाँदनी की उन रातों,
को अंधियारी कर पाती।
काश! तोप के मुँह से निकला,
मैं गोला बन जाती।
काश! कारगिल की घाटी का,
इक पत्थर बन जाती।
अमर शहीदों को सलाम कर,
जीवन सफल बनाती।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਸ਼ਹੀਦ	=	शहीद	ਤੋਪਾਂ	=	तोपें
ਬੰਦੂਕਾਂ	=	बंदूकें	ਹਥਿਆਰ	=	हथियार
ਇਤਿਹਾਸ	=	इतिहास	ਗੋਲਾ	=	गोला
ਪੱਥਰ	=	पत्थर	ਘਾਟੀ	=	घाटी

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ज਼िੰਦਗੀ = जीवन

ਬਾਰਡਰ, ਹੱਦ, ਜਿੱਥੇ ਇੱਕ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਹੱਦ ਖ਼ਤਮ ਹੁੰਦੀ ਹੋਵੇ = सीमा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

(क) कवयित्री सीमा पर जाकर किससे युद्ध करना चाहती है?

(ख) वह कैसे शहीद होना चाहती है?

(ग) वह अपने हाथों में कैसे हथियार सजाना चाहती है?

(घ) वह किस घाटी का पत्थर बनना चाहती है?

(ङ) वह अपनी जीवन कैसे सफल बनाना चाहती है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-

(क) 'चाँदनी की उन रातों को अंधियारी कर पाती' में कवयित्री क्या कहना चाहती है?

(ख) वह कारगिल की घाटी का ही पत्थर क्यों बनना चाहती है?

(ग) वह अपने जीवन की सफलता किसमें मानती है?

5. वाक्यों में प्रयोग करें :-

दुश्मन शहीद सीमा चाँदनी इतिहास

6. बहुवचन रूप लिखें :-

दुश्मन	=	दुश्मनों	हथियार	=	_______
तोप	=	_______	पत्थर	=	_______
बन्दूक	=	_______	शहीद	=	_______

7. पढ़ो और जानो :-

शहीद	=	शहादत	अंधियारा	=	अंधियारी
अमर	=	अमरत्व	पत्थर	=	पथरीला
इतिहास	=	ऐतिहासिक	जीवन	=	जीवित

8. काश ! मैं भी सीमा पर जाकर ,
दुश्मन से लड़ पाती ।

बॉक्स में दिये चिह्नों को ध्यान से देखो।

(!) विस्मयादि बोधक चिह्न है। इसे सम्बोधन चिह्न भी कहते हैं। इसे किसी को बुलाने वाले शब्द के बाद लगाया जाता है।

(।) यह पूर्ण विराम चिह्न है। इसे वाक्य के अन्त में लगाया जाता है।

(,) यह अल्प विराम चिह्न है। 'अल्प' का अर्थ है- थोड़ा। जहाँ थोड़े समय के लिए रुकना हो, वहाँ इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

9. नये शब्द बनाओ :-

दुश्मन = श्म = _________, _________

पत्थर = त्थ = _________, _________

जानो

- 1947-48 में भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ। जिसमें भारत दो भागों में बंट गया : भारत और पाकिस्तान।
- 1962 में भारत-चीन युद्ध हुआ।
- 1965 में फिर भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्ध हुआ। उस समय भारत के प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी थे।
- 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ।
- 1999 में पाकिस्तान के साथ कारगिल क्षेत्र में युद्ध हुआ। यह युद्ध 27 मई 1999 से 26 जुलाई 1999 तक चला। पाकिस्तान ने कश्मीर पर कब्जा करने के लिए यह षड्यन्त्र रचा लेकिन भारतीय सेना ने उस अत्यन्त कठिन व दुर्गम क्षेत्र में अदम्य वीरता से पाकिस्तानी मंसूबों को चकनाचूर कर दिया। यह 'आप्रेशन विजय' के नाम से जाना जाता है। कारगिल के शहीदों की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 जुलाई को 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

पाठ 14

कुमारी कालीबाई

राजस्थान में एक ज़िला है डूंगरपुर। इस ज़िले में एक गाँव है रास्तापाल। रास्तापाल गाँव में एक स्मारक बना है। यह स्मारक एक आदिवासी बालिका की बहादुरी और बलिदान की निशानी है। 13 साल की लड़की आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़ी और अपने प्राणों की बलि दे दी। आप सोच सकते हैं कि 13 साल की बालिका में यह राजनीतिक जागरूकता कहाँ से आई होगी? उसके हृदय में देश-प्रेम की आग कैसे लगी होगी? फिर ऐसी बालिका जो कच्ची उमर की हो, आदिवासी जाति की हो, कैसे क्राँतिकारी बन बैठी? आश्चर्य की बात तो है ही, पर बात सच है। उसके जीवन की एक अनोखी कहानी है।

बालिका का नाम था कुमारी कालीबाई। कुमारी कालीबाई के माँ-बाप कौन थे, इस बात का तो पता नहीं चल सका, पर इतना ज़रूर पता चला कि कुमारी कालीबाई रास्तापाल गाँव की आदिवासी लड़की थी। रास्तापाल गाँव तथा आसपास का इलाका आदिवासियों का इलाका है।

घटना 1947 की है। बस, आजादी मिलने ही वाली थी, तभी रास्तापाल गाँव में यह घटना घटी। गाँव में एक स्कूल था। इस स्कूल में एक शिक्षक थे, जिनका नाम था नानाभाई खाँट। इस स्कूल को भोगीलाल पंडया नामक एक व्यक्ति चलाते थे। पंडया जी गुप्त रूप से अंग्रेज़ सरकार के खिलाफ कुछ काम किया करते थे। स्कूल क्राँतिकारी गतिविधियों का अड्डा था। स्कूल के दो अध्यापक नानाभाई खाँट और सेंगाभाई क्राँतिकारी गतिविधियाँ चलाते थे। वे क्राँतिकारियों की सभाएँ करते, पर्चे बँटवाते, सूचनाएँ भिजवाते। ये सारे काम गुप्त रूप से किए जा रहे थे। पर कोई बात कब तक गुप्त रहती, एक न एक दिन भेद खुलना ही था। अंग्रेज़ों को इन सारी बातों का पता चल गया।

अंग्रेज़ सरकार ने डूंगरपुर के महारावत लक्ष्मणसिंह को सूचित किया कि वह रास्तापाल गाँव का स्कूल बंद करवा दें। वे लक्ष्मणसिंह के कुछ लोग, कुछ सिपाही तथा सेना के जवान लेकर गाँव पहुँचे। उनके साथ डूंगरपुर के ज़िलाधीश भी थे। सिपाहियों ने नानाभाई खाँट और सेंगाभाई से स्कूल बंद कर देने को कहा। उन्होंने जवाब दिया- ''हम लोग कौन होते हैं स्कूल बंद करने वाले। स्कूल तो पंडया जी चलाते हैं। वे जानें।''

ज़िलाधीश ने भी स्कूल बंद कर देने को कहा। पर उन लोगों ने उनकी भी बात नहीं मानी। इस पर चिढ़कर ज़िलाधीश ने पुलिस को आदेश दे दिया कि वे दोनों अध्यापकों को मारपीटकर ठीक कर दें। बस, लगी पुलिस डंडा बरसाने। नानाभाई खाँट को तो मारते मारते वहीं

ढेर कर दिया और सेंगाभाई को जीप के पीछे रस्सियों से बाँध दिया। सेंगाभाई की यह हालत देखकर कालीबाई दौड़कर जीप के सामने आ गई और बोली- ''छोड़ दो मास्टर साहब को। इन्होंने क्या ग़लती की है?''

एक सिपाही बोला, ''भाग जा सामने से, नहीं तो गोली मार दूँगा।''

उस निडर लड़की ने कहा, ''मार, देखती हूँ कैसे मारेगा।'' बस, इतना कहकर वह दौड़कर जीप के पीछे आ गई और एक कचिया से रस्सियाँ काट दीं। सेंगाभाई छूट गए और आनन-फानन में वहाँ से रफूचक्कर हो गए। रह गई वहाँ अकेली कालीबाई। यह देखकर सैनिकों ने कालीबाई पर गोलियों की बौछार कर दी। कालीबाई की जीवनलीला समाप्त हो गई।

कालीबाई के मरने की ख़बर सुनकर हज़ारों की संख्या में भील आदिवासी वहाँ इकट्ठा हो गए। उन्होंने अपना मारू बिगुल बजा दिया और घेर लिया उन अंग्रेज़ों को। भारी भीड़ देखकर वे जीप में सवार होकर भागे वहाँ से। आदिवासियों ने उनका पीछा किया। वे भागते रहे। आदिवासी तब तक उनका पीछा करते रहे जब तक उनकी जीप दूर जाकर ओझल नहीं हो गई।

देश की आज़ादी के लिए कालीबाई निछावर हो गई। एक जीवन की कहानी खत्म हो गई, लेकिन खत्म नहीं हुई, शुरू हुई। कालीबाई अगर साधारण ज़िंदगी जीतीं तो उनका नाम शायद कोई न जानता। लेकिन उन्होंने ऐसा काम कर दिखाया जिससे वह हमेशा के लिए अमर हो गईं। उसका जीवन इतिहास बन गया। ऐसा इतिहास, जिसको पढ़कर देश की हर एक युवती, युवक देशभक्ति की प्रेरणा लेता रहेगा।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਬਹਾਦੁਰੀ	=	बहादुरी	ਸਧਾਰਨ	=	साधारण
ਨਿਸ਼ਾਨੀ	=	निशानी	ਇਤਿਹਾਸ	=	इतिहास
ਅਜ਼ਾਦੀ	=	आज़ादी	ਪ੍ਰੇਰਣਾ	=	प्रेरणा
ਜਾਤੀ	=	जाति	ਉਮਰ	=	उमर
ਕ੍ਰਾਂਤੀਕਾਰੀ	=	क्राँतिकारी	ਇਲਾਕਾ	=	इलाका
ਵਿਅਕਤੀ	=	व्यक्ति	ਪੁਲੀਸ	=	पुलिस
ਸਮਾਰਕ	=	स्मारक			

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਕੁਰਬਾਨੀ =	बलिदान	ਵਾਛੜ =	बौछार
ਡਿਪਟੀ ਕਮਿਸ਼ਨਰ =	ज़िलाधीश	ਓਝਲ =	ओझल
ਤੁਰੰਤ =	आनन-फानन	ਵਾਰ ਦੇਣਾ =	निछावर
ਲੜਾਈ ਦਾ ਬਿਗਲ=	मारू बिगुल	ਵਿਰੁਧ =	खिलाफ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

(क) कुमारी कालीबाई का स्मारक राजस्थान के किस गाँव में बना है?

(ख) कुमारी कालीबाई जब देश के लिए शहीद हुई तो उसकी उमर कितनी थी?

(ग) रास्तापाल गाँव के कौन-से दो अध्यापक क्राँतिकारी गतिविधियाँ चलाते थे?

(घ) इस घटना में शहीद हुए अध्यापक का क्या नाम था?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दें :-

(क) भोगीलाल पंडया और स्कूल के दो अध्यापक अंग्रेज़ सरकार के खिलाफ़ क्या काम करते थे?

(ख) कुमारी कालीबाई ने अध्यापक सेंगाभाई को अंग्रेज़ों से कैसे बचाया?

(ग) कुमारी कालीबाई देश के लिए कैसे शहीद हुई।

5. नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ दिए गए हैं, उनके वाक्य बनाओ।

	मुहावरा	अर्थ	वाक्य
1.	**प्राणों की बलि देना**	जान देना	वीर सैनिक ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बलि दे दी।
2.	**आग लगना**	लगन पैदा होना	______________________________
3.	**ढेर करना**	मार गिराना	______________________________
4.	**रफूचक्कर होना**	गायब होना, खिसक जाना	______________________________
5.	**जीवन लीला समाप्त होना**	मर जाना	______________________________
6.	**निछावर होना**	किसी के लिए जान देना	______________________________
7.	**कहानी खत्म होना**	मृत्यु हो जाना	______________________________
8.	**एक न एक दिन**	कभी न कभी	______________________________

6. निम्नलिखित गद्यांश में संज्ञा शब्दों पर गोला लगायें तथा सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करें:-

कालीबाई के मरने की ख़बर सुनकर हज़ारों की संख्या में भील आदिवासी वहाँ इकट्ठा हो गये। उन्होंने अपना मारू बिगुल बजा दिया और घेर लिया उन अंग्रेज़ों को। भारी भीड़ देखकर वे जीप में सवार होकर भागे वहाँ से। आदिवासियों ने उनका पीछा किया। वे भागते रहे। आदिवासी तब तक उनका पीछा करते रहे जब तक उनकी जीप दूर ओझल नहीं हो गयी।

7. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखें :-

शिक्षक	**शिक्षिका**
बालिका	____________
लड़की	____________
कुमारी	____________
अध्यापक	____________
युवती	____________

8. दिए गए शब्द-जोड़ों के अर्थ दे दिये गये हैं। शब्द के अर्थ को समझते हुए वाक्य बनायें :

शब्द	**अर्थ**	**वाक्य**
पता	किसी काम, वस्तु, जगह का परिचायक :	____________________________
पत्ता	वृक्ष की टहनी से निकलने वाला वह हरा अंग जिससे छाया रहती है और जो सूखने पर झड़ जाता है।	____________________________
जाति	वंश, कुल, वर्ग	____________________________
जाती	__________	____________________________
पड़ी	__________	____________________________
पढ़ी	__________	____________________________
बस	__________	____________________________
बस	__________	____________________________

9. सोचिए और लिखिए

कालीबाई के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

प्रयोगात्मक व्याकरण

(i) राजस्थान में एक ज़िला है डूंगरपुर।

(ii) कालीबाई अगर साधारण ज़िंदगी जीतीं तो उनका नाम शायद कोई नहीं जानता।

(iii) यह प्रेरक कहानी है।

(iv) वह निडर थी।

उपर्युक्त वाक्यों में '**एक**' शब्द ज़िले (संज्ञा) की, '**साधारण**' शब्द ज़िंदगी (संज्ञा) की, '**प्रेरक**' शब्द कहानी (संज्ञा) की तथा '**निडर**' शब्द वह (सर्वनाम) की विशेषता बता रहे हैं इसलिए ये विशेषण शब्द हैं।

अत: जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

(i) कालीबाई बहादुर बालिका थी।

(ii) कच्ची उम्र की लड़की ने अपना बलिदान दे दिया।

(iii) राजस्थान में रास्तापाल छोटा गाँव है।

उपर्युक्त वाक्यों में '**बहादुर**' '**कच्ची**' तथा '**छोटा**' शब्द क्रमश: बालिका, उम्र तथा गाँव संज्ञा शब्दों की गुण सम्बन्धी विशेषता का बोध करा रहे हैं। अत: ये गुणवाचक विशेषण हैं।

अत: जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की गुण सम्बन्धी विशेषता का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

(i) स्कूल के दो अध्यापक क्राँतिकारी गतिविधियाँ चलाते थे।

(ii) तेरह साल की लड़की आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़ी।

(iii) कुछ लोग तथा कुछ सिपाही वहाँ पहुँचे।

उपर्युक्त वाक्यों में '**दो**' शब्द से अध्यापक की तथा '**तेरह**' शब्द से 'साल' की निश्चित संख्या का बोध हो रहा है अत: **निश्चित संख्यावाचक विशेषण** हैं और '**कुछ**' शब्द से लोग तथा सिपाही की अनिश्चित संख्या का बोध हो रहा है अत: '**कुछ**' शब्द **अनिश्चित संख्या वाचक विशेषण** हैं।

अतः जिन शब्दों से संज्ञा/सर्वनाम की निश्चित संख्या का बोध हो वे निश्चित संख्यावाचक तथा जिनसे निश्चित संख्या का बोध न हो, उन्हें अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते है।

निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर रेखांकित करें :-

(i) घटना 1947 की है।

(ii) 13 साल की लड़की आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़ी।

(iii) उन्होंने मारू बिगुल बजा दिया।

(iv) यह ऐतिहासिक कहानी बन गयी।

(v) बालिका में राजनीतिक जागरूकता कहाँ से आयी?

पाठ 15

गुरुपर्व

मेरी दिनचर्या में रोज़ सुबह और शाम गुरुद्वारे जाना शामिल है। मैं बचपन से ही अपने परिवार के साथ गुरुदर्शन के लिए गुरुद्वारे माथा टेकने जाता हूँ। मुझे इसमें अतीव आनन्द व शांति मिलती है। आज मैं जब गुरुद्वारे गया तो वहाँ पर गुरुद्वारा प्रबंधकों ने घोषणा की कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक मास की पूर्णिमा को सिक्ख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया जायेगा। उन्होंने इस पर्व में अधिक से अधिक संख्या में लोगों को शामिल होने के लिए कहा। मैं तो गुरुपर्व का नाम सुनते ही रोमाँचित हो गया। मुझे तो साल भर से इस गुरुपर्व का इंतज़ार रहता है।

मैंने घर आकर अपने मित्रों को भी बताया कि कुछ दिन बाद ही गुरुपर्व है। वे भी गुरुपर्व का नाम सुनते ही उत्साहित हो गये। हम सभी ने इस गुरुपर्व को इकट्ठे मिलकर मनाने का फैसला किया। अब ज्यों-ज्यों गुरुपर्व का दिन नज़दीक आता जाता त्यों-त्यों उसे मनाने का हमारा उत्साह बढ़ता जाता। गुरुद्वारे में सभी श्रद्धालुओं में भी इसे मनाने का बहुत उत्साह था। गुरुपर्व से कुछ दिन पहले ही गुरुद्वारा समिति द्वारा प्रभातफेरियों का आयोजन किया गया जिनमें श्रद्धालु ढोलक तथा चिमटे बजाते हुए सबद उच्चारण कर रहे थे। मैं भी रोज़ाना अपने परिवार तथा मित्रों के साथ इन प्रभात-फेरियों में शामिल हुआ।

गुरुपर्व के अवसर पर सजावट के काम को बहुत महत्व दिया जाता है। गुरुद्वारों में तो पहले ही साफ-सफ़ाई का बड़ा ध्यान रखा जाता है लेकिन गुरुपर्व के अवसर पर उन्हें और भी सुंदर व आकर्षक बनाने की तैयारियाँ ज़ोरों से हो रही थीं। कोई फूलों की लड़ियाँ बना रहा था। तो कोई फर्श, सीढ़ियाँ आदि चमका रहा था। बहुत से सेवादार गुरुद्वारे के आस-पास की सड़क की सफ़ाई कर रहे थे। इस खास दिन के लिए गुरुद्वारे को रंग बिरंगी रोशनियों से सजाया गया

था। रात को गुरुदवारे की शोभा देखते ही बनती थी। सचमुच, गुरुद्वारे की इतनी खूबसूरती तो हमेशा के लिए मेरी आँखों में समा गयी।

गुरुपर्व से दो दिन पहले नगर कीर्तन का भी आयोजन किया गया जिसमें अनेक लोग शामिल हुए। नगर कीर्तन की अगुवाई पाँच-प्यारों द्वारा की गयी। उन्होंने निशान साहिब को बड़े ही उत्साह व श्रद्धा से पकड़ रखा था। नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी को खूब सजाया गया था जिसके पीछे-पीछे कीर्तन मंडलियाँ सबद कीर्तन द्वारा लोगों को निहाल कर रही थीं तथा प्रसाद का वितरण किया जा रहा था। बैंड-बाजे वाले भी यहाँ विभिन्न ध्वनियों को बजाते हुए चल रहे थे। नगर कीर्तन में गतका खेलने वाले भी अपनी वीरता व कला से लोगों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। उनका उत्साह तो देखते ही बनता था। ये नगर कीर्तन की शोभा को और भी बढ़ा रहे थे। जहाँ-जहाँ से नगर कीर्तन गुज़र रहा था वहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर श्रद्धालुओं द्वारा आम जनता के लिए चाय-पानी, चने, कड़ाह आदि के लंगर लगाये गये। हमारे मुहल्ले के श्रद्धालुओं ने भी मिलकर बहुत सारा आटा, चाय पत्ती और और ढेर सारे घी का प्रबन्ध कर रखा था। एक श्रद्धालु ने गुप्त रूप से 100 किलो दूध व पचास किलो चीनी लंगर हेतु भिजवायी। इस तरह बड़े ही चाव व स्नेह से नगर कीर्तन में लोगों को चाय-पानी का लंगर व कड़ाह प्रसाद वितरित किया गया। लोग गली मुहल्लों, दुकानों, घरों से निकलकर नगर कीर्तन में बड़ी श्रद्धा से शामिल हो रहे थे। इस तरह नगर कीर्तन विभिन्न स्थानों से होता हुआ गुरुद्वारा साहिब में जाकर सम्पन्न हुआ।

गुरुपर्व से दो दिन पूर्व गुरुद्वारे में अखंडपाठ रखे गये और गुरुपर्व वाले दिन उनके भोग डाले गये। रागी जत्थों द्वारा सबद कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु चरणों से जोड़ा गया। इस अवसर पर गुरुद्वारे में सिक्खों के गौरवपूर्ण इतिहास, गुरुओं की अलौकिक वाणी से सम्बन्धित धार्मिक साहित्य की प्रदर्शनी भी लगायी गयी तथा साहित्य का निःशुल्क वितरण किया गया। गुरुद्वारे में ही बड़ी श्रद्धा व सुव्यवस्थित ढंग से 'गुरु का लंगर' का अटूट वितरण किया गया जिसमें छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक साथ पंगत में बैठकर लंगर छक रहे थे। निःसंदेह गुरुपर्व

वाले दिन गुरुद्वारे में सभी आनन्द विभोर हो रहे थे।

गुरुपर्व वाले दिन रात को लोगों ने अपने घरों, दुकानों आदि में दीपमाला की तथा पटाखे चलाये। गुरुद्वारे में दीवान सजाये गये जिसमें दूर-दूर से रागी जत्थे गुरुवाणी का कीर्तन करते रहे। सचमुच, गुरुपर्व की महिमा अपरम्पार है। मैंने अपने परिवार व मित्रों के साथ इस गुरुपर्व पर खूब आनंद उठाया। मुझे अगले गुरुपर्व का फिर इंतज़ार रहेगा।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਸ਼ਾਮ	=	शाम	ਸਜਾਵਟ	=	सजावट
ਅਨੰਦ	=	आनंद	ਤਿਆਰੀਆਂ	=	तैयारियाँ
ਸ਼ਾਂਤੀ	=	शांति	ਧਿਆਨ	=	ध्यान
ਗੁਰਦੁਆਰੇ	=	गुरुद्वारे	ਨਗਰ ਕੀਰਤਨ	=	नगरकीर्तन
ਸਿੱਖ	=	सिक्ख	ਸ਼ਰਧਾ	=	श्रद्धा
ਫੈਸਲਾ	=	फैसला	ਕੜਾਹ	=	कड़ाह
ਪ੍ਰਭਾਤਫੇਰੀ	=	प्रभातफेरी	ਗਤਕਾ	=	गतका
ਸਾਹਿਤ	=	साहित्य	ਪਟਾਕੇ	=	पटाखे

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਉਡੀਕ	=	इंतज़ार	ਇੰਤਜ਼ਾਮ	=	प्रबंध
ਹੌਂਸਲਾ	=	उत्साह	ਸੰਪੂਰਨ	=	सम्पन्न
ਮੌਕਾ	=	अवसर	ਰੱਬੀ ਬਾਣੀ	=	अलौकिक वाणी
ਖੂਬਸੂਰਤ	=	आकर्षक	ਵੰਡ	=	वितरण
ਚਾਅ	=	चाव	ਅਪਾਰ	=	अपरम्पार
ਮੁਫ਼ਤ	=	नि:शुल्क	ਇੱਕਦਮ	=	बरबस

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

(क) गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व कब मनाया जाता है?

(ख) नगर कीर्तन किन की अगुवाई में होता है?

(ग) नगर कीर्तन में गतका खेलने वाले लोगों को अपनी ओर कैसे आकर्षित करते हैं?

(घ) नगर कीर्तन विभिन्न स्थानों से होता हुआ कहाँ जाकर सम्पन्न होता है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में दें :-

(क) प्रभातफेरियों में श्रद्धालु क्या करते हैं?

(ख) गुरुपर्व के अवसर पर गुरुद्वारे को किस तरह सजाया जाता है?

(ग) 'गुरु का लंगर' के अटूट वितरण से आप क्या समझते हैं?

(घ) गुरुपर्व की रात की शोभा का वर्णन अपने शब्दों में करें।

5. रेखांकित पदों में कारक बतायें :

1. मैं **गुरुपर्व का** नाम सुनते ही रोमांचित हो गया।
2. हम सभी ने इस **गुरुपर्व को** इकट्ठे मिलकर मनाने का फैसला किया।
3. **श्रद्धालुओं द्वारा** थोड़ी-थोड़ी दूरी पर **आम जनता के लिए** लंगर लगाये गये।
4. नगर कीर्तन विभिन्न स्थानों से होता हुआ **गुरुद्वारा साहिब में** जाकर सम्पन्न हुआ।

6. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटकर लिखें :-

1. मुझे इसमें अतीव आनंद व शाँति मिलती है।
2. श्रद्धालुओं द्वारा गुरुपर्व बड़ी श्रद्धा से मनाया गया।
3. गुरुपर्व से दो दिन पहले नगर कीर्तन का आयोजन किया गया।
4. उन्होंने निशान साहिब को बड़े ही उत्साह व श्रद्धा से पकड़ रखा था।
5. गुरुपर्व वाले दिन रात को लोगों ने अपने घरों, दुकानों आदि में दीपमाला की तथा पटाखे चलाये।

7. पढ़ें, समझें और लिखें :-

गुरु +पर्व = **गुरुपर्व**

गुरु + द्वारा = __________

गुरु + ग्रंथ साहिब= __________

गुरु + चरण =__________

गुरु + दर्शन = __________

गुरु + सेवक = -------

प्र + दर्शनी = **प्रदर्शनी**

सु + व्यवस्थित =__________

निः+ शुल्क = __________

निः + संदेह = __________

8. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करें :-

रोमांचित ______________________________

उत्साह ______________________________

अलौकिक ______________________________

आनंद विभोर ______________________________

आकर्षक ______________________________

समिति ______________________________

महिमा ______________________________

प्रयोगात्मक व्याकरण

1. एक श्रद्धालु ने गुप्त रूप से **सौ किलो** दूध व **पचास किलो** चीनी लंगर हेतु भिजवायी।

2. हमने मिलकर **बहुत सारी सूजी**, चाय पत्ती और **ढेर सारे घी** का प्रबन्ध कर रखा था।

उपर्युक्त पहले वाक्य में **'सौ किलो'** से दूध (संज्ञा) के तथा **'पचास किलो'** से चीनी (संज्ञा) के निश्चित नाप-तोल का पता चल रहा है। अतः ये निश्चित परिमाण (नाप-तोल)वाचक विशेषण हैं। दूसरे वाक्य में **'बहुत सारी'** से तथा **'ढेर सारे'** से निश्चित परिमाण का बोध नहीं हो रहा अतः ये अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण हैं।

अतएव जिस विशेषण से निश्चित परिमाण का बोध हो उसे निश्चित परिमाण वाचक तथा जिससे निश्चित परिमाण का बोध न हो, उसे अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण कहते हैं।

1. **हमारा** शहर रोशनी से जगमगा रहा था।

2. **ऐसा** नज़ारा देखकर मैं भाव विभोर हो उठा।

उपर्युक्त वाक्य में **'हमारा'** तथा **'ऐसा'** सर्वनाम क्रमशः शहर तथा नज़ारा संज्ञा शब्दों से पूर्व आकर इनकी विशेषता बता रहे हैं। अतः हमारा तथा ऐसा शब्द सार्वनामिक विशेषण हैं।

अतएव जब सर्वनाम शब्द संज्ञा शब्दों से पहले लगकर विशेषण का काम करते हैं तो उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

पाठ 16

चींटी

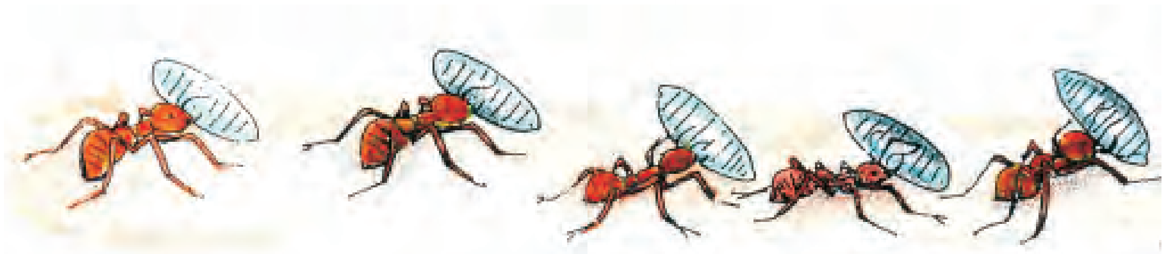

चींटी कितनी निर्भय है।
अपने श्रम में तन्मय है॥
छोटी उसकी काया है।
यह भी प्रभु की माया है॥
अथक परिश्रम करती है।
गिरती है चल पड़ती है॥
हम को यह सिखाती है।
मेहनत से न मानो हार।
अथक परिश्रम कर पहनो।
तुम सब विजय श्री का हार॥
चींटी का जीवन हमको।
यही प्रेरणा देता है।
मेहनत जीवन का सर्वस्व
श्रम ही फल देता है॥
चींटी कितनी निर्भय है।
अपने श्रम में तन्मय है।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਕਾਇਆ	=	काया	ਮਾਇਆ	=	माया

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਕੀੜੀ	=	चींटी	ਮਿਹਨਤ	=	परिश्रम
ਨਿਡਰ	=	निर्भय	ਜਿੱਤ	=	विजय श्री
ਲੀਨ	=	तन्मय	ਅਟੁੱਟ	=	अथक
ਉਤਸ਼ਾਹ	=	प्रेरणा	ਸਭ ਕੁੱਝ	=	सर्वस्व

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

(क) चींटी की काया कैसी है?

(ख) चींटी से हम क्या सीख सकते हैं?

(ग) विजय कैसे मिलती है?

(घ) 'चींटी कितनी निर्भय है, अपने श्रम में तन्मय है' से कवि का क्या भाव है?

4. वाक्य बनाओ

निर्भय : ____________________

तन्मय : ____________________

अथक : ____________________

विजय श्री : ____________________

प्रेरणा : ____________________

सर्वस्व : ____________________

5. 'परिश्रम' शब्द में 'श्रम' शब्द के आगे 'परि' शब्दांश लगा है। इसी प्रकार 'परि' शब्दांश लगाकर नये शब्द बनायें :-

परि + त्याग = __________ परि + वर्तन = __________

परि + णाम= __________ परि + हास = __________

परि + माण= __________ परि + धान = __________

6. बतायें इन शब्दों में 'र' व्यंजन आधा है या पूरा :-

निर्भय = आधा

श्रम = पूरा

प्रभु = ________

श्री = ________

सर्वस्व = ________

7. नये शब्द बनाओ :

तन्मय = न्म = ________,________,________

सर्वस्व = स्व = ________,________,________

8. जानिये

आपके घर के आस-पास कहीं न कहीं से चींटियाँ अवश्य निकलती होंगी। उन्हें ध्यान से देखो। उनके खान-पान और व्यवहार का अध्ययन करके अपनी कॉपी में लिखो।

- **चींटी के छः पैर होते हैं।**
- **चींटी की दो आँखें होती हैं और एक आँख कई छोटी-छोटी आँखों को मिलाकर बनती है।**
- **चींटी के दो पेट होते हैं। एक में अपने लिए और दूसरे में साथी चींटियों के लिए भोजन जमा करती है।**
- **एक चींटी को खाना मिलने पर वह एक प्रकार की गंध पैदा करती है जिसे सूँघकर मज़दूर चींटियाँ वहाँ पहुँच जाती हैं।**
- **चींटी अपने वज़न से लगभग बीस गुणा वज़न उठा सकती है।**
- **कुछ चींटियाँ मिट्टी की मेंडें बनाकर रहती हैं क्योंकि ये मेंडें पर्वतों की तरह दिखती हैं इसलिए इन्हें ऐंट हिल्स कहते हैं।**

बूझो तो जानो :-

काली काली चमड़ी उसकी
धीमी-धीमी चाल
घर-घर घूमे ऐसे
जैसे हो कोतवाल।

उत्तर: चींटी

पाठ 17

पिल्ले बिकाऊ हैं

एक दुकानदार ने अपनी दुकान के बाहर एक बोर्ड लगाया जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था ''पिल्ले बिकाऊ हैं।'' कुछ दिनों में यह बोर्ड आसपास के बच्चों के आकर्षण का केन्द्र बन गया। एक दिन एक बच्चा उस बोर्ड वाली दुकान के भीतर गया और उसने दुकानदार से पूछा, ''इन पिल्लों की क्या कीमत है?''

दुकानदार ने उत्तर दिया, ''पिल्ले की नस्ल और सेहत के मुताबिक उनकी कीमत रखी गई है जो 30 डालर से 50 डालर के बीच कुछ भी हो सकती है।'' उस बच्चे ने अपनी जेब में हाथ डाला और कुछ सिक्के निकाले। ''मेरे पास फिलहाल 2 डालर और 37 सैंट हैं, क्या मैं उन्हें देख सकता हूँ?'' वह दुकानदार मुस्कराया और उसने सीटी बजाई। सीटी की आवाज़ सुनते ही लैडी नाम की एक कुतिया माँद से निकलकर गलियारों से होती हुई दौड़ी-दौड़ी आई। उसके पीछे पाँच-छह छोटे-छोटे पिल्ले भी दौड़ते हुए आए। एक पिल्ला लंगड़ाता हुआ सबसे पीछे चल रहा था। अचानक उस बच्चे की नज़र उस अपाहिज पिल्ले पर पड़ी।

उसने पूछा, ''इस पिल्ले को क्या हुआ है?''

दुकानदार ने कहा ''इसके जन्म के समय कुत्तों के डाक्टर ने मुझे बताया था कि इसका एक कूल्हा बुरी तरह टूट गया है जिसके कारण यह कभी दूसरे कुत्तों की तरह नहीं चल पाएगा।''

दुकानदार की बात सुनकर बच्चे की उत्सुकता और अधिक बढ़ गई और उसने कहा, ''मैं यही पिल्ला खरीदना चाहता हूँ।''

दुकानदार ने उत्तर दिया,''नहीं-नहीं, मैं जानता हूँ तुम इस पिल्ले को बिल्कुल नहीं खरीदना चाहते हो। यदि तुम सचमुच इसे लेना चाहते हो तो मैं तुमसे इसकी कोई कीमत नहीं लूँगा।''

दुकानदार की बात सुनकर बच्चा परेशान हो गया और कुछ सेकंड बाद उसने व्यक्ति की आँखों में आँखें डालकर कहा, ''मैं नहीं चाहता कि तुम मुझे इसे यूँ ही दे दो। यह भी दूसरे पिल्लों की तरह सक्षम है और मैं तुम्हें इसकी पूरी कीमत दूँगा। फिलहाल मैं तुम्हें दो डॉलर और सैंतीस सैंट दे रहा हूँ और जब तक इसकी पूरी कीमत नहीं चुकती मैं हर महीने तुम्हें 50 सैंट दूँगा।''

उस दुकानदार ने तेज स्वर में कहा, ''बेटा, मैं जानता हूँ कि तुम सचमुच इस पिल्ले का नहीं लेना चाहते हो। यह दूसरे पिल्लों की तरह न तो दौड़ सकता है, न उछल-कूद कर सकता है और न ही खेल सकता है, फिर भला तुम इसे क्यों लेना चाहोगे।'' वह बच्चा नीचे झुका और

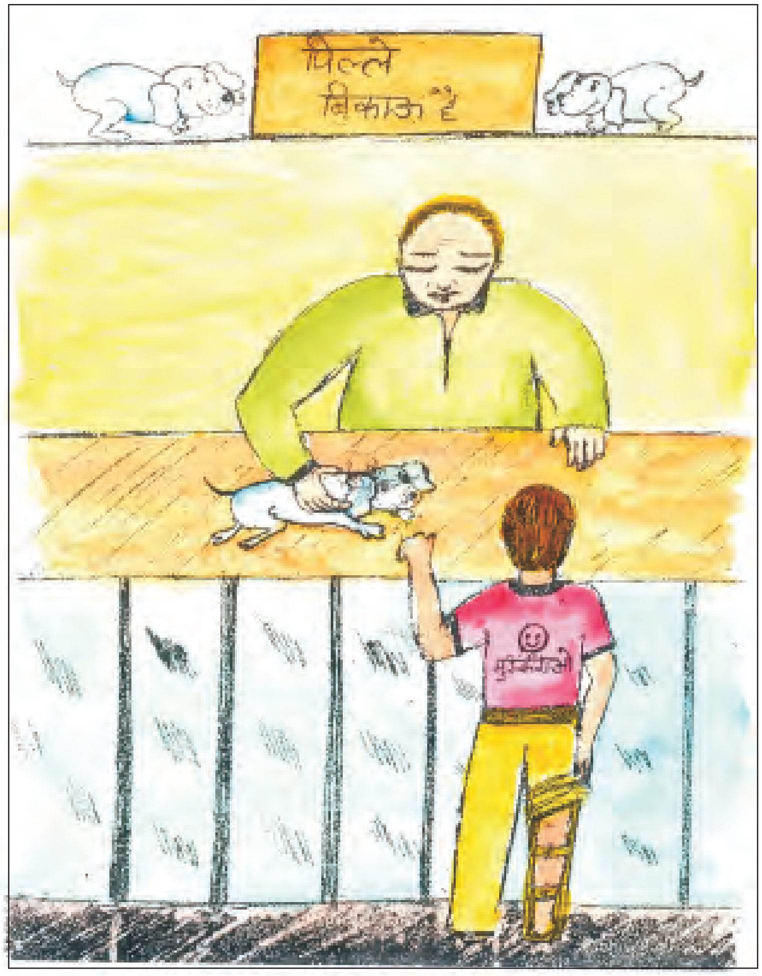

उसने अपनी पैंट ऊपर चढ़ाई ताकि वह दुकानदार को अपनी पोलियो से खराब हो चुकी टांग दिखा सके जो लोहे की छड़ों के सहारे सीधी खड़ी थी। उसने एक बार फिर उस दुकानदार की तरफ देखा और कहा, ''मैं दूसरे लड़कों की तरह अच्छी तरह दौड़ नहीं सकता और इस छोटे पिल्ले को भी ऐसे ही किसी मालिक की आवश्यकता है जो इसकी मजबूरी को समझ सके।''

दुकानदार से कुछ भी कहते नहीं बन रहा था। उस नन्हे बालक की बात सुनकर उसकी आँखों से आँसुओं की धारा निकल पड़ी और फिर कुछ देर बाद होंठों में मुस्कराहट भरकर उसने कहा, ''बेटा, मैं आशा करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इन सभी पिल्लों को तुम्हारे जैसा ही अच्छा मालिक मिले।''

जीवन में यह कुछ मायने नहीं रखता कि आप क्या हैं और कौन हैं। आपका जीवन तभी सार्थक हो सकता है जब कोई आपकी विशेषताओं की सच्चे मन से सराहना करे, आप जैसे हैं उसी रूप में आपको स्वीकार करे तथा आपसे निःस्वार्थ प्रेम करे। सच्चा मित्र वही है जो उस समय काम आता है, जबकि सारी दुनिया मुँह मोड़ लेती है।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:

ਬੱਚਾ	=	बच्चा	ਕੇਂਦਰ	=	केन्द्र
ਦੁਕਾਨ	=	दुकान	ਬੋਰਡ	=	बोर्ड
ਸਿਹਤ	=	सेहत	ਪੰਜ-ਛੇ	=	पाँच–छह
ਨਸਲ	=	नस्ल	ਸਮਾਂ	=	समय
ਵਿਅਕਤੀ	=	व्यक्ति	ਈਸ਼ਵਰ	=	ईश्वर
ਸਵੀਕਾਰ	=	स्वीकार	ਸੱਚਾ	=	सच्चा

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਮੁੱਲ = कीमत ਉਤਾਵਲਾ = उत्सुकता

ਅੰਗਹੀਣ = अपाहिज ਗੁਫਾ = मांद

ਲੱਕ ਦੇ ਦੋਵੇਂ ਪਾਸੇ ਦੀ ਹੱਡੀ=कूल्हा ਕਾਬਲ = सक्षम

ਕਤੂਰਾ = पिल्ला

ਅਮਰੀਕਾ, ਆਸਟ੍ਰੇਲੀਆ, ਕਨਾਡਾ ਆਦਿ ਦੇਸ਼ਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਸਿੱਕਾ = डालर

ਬਿਨਾ ਸਵਾਰਥ = निस्स्वार्थ ਡਾਲਰ ਦਾ ਸੌਵਾਂ ਭਾਗ = सैंट

ਜ਼ਰੂਰਤ = आवश्यकता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

1. दुकानदार ने दुकान के बाहर बोर्ड पर क्या लिखा था?
2. बच्चे की जेब में कितनी राशि थी?
3. अपाहिज पिल्ले के शरीर का कौन–सा भाग टूटा हुआ था?
4. दुकानदार ने अपाहिज पिल्ले की क्या कीमत बतायी?
5. बच्चे की टाँग किस कारण खराब हो चुकी थी?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर या तीन वाक्यों में दें :-

1. बच्चे द्वारा पिल्लों की कीमत पूछने पर दुकानदार ने क्या उत्तर दिया?
2. पिल्ले के अपाहिज होने का कारण पूछने पर दुकानदार ने क्या कहा?
3. बच्चे ने अपाहिज पिल्ले को ही क्यों खरीदा?
4. दुकानदार ने बच्चे के फैसले से प्रभावित होकर क्या कहा?
5. कहानी की अंतिम पंक्ति में सच्चे मित्र की क्या विशेषता बतायी है?

5. निम्नलिखित गद्यांश में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखें :

दुकानदार से कुछ भी कहते नहीं बन रहा था। उस नन्हे बालक की बात सुनकर उसकी आँखों से आँसुओं की धारा निकल पड़ी और फिर कुछ देर बाद होंठों में मुस्कराहट भरकर उसने कहा, ''बेटा, मैं आशा करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इन सभी पिल्लों को तुम्हारे जैसा ही अच्छा मालिक मिले।''

6. इस डिब्बे में सभी शब्द घुल मिल गये हैं। उनमें से क्रिया शब्द छाँटकर उनसे उचित वाक्य बनाइये :-

	क्रिया शब्द	वाक्य
1.	गया	मैं कल बाज़ार गया।
2.	______	________________________________
3.	______	________________________________
4.	______	________________________________
5.	______	________________________________
6.	______	________________________________
7.	______	________________________________

गया कीमत लूँगा
तेज़ आयी पोलियो
डाला आवाज़ कहा
दुकान दूँगा बजायी

सही पर्यायवाची/समानार्थी शब्द पर गोले लगायें :-

सक्षम : **क्षमताशाली**, असहाय, निर्बल, **समर्थ**

कुत्ता : सारमेय, श्वान, जानवर, वफादार

कीमत : बाज़ार, महँगी, भाव, मूल्य

उत्तर : जवाब, प्रश्न, सवाल, हल

माँद : जाल, गुफा, मकान, कंदरा

परेशान : आसान, सुखी, व्याकुल, हैरान

सोचिए और लिखिए :-

1. यदि आप उस बच्चे की जगह होते तो दुकानदार द्वारा अपाहिज पिल्ला दिखाये जाने पर क्या करते?
2. दुकानदार द्वारा बिना कीमत लिए पिल्ला देने पर भी बच्चे ने पिल्ले की कीमत क्यों दी?
3. पोलियो क्या होता है? सरकार पोलियो की समाप्ति के लिए क्या उपाय करती है?

रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखें :

1. इस पिल्ले की क्या कीमत है?

   ____

2. मैं जानता हूँ तुम इस पिल्ले को बिल्कुल नहीं खरीदना चाहते हो।

   ____

3. मैं तुम्हें इसकी पूरी कीमत दूँगा।

   ____

4. इन पिल्लों को तुम्हारे जैसे अच्छे मालिक मिलें।

   ____

5. पिल्ला लंगड़ाता हुआ सबसे पीछे चल रहा था।

   ____

जानिए

पोलियो एक संक्रामक रोग है। इसका वायरस पाखाने द्वारा निकलता है। इसलिए पाखाना जाने के बाद अपने हाथ साबुन से अच्छी तरह धोने चाहिये। यह वायरस विशेषकर टाँगों और बाजुओं की माँसपेशियों को प्रभावित करता है।

इस रोग से बचाव के दो तरीके प्रचलित हैं :

1. **पोलियो की बूँदें जो मुँह में डाली जाती हैं**
2. **इंजैक्शन के द्वारा**

भारत सरकार ने पोलियो उन्मूलन के लिए 'पल्स पोलियो अभियान' चलाया हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की सहायता से इस वायरस के सामूहिक रूप से खात्मे के लिए समय-समय पर पोलियो की बूँदें 0 से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पिलायी जाती हैं। आपके आस-पास जब भी ऐसा शिविर लगे तो आप लोगों को पोलियो की बूँदें पिलाने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि हमारा देश इस रोग से मुक्ति पा सके।

अध्यापकों के लिए

डॉलर एक अंतरराष्ट्रीय मानक मुद्रा है। 1519 में बोहेमिया के जोएकिमथेल शहर में पहली बार ढले चाँदी के सिक्कों के लिए 'थेलर' शब्द प्रयुक्त हुआ जो आगे चलकर डालर के रूप में प्रसिद्ध हुआ जिसका आज तक चलन है।

पाठ 18

रसोई का ताज : सब्ज़ियाँ

पात्र : नौ बच्चे-कुछ लड़के तथा लड़कियाँ

सामग्री : अलग-अलग सब्ज़ियों के मुखौटे जो मोटे कागज़ या गत्ते के बने हों तथा जिन पर डोरी या रस्सी बँधी हो।

(सभी बच्चे मंच पर विराजमान हैं। उन्होंने अपने-अपने मुँह पर एक-एक सब्ज़ी का मुखौटा पहना हुआ है। एक तरफ आलू, प्याज़ तथा टमाटर का मुखौटा पहने बच्चे बैठे हैं तथा दूसरी ओर घीया, मूली, शलगम, करेला, बैंगन और पुदीने का मुखौटा पहने बच्चे बैठे हैं। इन सब में आलू बहुत ही फुदक रहा है और अपने आपको बहुत समझ रहा है, इसीलिए सबसे पहले वही खड़ा होता है और अपनी शेखी बघारता है।)

आलू : (सभी सब्ज़ियों पर एक निगाह डालते हुए)

देखो, भाइयो और बहनो! मैं सब्ज़ियों का राजा हूँ। मेरा रसोई में सबसे ज़्यादा प्रयोग होता है। मुझे सभी पसंद करते हैं। मैं बाज़ार में बारहमास मिलता हूँ। मुझमें विटामिन ए होता है तथा प्रोटीन भी होते हैं। मैं तो हरेक सब्ज़ी के साथ घुल मिल जाता हूँ। बैंगन, गोभी, गाजर, मटर आदि के साथ मिलकर तो मैं सब्ज़ी के स्वाद को दोगुना कर देता हूँ। रायते के रूप में तो मेरे क्या कहने। इसके अलावा पूरियों के साथ लोग मुझे बड़े चाव से खाते हैं। मेरे परांठों की तो शान ही निराली है। मेरा उबला हुआ रूप तो पूर्ण आहार है। समोसे, टिक्की, चाट, पकौड़े तथा चिप्स के रूप में तो मैं जगत प्रसिद्ध हूँ।

प्याज़ : अच्छा! अच्छा! यह भी तो कहो कि तुम्हें खा-खा कर ही तो लोगों का मोटापा बढ़ रहा है।

आलू : ठीक है ! पर इसमें मेरा क्या कसूर ! मैं हूँ ही इतना प्यारा और स्वादिष्ट कि लोग मुझे खाए बिना रह ही नहीं सकते। यह तो लोगों को चाहिए कि वे मुझे संयम से प्रयोग में लायें। ज़रूरत से ज़्यादा मेरा सेवन न करें।

प्याज़ : अच्छा! अब चुप भी रहो। मेरी सुनो। मैं भी सदाबहार हूँ। मेरा किसी सब्ज़ी से कोई झगड़ा नहीं। मेरे बिना क्या कोई सब्ज़ी बन सकती है? दालों व सब्ज़ियों में मेरा खूब प्रयोग होता है। सलाद के रूप में कच्चा भी खाया जाता हूँ। मुझमें कैल्शियम, प्रोटीन तथा आयरन काफी मात्रा में होता है। मैं बहुत ही गुणकारी हूँ। मेरा अनेक दवाइयों में प्रयोग होता है। मेरा रस हृदय रोगियों के लिए अच्छा है। मैं रक्त प्रवाह को आसान बनाता हूँ।

टमाटर : तुम होते होंगे गुणकारी। पर तुम्हें काटते वक्त आँखों में से आँसू आ जाते हैं तथा तुम्हें कच्चा खाने पर मुँह से गंध आने लगती है। शायद बहुत से लोग तुम्हें इसी कारण पसन्द नहीं करते। पर मुझे देखो! मेरा रूप कितना सुंदर है। मेरा लाल-लाल रंग सभी को लुभाता है। एक ओर जहाँ मैं रक्त निर्माण करता हूँ वहीं दूसरी ओर रक्त साफ करने में भी सहायक हूँ। मैं जिगर को मज़बूत बनाता हूँ। मेरा सूप भूख बढ़ाने वाला है। हाँ! पथरी रोगियों को तो मेरे पास भी नहीं फटकना चाहिए।

घीया : हम हरी सब्ज़ियाँ भी किसी से कम नहीं है। मेरी सुंदरता व कोमलता देखकर सब्ज़ी मंडी में ग्राहक मुझे खरीदने को लालायित रहते हैं। मैं बहुत ही सुपाच्य हूँ। मेरा जूस पीने में चाहे स्वाद न भी लगे परन्तु सेहत के लिए लाभकारी है। मुझे उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो मुझे खरीदकर तो ले आते हैं परन्तु मेरी सब्ज़ी खाने में नाक सिंकोड़ते हैं। भाई! यदि मैं सब्ज़ी के रूप में तुम्हें पसन्द नहीं हूँ तो आप मेरा रायता बना लें। मेरा रायता दस्त में बहुत लाभकारी है। इसके अतिरिक्त कोफ़्ते के रूप में भी बनाया जा सकता हूँ। मुझे तलवों पर मलने से शरीर की गर्मी दूर होती है। सब्ज़ी के अलावा मेरा हलवा बहुत ही स्वादिष्ट व पौष्टिक होता है।

करेला : ठीक कहते हो आप। हम हरी सब्ज़ियाँ सचमुच बड़ी गुणकारी हैं।

आलू : अबे! चुप रह कड़वे और खुरदरे। भला तुम्हें कौन खाना पसंद करता है?

करेला : अपनी जुबान बंद कर तू। बहुत बोल लिया। मैं तुम सबसे गुणकारी हूँ। सिर्फ समझदार लोग ही मेरा महत्व जानते हैं। मैं पचने में हल्का हूँ। पीलिया और शूगर के रोगियों के लिए तो मेरा रस किसी वरदान से कम नहीं। मैं भूख बढ़ाने तथा भोजन पचाने वाला हूँ। मैं पेट के कीड़े भी मार देता हूँ तथा रक्त शोधक भी हूँ।

मूली : तुम ठीक कहते हो भाई करेले। हमारा महत्व तो सिर्फ समझदार लोग ही जानते हैं। कुछ लोग जब भी सब्ज़ी वाले से मुझे खरीदते हैं तो मेरे पत्ते वहीं कूड़ा समझकर फेंक आते हैं। बस यहीं वे बड़ी चूक कर देते हैं। मेरी पत्ते कभी नहीं फेंकने चाहिए। उन्हें क्या मालूम कि मेरे पत्ते बहुत ही पौष्टिक, स्वादिष्ट व लाभकारी हैं। मुझे सलाद में भाई नींबू के साथ निचोड़ कर खाने से खाना जल्दी पचता है तथा पेट के अनेक विकार दूर होते हैं। मैं पीलिया रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए विशेषकर गुणकारी हूँ

आलू : भाई बैंगन। तुम भी कुछ कहो।

बैंगन : हाँ-हाँ, क्यों नहीं! पर मैं तुम्हारी तरह राग नहीं अलापता। मेरे सिर पर लगा ताज यही बताता है कि मैं सब्ज़ियों में मुख्य हूँ।

आलू : नहीं, मैं सब्ज़ियों का राजा हूँ। तुम तो इतने श्याम वर्ण के हो कि तुम्हें कोई क्या खाएगा?

बैंगन : (गुस्से से) रंग नहीं, मेरे गुण देखो। मुझमें लौह तत्व होता है। मैं पाचन क्रिया को बढ़ाता हूँ। मुझे काटकर सब्ज़ी बना लो या मेरा भुर्ता बना लो। मेरे तो पकौड़े भी स्वादिष्ट बनते हैं।

शलगम : अच्छा! अच्छा! बंद करो अपनी लड़ाई। मैं भी लाभकारी हूँ। पर मेरे गुणों का लोगों को पता नहीं। सब्ज़ी के अलावा कच्चा खाने में मैं बहुत मीठा हूँ। मैं भी पाचन क्रिया बढ़ाता हूँ। जिन लोगों में विटामिन बी की कमी हो उन्हें तो मेरा सेवन किसी न किसी रूप में अवश्य करना चाहिए।

आलू : पुदीने भाई । तुम्हें भी कुछ कहना है क्या? आज मौका है। जी भरकर कह लो।

पुदीना : मुझे कहने की क्या ज़रूरत है। मेरे गुण किसी से छिपे नहीं हैं। छोटा हूँ, पर हूँ गुणों की खान। मैं गर्मी के कारण होने वाले सभी रोगों में आसानी से विजय पा लेता हूँ। मेरे आगे तो उल्टियाँ, खट्टी डकारें आदि किसी की एक नहीं चलती। मेरे सामने सभी भागते दिखाई देते हैं। चटनी के रूप में तो मैं बहुत लोकप्रिय हूँ।

(इस तरह आपस में सब्ज़ियों में तीखी नोक-झोंक हो रही थी कि उसी समय मालकिन को रसोई की तरफ आता देखकर सभी सब्ज़ियों के मन में चाहत हो रही थी कि आज उसे बनाया जाये। सभी अपना अपना दावा कर रहे थे कि आज मालकिन उनका सेवन ज़रूर करेंगी।)

बैंगन : देखना! आज मेरी बारी है।

शलगम : नहीं ! मालकिन आज मेरा सेवन करेंगी।

करेला : नहीं! नहीं! वो मुझे ही लेने आ रही हैं।

आलू : चुप हो जाओ सभी। वो बिल्कुल पास आ गयी हैं।

(सभी चुप हो जाते हैं, तभी मालकिन का प्रवेश होता है)

मालकिन : (घीये, टमाटर और शलगम की ओर देखते हुए) चलो! पहले घीये, टमाटर और शलगम का सूप बनाती हूँ। (फिर आलू, बैंगन की तरफ इशारा करते हुए) इनकी सब्ज़ी बनाती हूँ। (प्याज़ और मूली की ओर देखकर) इनका मैं सलाद काटती हूँ। इसके बाद वह चटनी बनाने के लिए पुदीने को उठाकर चल पड़ती है।

(पर्दा गिरता है)

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें :-

ਸ਼ਾਮ	=	शाम	ਸਜਾਵਟ	=	सजावट
ਸਬਜ਼ੀਆਂ	=	सब्ज़ियाँ	ਗੁੱਸਾ	=	गुस्सा
ਰੱਸੀ	=	रस्सी	ਬਾਅਦ	=	बाद
ਰਸੋਈ	=	रसोई	ਮਿੱਠਾ	=	मीठा
ਪਿਆਰਾ	=	प्यारा	ਖੱਟੀ	=	खट्टी
ਸੰਜਮ	=	संयम	ਉਲਟੀਆਂ	=	उल्टियाँ
ਦਵਾਈਆਂ	=	दवाइयाँ	ਲੜਕੀਆਂ	=	लड़कियाँ
ਗੱਤੇ	=	गत्ते	ਡਕਾਰ	=	डकार
ਵਿਟਾਮਿਨ	=	विटामिन	ਪ੍ਰੋਟੀਨ	=	प्रोटीन

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਭੋਜਨ	=	आहार	ਇੱਛੁਕ	=	लालायित
ਸੁਆਦਲਾ	=	स्वादिष्ट	ਖੁਰਾਕੀ ਤੱਤਾਂ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ	=	पौष्टिक
ਸ਼ੱਕਰ ਰੋਗ	=	मधुमेह	ਕੌੜਾ	=	कड़वा
ਖੂਨ	=	रक्त	ਮਸ਼ਹੂਰ	=	लोकप्रिय
ਹੰਝੂ	=	आँसू	ਖਰੀਦਦਾਰ	=	ग्राहक
ਪਚਣ ਯੋਗ	=	सुपाच्य			

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :

(क) आलू ने अपने किस रूप को पूर्ण आहार कहा?

(ख) टमाटर ने किन रोगियों को अपना सेवन करने से मना किया है?

(ग) घीये को शरीर के किस भाग पर मलने से शरीर की गर्मी दूर होती है?

(घ) पीलिया और शूगर के रोगियों के लिए किस का रस वरदान से कम नहीं है? पाठ के आधार पर बतायें।

(ङ) किस सब्ज़ी के सिर पर ताज़ लगा होता है? पाठ के आधार पर बतायें।

(च) किस सब्ज़ी ने कहा कि मुझमें लौह तत्व होता है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दें :

(क) आलू ने अपने आपको सब्ज़ियों का राजा क्यों कहा?

(ख) आलू ने ज़रूरत से ज़्यादा अपना प्रयोग करने से क्यों मना किया?

(ग) टमाटर ने अपनी प्रशंसा कैसे की?

(ङ) घीये को किन लोगों से शिकायत है? उसने अपने सेवन के क्या-क्या तरीके बताये?

(च) करेले ने अपने आपको गुणकारी क्यों कहा?

(छ) पुदीने ने अपने आपको गुणों की खान क्यों कहा?

5. पाठ के आधार पर बतायें कि ये बातें सही (✓) हैं या गलत (X)

आलू में विटामिन ए तथा प्रोटीन होता है।	✓
प्याज़ में कैल्शियम तथा आयरन नहीं होता।	
टमाटर का सूप भूख घटाने वाला है।	
मूली के पत्ते फेंक देने चाहिएं।	
हरी सब्ज़ियाँ बहुत ही गुणकारी होती हैं।	
करेला रक्त शोधक भी होता है।	
पुदीने के सेवन से खट्टी डकारें आती हैं।	

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ दे दिए गए हैं। इन्हें वाक्यों में प्रयोग करें :

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
शेखी बघारना	अपने मुँह अपनी बड़ाई करना	____________________
नाक सिंकोड़ना	घृणा प्रकट करना	____________________
राग अलापना	अपनी ही बात कहते रहना और दूसरों की न सुनना, किसी चीज़ की रट लगाना	____________________
एक न चलना	कोई युक्ति (उपाय) सफल न होना	____________________

7. सोचिए और लिखिए

* आपके विचार में क्या आलू सचमुच सब्ज़ियों का राजा है?
* सूप में किन-किन सब्ज़ियों का प्रयोग होता है?
* सलाद के रूप में किन-किन सब्ज़ियों का प्रयोग होता है?

8. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें :

अनेक शब्द	एक शब्द
सरलता से पचने वाला	________________
लाभ पहुँचाने वाला	________________
जनसाधारण को पसंद आने वाला	________________
बहुत स्वाद वाला	________________
पुष्ट करने वाला	________________

सहायक क्रिया : रसोई में जाकर अपनी माता जी की सहायता से सलाद काटना सीखें और उसे सजाकर परोसें।

पाठ 19

पेड़ लगाओ

चार लगाओ चाहे हज़ार लगाओ
पेड़ लगाओ।
जितना पेड़ लगेगा उतना लाभ है
हरियाली जीवन के लिए ज़रूरी है
फिर भी खाली सड़क शहर सूना सूना
कैसी यह लाचारी यह मज़बूरी है
चलो खेत के मेंड सजाएं शीशम से
फुलवारी में नींबू और अनार सजाओ।
चार लगाओ चाहे हज़ार लगाओ।
पेड़ लगाओ।

पेड़ों का जीवन में बड़ा महत्व है
इसीलिए कि वह जीवन देने वाला
नहीं जानते उनकी क्यों पूजा होती
इसीलिए कि वह यौवन देने वाला

लेते हैं दुर्गन्ध, सुगन्ध लुटाते हैं
रोज़ सुबह पेड़ों का त्योहार मनाओ
चार लगाओ चाहे हज़ार लगाओ
पेड़ लगाओ।

फूलों से है मानव ने हँसना सीखा
रस का बोध हुआ है उसको आम से
क़ायम करके दुनिया के इस राज़ को
ईश्वर ने लिख दिया पेड़ के नाम से

पेड़ लगाकर सारे भारतवर्ष में
सभी जगह पर हरा-भरा संसार बसाओ
चार लगाओ चाहे हज़ार लगाओ
पेड़ लगाओ।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें :-

ਹਰਿਆਲੀ	=	हरियाली	ਅੰਬ	=	आम
ਸ਼ਹਿਰ	=	शहर	ਦੁਨੀਆ	=	दुनिया
ਮਹੱਤਵ	=	महत्व			

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-

ਵੱਟਾਂ	=	मेंड	ਮਨੁੱਖ	=	मानव
ਟਾਹਲੀ	=	शीशम	ਜਾਣਕਾਰੀ, ਗਿਆਨ	=	बोध
ਜਵਾਨੀ	=	यौवन	ਪੱਕਾ	=	कायम
ਬਦਬੂ	=	दुर्गन्ध	ਰਹੱਸ, ਭੇਤ	=	राज़
ਖੁਸ਼ਬੂ	=	सुगन्ध	ਪਰਮਾਤਮਾ	=	ईश्वर
ਸਰਘੀ ਵੇਲਾ	=	सुबह			

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें :-

(क) कवि के अनुसार जीवन के लिए क्या ज़रूरी है?

(ख) कवि ने फुलवारी में कौन-से पौधे लगाने को कहा है?

(ग) कवि के अनुसार मानव ने हँसना किससे सीखा है?

(घ) कवि ने खेत की मेंडों पर कौन-से पेड़ लगाने को कहा है?

(ङ) 'फिर भी खाली सड़क शहर सूना सूना' में कवि ने किस की कमी के बारे में बताया है?

4. 'लेते हैं दुर्गन्ध, सुगन्ध लुटाते हैं' से कवि का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट करें।

5. नीचे लिखे वाक्यों को पाठ से देखकर पूरा करें :-

(क) हरियाली जीवन के लिए _________।

(ख) _________ बड़ा महत्व है।

(ग) लेते हैं _________ लुटाते हैं।

(घ) सभी जगह पर _________।

6. नीचे लिखे शब्दों के सही रूपों को समझें। गलत शब्द में बिन्दी या चंद्रबिन्दु नहीं है, इसलिए यह गलत है :

गलत शब्द	सही शब्द
जरूरी	ज़रूरी ('ज' के नीचे बिन्दी लगानी चाहिए)
खाली	ख़ाली ('ख' के नीचे बिन्दी लगानी चाहिए)
हजार	हज़ार ('ज' के नीचे बिन्दी लगानी चाहिए)
हंसना	हँसना ('ह' पर बिन्दी की बजाय चन्द्रबिन्दु (ँ) लगाना चाहिए।
कायम	क़ायम ('क' के नीचे बिन्दी लगानी चाहिए)
राज	राज़ ('ज' के नीचे बिन्दी लगानी चाहिए)

7. नीचे दिए गए चौखानों में दस पेड़ों के नाम छिपे हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखो :-

जा	ब	र	ग	द	अ
मु	शी	आ	ड़	नी	म
न	श	म	अ	ना	रू
भ	म	ख	ना	रि	द
ट	ड	छ	र	य	क
ज	श	पी	प	ल	च

1. ________ 6. ________

2. ________ 7. ________

3. ________ 8. ________

4. ________ 9. ________

5. ________ 10. ________

8. सोचिए और लिखिए :-

* पेड़ हमें क्या-क्या देते हैं? सूची बनाओ।
* यदि धरती पर पेड़ घटते जायेंगे तो क्या होगा?
* 'पेड़ों का त्योहार मनाओ' पंक्तियों में कवि ने वन महोत्सव की तरफ संकेत किया है। इस पर सोच कर पाँच पंक्तियाँ लिखें। अपने घर और विद्यालय में नीम और तुलसी के पौधे लगाओ।

9. सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हुए गद्यांश को पूरा करें :-

________एक पेड़ हूँ। धरती________माता है। ________नन्हे से बीज के रूप में धरती में छिपा रहता हूँ।________पालन पोषण माली करता है। बढ़ते-बढ़ते ________विशाल वृक्ष का रूप धारण कर लेता हूँ। पक्षी________पर बसेरा लेते हैं और पशुओं को________आश्रय देता हूँ। दवाइयों के रूप में भी________प्रयोग होता है।________बहुत ही गुणकारी हूँ। फिर भी दुर्भाग्य की बात है कि लोग________अंधाधुंध काटते ही जाते हैं________हमेशा देता ही हूँ________माँगता नहीं।________जैसे परोपकारी बनो।

निम्नलिखित कविता की पंक्तियों का रस लीजिए तथा इस प्रकार कविता लिखने का प्रयास करें:

खड़े-खड़े मुस्काते पेड़।
कहीं न आते जाते पेड़॥
कड़ी धूप में बनते साया,
सारा जीवन सरस बनाया,
पेड़ों की है अद्भुत काया।
पहले वर्षा लाते पेड़।
फिर छतरी बन जाते पेड़।

कुछ करिये

प्रकृति प्रेमी पौधे लगा तो देते हैं किन्तु कई बार उचित देखभाल न हो सकने के कारण उनमें से अधिकतर पौधे नष्ट हो जाते हैं। अत: उनकी सुरक्षा व संरक्षण इस तरह करें जैसे माता-पिता अपनी संतान के लिए करते हैं।

गायें और लिखें

पेड़ बचाओ, पेड़ बढ़ाओ

धरती को खुशहाल बनाओ

इस तरह के नारे लिखने का प्रयास करें। उन्हें चार्ट पर लिखकर अपनी कक्षा में लगायें।

पेड़ों सम्बन्धी रोचक जानकारी

* पेड़ों की पत्तियों में क्लोरोफिल होता है। यह हरे रंग का पदार्थ सूर्य की किरणों से ऊर्जा खींचता है।
* कई पेड़-पौधों के बीजों या फलों से तेल निकाला जाता है जैसे-मूँगफली, नारियल, सरसों, सूरजमुखी आदि।
* यू.एस.ए. (कैलिफोर्निया) का जनरल शरमैन पेड़ दुनिया का सबसे लम्बा पेड़ है जिसका वजन लगभग 6 टन है।

पाठ 20

ज्ञान का भंडार : समाचार-पत्र

अख़बार! सुबह सवेरे हर घर में कोई न कोई अख़बार आता है। घर का हर प्राणी इसकी राह देख रहा होता है। कई लोगों की नींद ही अख़बार आने पर खुलती है। बच्चो! जानते हो हर कोई अख़बार का दीवाना क्यों है? नहीं जानते ! मैं बता देता हूँ, इसमें सबके लिए कोई न कोई जानकारी होती है। आप बच्चों के लिए कहानियाँ, बाल कविताएँ व चुटकुलों के साथ-साथ पहेलियाँ होती हैं। कार्टून होते हैं, रंग भरो प्रतियोगितायें होती हैं। इन पर पुरस्कार भी मिलते हैं। क्या आपने कभी रंग भरो प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है? अब ध्यान से अख़बार देखना और अपनी प्रतियोगिताएं ढूँढ़कर उनमें हिस्सा लेना।

अखबार आने पर कई बार घर के सदस्य इसे पढ़ने के लिए छीना-झपटी भी करते हैं सबसे पहले पढ़ने के लिए। इसमें महिलाओं को रसोई की बहुत सारी चीज़ें बनाना सिखाया जाता है। युवाओं के लिए कौन-सा विषय और कौन-सी राह चुनें, इसकी जानकारी दी जाती है। खेल जगत की सूचनाएँ भी रहती हैं। बहुत-से साहसी लोगों की जानकारी दी जाती है जो औरों के लिए प्रेरणा बन सकें।

बच्चो ! इसीलिए समाचार-पत्र को ज्ञान का भंडार कहा जाता है। इसमें हर क्षेत्र की सामग्री मिलती है। एक बहुत बड़ी बात बता दूँ कि जो बच्चा प्रतिदिन समाचार-पत्र पढ़ता है, उसका सामान्य-ज्ञान दूसरों से कहीं ज़्यादा होता है। पाठ्य-पुस्तकों के साथ-साथ समाचार-पत्र पढ़ने से ज्ञान बढ़ता है।

कागज़ छापने की मशीन आने के साथ ही समाचार-पत्रों का प्रकाशन शुरू हुआ था। ये समाचार-पत्रों के संपादक ही थे जिन्होंने देश-भक्ति की भावना लोगों में भरी। लोग स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। महात्मा गाँधी, लाला लाजपतराय, जवाहरलाल नेहरू, व बाल गंगाधर तिलक सबने अख़बारों में लेख लिखे, लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन की जानकारी दी। ये पंक्तियाँ तो सदा-सदा कही जाती रहेंगी-

खींचो न कमानो को, न तलवार निकालो
जब तोप मुकाबला हो, तब अख़बार निकालो।

बच्चो ! आपको पता है कि शहीद भगत सिंह ने भी कानपुर में 'बलवंत' नाम से 'प्रताप' अख़बार में कुछ समय उप संपादक के तौर पर काम किया था। संपादक के सहयोगियों को उप संपादक कहा जाता है।

आजकल भी अख़बारों की ज़रूरत व महत्व बढ़ता जा रहा है। नयी तकनीक से अख़बार रंगीन फोटो के साथ प्रकाशित होने लगे हैं। पहले श्वेत-श्याम अख़बार प्रकाशित होते थे। पहले डाक द्वारा समाचार भेजे जाते थे, फिर टेलिग्राम से भेजे जाने लगे। अब इंटरनेट पर भेजे जा रहे हैं। समाचार भेजने वाले को क्या कहते हैं? समाचार भेजने वाले को रिपोर्टर या पत्रकार कहते हैं। यदि आप अपनी कक्षा में प्रथम आ जाओ तो रिपोर्टर आपके घर फोटो लेने आते हैं। यह भी पूछते हैं कि क्या बनना चाहते हो? समाचार-पत्रों का प्रकाशन करने के बाद इन्हें बंडल बना कर अलग-अलग शहरों में भेजा जाता है। वहाँ एजेंसी मालिक हॉकरों को बाँटने के लिए अखबार देता है। तब हर सुबह अख़बार आपके हाथ में पहुँचता है। अख़बार हॉकरों के लिए रोज़गार देता है तो पढ़ने वाले को ज्ञान। इसलिए अख़बार ज्ञान के भंडार हैं। आप इस भंडार से जितना चाहो ज्ञान ले सकते हो!

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਅਖਬਾਰ	=	अख़बार	ਪ੍ਰੇਰਣਾ	=	प्रेरणा
ਕਾਰਟੂਨ	=	कार्टून	ਤਕਨੀਕ	=	तकनीक
ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਿਤਾ	=	प्रतियोगिता	ਸੰਪਾਦਕ	=	संपादक

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :

ਰਸਤਾ	=	राह	ਖੋਹਣਾ	=	छीना-झपटी
ਖ਼ਜ਼ਾਨਾ	=	भंडार	ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ	=	सामान्य ज्ञान
ਇਨਾਮ	=	पुरस्कार	ਛਾਪਣਾ	=	प्रकाशन
ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੀ ਲੜਾਈ	=	स्वतन्त्रता-संग्राम	ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨ ਵਾਲੇ	=	सहयोगी
ਚਿੱਟਾ ਅਤੇ ਕਾਲਾ ਰੰਗ	=	श्वेत और श्याम	ਅਖਬਾਰ ਘਰ ਤੱਕ ਲਿਆਉਣ ਵਾਲੇ	=	हॉकर

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

(क) लेखक ने ज्ञान का भंडार किसे कहा है?
(ख) बच्चों की रुचि की क्या-क्या सामग्री अख़बार में मिलती है?
(ग) अख़बार महिलाओं के लिए कैसे उपयोगी है?
(घ) युवा लोग इससे क्या लाभ उठा सकते हैं?
(ङ) बच्चे अपना सामान्य-ज्ञान कैसे बढ़ा सकते हैं?
(च) समाचार-पत्र का प्रकाशन किस मशीन के आने से शुरू हुआ?
(छ) देशभक्तों ने लोगों में देश भक्ति की भावना कैसे भरी?
(ज) शहीद भगत सिंह ने किस नाम से और किस अख़बार में काम किया था?
(झ) आजकल समाचार कैसे भेजे जाते हैं?
(ञ) रिपोर्टर किसे कहते हैं?
(ट) घरों में अख़बार कौन लाता है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखें :-

(क) अख़बार पढ़ना क्यों ज़रूरी है?
(ख) लोगों में देशभक्ति की भावना कैसे भरी जा सकती है?
(ग) अख़बार हमारे घर तक कैसे पहुँचता है?
(घ) समाचार-पत्र ज्ञान का भंडार हैं। कैसे?

5. बहुवचन रूप लिखें :-

महिला	=	**महिलाओं**	अख़बार	=	**अख़बारों**
युवा	=	_________	पुस्तक	=	_________
कविता	=	_________	पत्र	=	_________
प्रतियोगिता	=	_________	हॉकर	=	_________

6. इन संयुक्त व्यंजनों से नये शब्द बनायें :-

पुरस्कार	=	स्क	=	**तिरस्कार, चस्का**
पुस्तक	=	स्त	=	________,________
श्वेत	=	श्व	=	________,________
ध्यान	=	ध्य	=	________,________
ज्ञान	=	ज् + ञ = ज्ञ	=	________,________
पत्र	=	त् + र = त्र	=	________,________

7. निम्नलिखित में से रेखांकित शब्दों में र का कौन सा रूप है-पूरा 'र' अथवा आधा 'र्':-

कार्टून = _________
टेलिग्राम = _________

संग्राम	=	__________
प्राणी	=	__________
प्रेरणा	=	__________
प्रताप	=	__________
रिपोर्टर	=	__________

8. सोचिए और लिखिए :-

1. बच्चों के लिए अखबारों में कौन-कौन-सी सामग्री प्रकाशित होती है, उनकी सूची बनाओ।
2. बाल-पत्रिकाओं की सूची बनाओ।
3. यदि आपके क्षेत्र में किसी ने साहस से भरा कार्य किया हो तो पता करो तथा कक्षा में आकर सुनाओ।

9. करिए और जानिए :-

1. आपके स्कूल की लड़की ने आठवीं कक्षा में पूरे ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, उससे सम्पर्क कर इंटरव्यू लो।
2. समाचार-पत्र के कार्यालय में जाओ, देखो वहाँ समाचार-पत्र कैसे छपते हैं? पूरा विवरण अपनी सहेली/मित्र को पत्र द्वारा लिखकर भेजो।

10. एक शब्द में अलग-अलग अक्षरों व मात्राओं के प्रयोग से और कई शब्द बन सकते हैं। समाचार शब्द से बनने वाले विविध शब्द कैसे बनते हैं। देखो।

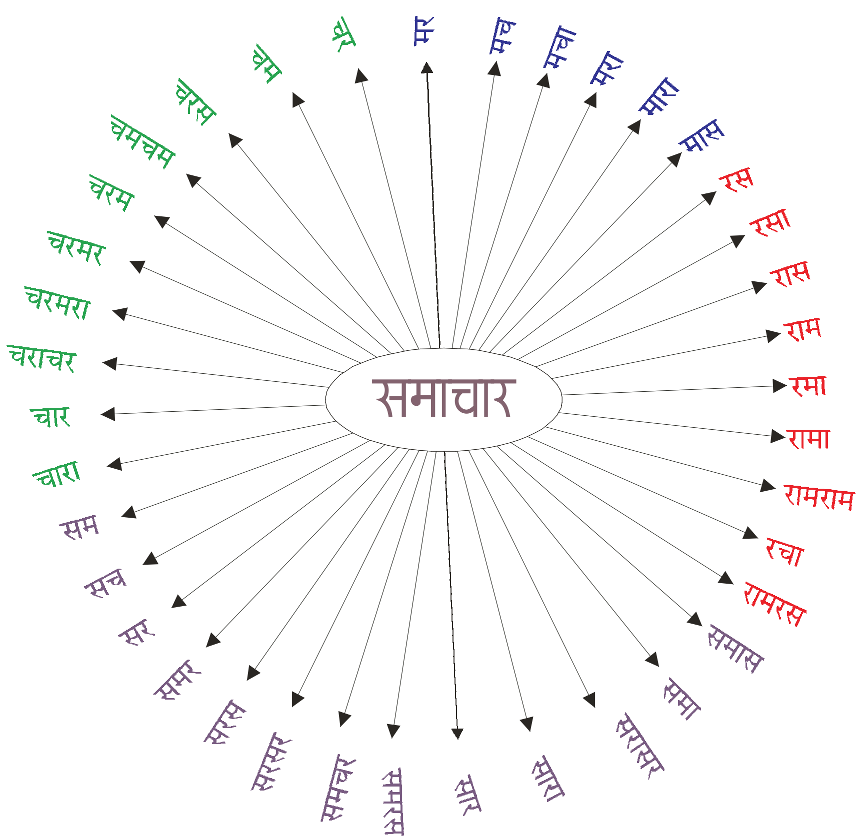

रेखांकित पदों में कारक बताइये :-

1. घर के सदस्य अखबार <u>पढ़ने के लिए</u> छीना झपटी भी करते हैं।
2. यदि आप अपनी <u>कक्षा में</u> प्रथम आ जाओ तो रिपोर्टर <u>आपके घर</u> फोटो लेने आते हैं।
3. अखबार <u>हॉकरों को</u> रोज़गार देता है।
4. अब समाचार <u>इंटरनेट पर</u> भेजे जा रहे हैं।
5. <u>शहीद भगत सिंह ने</u> भी कानपुर में 'बलवंत' नाम से 'प्रताप' <u>अखबार में</u> कुछ समय काम किया था।
6. संपादक के <u>सहयोगियों को</u> उप संपादक कहा जाता है।

जानिये

इंटरनेट (Internet) : अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक दूसरे से जुड़े कंप्यूटरों की व्यवस्था जिसका उपयोग (टेलिफ़ोन के समान) कंप्यूटर पटल पर जानकारी के आदान-प्रदान के लिए किया जाता है।